हिंदी दैनिक

कलम की पहल

PRGI NO. UAHIN/25/A1323

वर्ष : 02 अंक : 155 पृष्ठ : 08 मूल्य : 1 रूपए नैनीताल, सोमवार, 23 नवंबर, 2026

E-mail: kalamkipahaluk@gmail.com Website: kalamkipahal.com

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने हरिद्वार के अमरापुर घाट पर किया 10 हजार मत्स्य बीज का संचय

के.के.पी संवाददाता

हरिद्वार। विश्व मात्स्यिकी दिवस के अवसर पर गंगा की प्राकृतिक मत्स्य संपदा और जलीय जैव विविधता को बढ़ावा देने के लिए मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने हरिद्वार स्थित अमरापुर घाट पर 10 हजार मत्स्य बीज का संचय किया। मत्स्य विभाग की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य नदी के प्राकृतिक संसाधनों को समृद्ध करना, जलीय पारिस्थितिकी को मजबूत बनाना और आम लोगों को पर्यावरण संतुलन के प्रति जागरूक करना रहा।



इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री धामी ने कहा कि मां गंगा केवल आस्था और संस्कृति का केंद्र ही नहीं हैं, बल्कि हमारी समृद्ध प्राकृतिक विरासत और जैव विविधता का भी अहम स्रोत हैं। उन्होंने जोर दिया कि गंगा की निर्मलता, अविरलता और प्राकृतिक स्वरूप को बनाए रखना हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है। प्रदेश की नदियों में पाई जाने वाली मत्स्य संपदा और जलीय जीवों का संरक्षण पारिस्थितिकी संतुलन के लिए बेहद जरूरी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नदियों में मत्स्य बीज संचयन जैसी पहल प्राकृतिक संसाधनों के संवर्धन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इससे नदी में मछलियों की उपलब्धता बढ़ने के साथ-साथ जलीय पारिस्थितिकी को मजबूती मिलती है और मत्स्य उत्पादन की संभावनाओं को भी प्रोत्साहन मिलता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण अकेले सरकारी प्रयासों से संभव नहीं है, इसके लिए समाज के हर वर्ग और व्यक्ति की सक्रिय भागीदारी जरूरी है। आम नागरिकों से अपील करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि वे गंगा की स्वच्छता बनाए रखने के साथ-साथ जलीय जीवों और मत्स्य संपदा की सुरक्षा में भी आगे आएं। उन्होंने नदियों में प्रदूषण रोकने, जलीय जीवों के प्राकृतिक आवास को सुरक्षित रखने और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार व्यवहार अपनाने को भावी पीढ़ियों के लिए सुरक्षित पर्यावरण सुनिश्चित करने की दिशा में अहम कदम बताया।

कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष आशुतोष शर्मा, जिलाधिकारी मयूर दीक्षित, मुख्य विकास अधिकारी डॉ. ललित नारायण मिश्र, उप जिलाधिकारी हरिद्वार योगेश मेहरा, सहायक निदेशक मत्स्य श्रीमती गरिमा मिश्रा और सीओ सिटी शिशुपाल सिंह नेगी सहित मत्स्य विभाग के अधिकारी व जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

भारत पहुंचे बालेन शाह, पीएम मोदी-राष्ट्रपति के लिए लाए खास तोहफा



नई दिल्ली। नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन्द्र बालेन शाह 2 दिन के दौरे पर भारत आ चुके हैं. पीएम बनने के बाद वे पहली बार भारत के दौर पर आए हैं. इसके अलावा वे पहली किसी विदेशी दौरे पर भी पहुंचे हैं. इस दौरान वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को दो मूर्तियां भेंट करेंगे. वे प्रधानमंत्री मोदी को रातो मच्छिंद्रनाथ की एक मूर्ति भेंट करेंगे.

यह देवता नेपाल की धार्मिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक पहचान से गहराई से जुड़े हैं. ये काठमांडू घाटी में एक प्रमुख देवता के रूप में पूजे जाते हैं. पारंपरिक नेपाली मान्यताओं के अनुसार, लिच्छवि राजवंश के राजा नरेंद्र देव रातो मच्छिंद्रनाथ को मौजूदा समय के असम से काठमांडू घाटी लाए थे. नेपाल के प्रधानमंत्री राष्ट्रपति मुर्मू को काठमांडू के चाबाहिल स्थित चारुमति विहार से जुड़ी एक मूर्ति भी भेंट करेंगे. इस विहार (मठ) का इतिहास मौर्य सम्राट अशोक और उनकी बेटी चारुमति से जुड़ा है.

पारंपरिक कथाओं के अनुसार, सम्राट अशोक अपनी बेटी के साथ काठमांडू घाटी आए थे. बाद में उनकी बेटी ने वहां के एक स्थानीय राजकुमार, देवपाल से विवाह कर लिया और देवपाटन क्षेत्र में बस गईं.

माना जाता है कि चारुमति ने ही इस क्षेत्र में इस विहार की स्थापना की थी, और यहीं उनका निधन भी हुआ था. प्रधानमंत्री मोदी के निमंत्रण पर शाह 22-23 नवंबर को भारत की यात्रा कर रहे हैं. विदेश मंत्रालय (MEA) ने इस सप्ताह की शुरुआत में एक बयान में कहा था कि यह दौरा दोनों देशों के बीच नियमित उच्च-स्तरीय बातचीत की परंपरा को आगे बढ़ाता है. यह दर्शाता है कि भारत अपनी नेबरहुड फर्स्ट नीति के तहत नेपाल के साथ अपने संबंधों को कितना महत्व देता है.

जदयू को बीजेपी के एजेंट चला रहे, मोदी के मंच पर नीतीश की गैरमौजूदगी पर प्रशांत किशोर बोले

नई दिल्ली। जन सुराज पार्टी के सुप्रीमो और बांकीपुर के विधायक प्रशांत किशोर ने कहा है कि नीतीश कुमार की पार्टी जनता दल यूनाइटेड(जदयू) को भारतीय जनता पार्टी(बीजेपी) के एजेंट चला रहे हैं। वे जेडीयू का विलय बीजेपी में करने का रास्ता साफ कर रहे हैं। इसी के तहत नीतीश कुमार को सार्वजनिक कार्यक्रमो से किनारे किया जा रहा है। शनिवार को पीएम नरेंद्र मोदी के मंच पर नीतीश कुमार की गैरमौजदूगी के सवाल का जवाब देते हुए पीके ने यह दावा किया। प्रशांत किशोर जेडीयू के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और नीतीश कुमार के चहेते रह चुके हैं।



पीटीआई से बात करते हुए प्रशांत किशोर ने कहा कि यह सवाल जेडीयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा से पूछा जाना चाहिए कि नीतीश कुमार ने जब पटना एयरपोर्ट पर प्रधानमंत्री को रिसीव किया तो वैशाली के कार्यक्रम में क्यों नहीं आए। उन्होंने कहा कि सच्चाई यह है कि जदयू को अब बीजेपी के एजेंट ही चला रहे हैं। योजनाबद्ध तरीके से नीतीश कुमार को जनता की नजरों से अलग रखा जा रहा है ताकि जदयू को आसानी से बीजेपी में मर्ज कराया जा सके।

हालांकि, एनडीए के सूत्रों ने दावा किया है कि ऐसी बात नहीं है। कहा गया है कि अप्रैल माह में उन्होंने मुख्यमंत्री का पद छोड़ दिया। यह एक सरकारी कार्यक्रम था जिसमें नीतीश कुमार को निमंत्रित नहीं किया गया था। यह भी बताया गया है कि नीतीश कुमार के बेटे और स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार, दोनों उपमुख्यमंत्री कार्यक्रम में मौजूद थे। प्रशांत किशोर ने प्रधानमंत्री मोदी के एक बयान पर तंज कसा।

अरुणाचल में LAC पर तनाव के बीच भारत-चीन की कोर कमांडर लेवल वार्ता, सर्दियों से पहले टकराव रोकने पर जोर

अरुणाचल प्रदेश। अरुणाचल प्रदेश में LAC पर बढ़ते तनाव के बीच भारत और चीन ने एक बार फिर कोर कमांडर लेवल की सैन्य वार्ता की. इस कदम का मकसद गश्त के दौरान सैनिकों के बीच टकराव रोकना, बातचीत के रास्ते खुले रखना और सर्दियों से पहले हालात को और बिगड़ने से रोकना है. भारतीय दल की अगुवाई थर्ड कोर के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल गिरीश कालिया ने की. नागालैंड के दीमापुर में मुख्यालय वाली भारतीय सेना की थर्ड कोर के जनरल ऑफिसर कमांडिंग, लेफ्टिनेंट जनरल गिरीश कालिया ने भारतीय डेलिगेशन का नेतृत्व किया. उन्होंने अपने चीनी समकक्ष और अन्य सैन्य अधिकारियों के साथ बातचीत की. इस दौरान विदेश मंत्रालय के एक अधिकारी भी मौजूद रहे.



इस बातचीत का मकसद दोनों सेनाओं के बीच कार्य-प्रणाली तय करना, गश्ती दलों के बीच टकराव को टालना, बातचीत के रास्ते खुले रखना और लोकल लेवल पर होने वाले टकराव को किसी बड़े सैन्य गतिरोध में बदलने से रोकना था.

यह ताजा बैठक, 6 और 7 सितंबर को पूर्वी सेक्टर में हुई कोर कमांडर स्तर की पहली मीटिंग के बाद हुई है. ये बातचीत वाचा-दमाई बॉर्डर पर्सनल मीटिंग पॉइंट्स पर हुई. अरुणाचल प्रदेश के किबिथू सेक्टर में स्थित 'वाचा', भारत का सबसे पूर्वी बॉर्डर पर्सनल मीटिंग पॉइंट है. सितंबर में हुई यह मीटिंग, अरुणाचल के ऊपरी सुबनसिरी जिले के तक्सिंग इलाके में तनाव बढ़ने की खबरों के बीच आयोजित की गई थी.

दोनों देशों ने लोकल लेवल पर होने वाले टकरावों को बढ़ने से रोकने के लिए सैन्य और राजनयिक संवाद तंत्रों का इस्तेमाल बढ़ा दिया है. ऐसा खासकर उन इलाकों में किया जा रहा है, जहां एलएसी को लेकर दोनों देशों की समझ अलग-अलग है.

रणनीतिक रूप से अहम इस पूर्वी सेक्टर में तैनात सैन्य इकाइयां, भारतीय सेना की थर्ड कोर का हिस्सा हैं. इस कोर का मुख्यालय नागालैंड में दीमापुर के पास रंगापहाड़ में स्थित है.

हाल की सैन्य झड़प तब सामने आई, जब आईटीबीपी के पूर्व महानिदेशक शत्रुजीत कपूर ने माना कि अरुणाचल प्रदेश बॉर्डर पर कई जगहों पर भारतीय और चीनी सैनिकों का आमना-सामना हुआ था. अक्टूबर में कपूर ने कहा था कि कई जगहों पर टकराव हुआ है और जारी है. उनके बयान ने एक बार फिर पूर्वी क्षेत्र में जमीनी स्थिति पर ध्यान केंद्रित किया, खासकर जब दोनों देश 2020 में पूर्वी लद्दाख में सैन्य टकराव के बाद संबंधों को स्थिर करने की कोशिश कर रहे हैं.

संवैधानिक संस्थाओं पर सवाल उठाने से बचें, ऐसी सोच... CJI सूर्यकांत की नसीहत

नई दिल्ली। मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने ने हिमाचल कहा कि लोकतंत्र में नागरिकों को संवैधानिक संस्थाओं के फैसलों की आलोचना करने का अधिकार है, लेकिन पूरी संस्था को निशाना बनाना गलत है। उन्होंने छात्रों को जीवन में लक्ष्य पाने के लिए पहाड़ों की चढ़ाई की तरह धैर्य और निरंतर प्रयास करने की सलाह दी। सीजेआई ने कहा कि सफलता के लिए परिवार और शिक्षकों के साथ ही समाज का भी सहयोग जरूरी है।

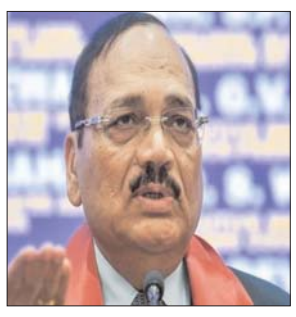

सीजेआई न्यायमूर्ति सूर्यकांत धर्मशाला में हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के 10वें दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। समारोह से इतर विद्यार्थियों के साथ बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में नागरिकों को संवैधानिक संस्थाओं के फैसलों की आलोचना करने का पूरा अधिकार है, लेकिन उन्हें संस्थाओं को ही निशाना बनाने से बचना चाहिए। सीजेआई ने किसी फैसले से असहमति और उस संस्था पर सवाल उठाने के बीच अंतर को भी बताया।

सीजेआई ने संवैधानिक संस्थाओं पर हमला नहीं बोलने की वजह भी बताई। सीजेआई ने कहा कि किसी फैसले से असहमति (फैसले की आलोचना) और संवैधानिक संस्था पर सवाल उठाने के बीच अंतर को समझना जरूरी है। लोग कई बार किसी संस्था के निर्णय और उस संस्था के बीच अंतर नहीं कर पाते। ऐसी सोच लोकतंत्र को मजबूत बनाए रखने वाली संस्थाओं के प्रति आम नागरिकों के भरोसे को कमजोर कर सकती है। सीजेआई सूर्यकांत ने लोकतांत्रिक व्यवस्था में संवैधानिक संस्थाओं के महत्व पर चर्चा करते हुए कहा कि किसी निर्णय की आलोचना करना नागरिकों का अधिकार है। लोकतंत्र में असहमति और आलोचना के लिए जगह होनी चाहिए, लेकिन किसी निर्णय के आधार पर पूरी संस्था को निशाना बनाना उचित नहीं है।

दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने विद्यार्थियों को जीवन में अपने लक्ष्य हासिल करने के लिए धैर्य बनाए रखने की सलाह दी। हिमालय की पहाड़ियों का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि पहाड़ों में किसी मंजिल तक पहुंचने का रास्ता शायद ही कभी सीधा होता है।

भारत के फैन हुए व्लादिमीर पुतिन

उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ बातचीत को याद करते हुए भारत की सांस्कृतिक समृद्धि का उल्लेख किया.

नई दिल्ली। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भारतीय सभ्यता और देश की भाषाई विविधता की जमकर तारीफ की है . उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ हुई बातचीत का जिक्र करते हुए भारत की सांस्कृतिक विरासत और अलग-अलग भाषाओं की समृद्ध परंपरा की सराहना की . पुतिन का यह बयान ऐसे समय आया है, जब भारत और रूस के बीच उच्चस्तरीय बातचीत और रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने पर लगातार जोर दिया जा रहा है . रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भारतीय सभ्यता की प्रशंसा करते हुए कहा कि भारत की सांस्कृतिक विरासत बेहद समृद्ध है . उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ अपनी बातचीत को याद किया और भारत की भाषाई विविधता का उल्लेख किया . पुतिन की इस टिप्पणी में भारतीय संस्कृति और विभिन्न भाषाओं के बीच मौजूद विविधता के प्रति उनका सम्मान दिखाई दिया . प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति पुतिन की मुलाकात नई दिल्ली में 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से इतर हुई थी. इस दौरान दोनों नेताओं ने रक्षा, ऊर्जा, व्यापार, अंतरिक्ष, कौशल गतिशीलता और लोगों के बीच संपर्क समेत द्विपक्षीय सहयोग के विभिन्न क्षेत्रों में हुई प्रगति की समीक्षा की थी.



दोनों नेताओं ने 9 से 11 सितंबर तक भारत में पहली बार आयोजित रूस की अंतरराष्ट्रीय औद्योगिक प्रदर्शनी 'इनोप्रोम इंडिया' का स्वागत किया था. उन्होंने इसे दोनों देशों के बीच व्यापार और औद्योगिक सहयोग को बढ़ावा देने वाला महत्वपूर्ण आयोजन बताया था. प्रधानमंत्री मोदी और पुतिन ने प्रदर्शनी का दौरा भी किया था और इसमें शामिल हितधारकों से बातचीत की थी.

चीन सीमा से सटे अरुणाचल के 40 गांवों में लोगों की घरवापसी, अमित शाह ने बताया कैसे बदले हालात

ईटानगरः चीन सीमा से सटे अरुणाचल प्रदेश के गांवों में विकास कार्यों के बाद लोगों की घरवापसी शुरू हो गई है. रविवार को अरुणाचल की राजधानी ईटानगर पहुंचे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बताया कि अरुणाचल प्रदेश की सीमा से लगे लगभग 40 गांवों के निवासी, बुनियादी ढांचे और सुविधाओं में सुधार के बाद अपने मूल स्थानों पर वापस लौट आए हैं. ईटानगर में एक कार्यक्रम के दौरान, शाह ने कहा कि केंद्र सरकार का 'वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम' (VVP) दूर-दराज के इलाकों में सड़कें, स्वास्थ्य सेवाएं, शिक्षा, बिजली, पीने के पानी की आपूर्ति और आजीविका के अवसर बेहतर बनाकर बदलाव ला रहा है.

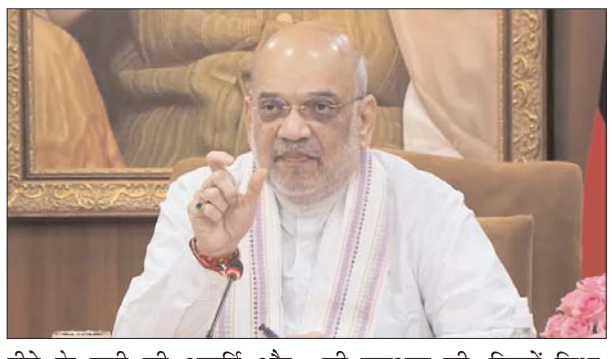

उन्होंने अरुणाचल प्रदेश के लिए 5,610 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं की शुरुआत की, जिनमें शिक्षा, बिजली, ग्रामीण सड़कें और सीमावर्ती क्षेत्रों से जुड़ी पहल शामिल हैं. इन परियोजनाओं में 'मिशन शिक्षित अरुणाचल चरण-द्वद्व' (जिसके लिए 1,500 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं), मुख्यमंत्री का 'व्यापक राज्य विद्युत विकास कार्यक्रम' (2,000 करोड़ रुपये) और ग्रामीण सड़क विकास कार्यक्रम (2,000 करोड़ रुपये) शामिल हैं.

'वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम' के तहत, 11 सीमावर्ती जिलों में 110.95 करोड़ रुपये की लागत से 199 परियोजनाएं शुरू की जाएंगी. शाह ने 'मिशन सुरक्षा' (Mission SURAKSHA) की भी शुरुआत की. गृह मंत्री ने कहा कि सीमावर्ती गांव देश की सुरक्षा और विकास प्राथमिकताओं का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं. उन्होंने जोर देकर कहा कि इन क्षेत्रों में लोगों को बनाए रखने के लिए उनके जीवन स्तर में सुधार करना और आजीविका के अवसर पैदा करना बहुत जरूरी है.

उन्होंने स्थानीय निवासियों, विशेषकर किसानों की मदद करने में सेना और भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (ITBP) की भूमिका का भी जिक्र किया. उन्होंने बताया कि ये बल किसानों को कृषि उत्पादन बढ़ाने और बाजारों तक पहुंच बनाने में मदद कर रहे हैं. उन्होंने कहा कि सुरक्षा बलों द्वारा स्थानीय स्तर पर उत्पादित खाद्य पदार्थों की खरीद से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सहारा मिल रहा है.

पहले आसान मुद्दों पर बात करते हैं, सिंधु जल संधि पर पूछे गए सवाल पर बोले पाकिस्तानी मंत्री

नई दिल्ली। एससीओ समिट के लिए पाकिस्तान के क्लाइमेट चेंज मिनिस्टर मुसादिक मसूद मलिक इन दिनों भारत में हैं। तीन दिनों तक चलने वाली इस समिट में शामिल हुए मसूद पिछले तीन साल में पहले ऐसे पाकिस्तानी मंत्री हैं, जिन्होंने भारत का दौरा किया है। इस दौरान, उन्होंने पहलगाम आतंकी हमले के बाद सिंधु जल संधि को रद्द किए जाने से जुड़े सवाल पर भी जवाब दिया। मलिक ने कहा कि पहले आसान मुद्दों पर बात करते हैं।

पिछले साल अप्रैल महीने में हुए पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव चरम पर पहुंच गया। भारत ने बड़ा फैसला लेते हुए सिंधु जल संधि को रद्द कर दिया, जिससे पाकिस्तान पानी-पानी को तरसने लगा। कई बार पड़ोसी देश ने गुहार लगाई, लेकिन भारत ने अपना फैसला नहीं बदला। अब भारत आए मलिक से जब सिंधु जल संधि पर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा, ''पहले आसान मुद्दों पर बात करते हैं और बाद में हम और पाकिस्तान से जुड़े ज्यादा चिंता वाले मुद्दों पर बात कर सकते हैं।''



मलिक ने आगे कहा, ''मैं मानता हूं कि इस इलाके में शांति होनी चाहिए। मेरा मानना है कि इस इलाके से जुड़े मसलों को सुलझाया जाना चाहिए।

बनबसा में 23 नवंबर से अग्निवीर भर्ती रैली, चम्पावत के जीडी अभ्यर्थियों की भर्ती 26 और 27 नवंबर को

तकनीकी और ट्रेड्समैन श्रेणियों के लिए 27 नवंबर निर्धारित, प्रवेश पत्र में दिए समय पर पहुंचें अभ्यर्थी

भर्ती के नाम पर दलालों और एजेंटों से सावधान रहें, किसी को पैसे न दें



के.के.पी संवाददाता

चम्पावत। बनबसा सैन्य स्टेशन में 23 से 29 नवंबर 2026 तक अग्निवीर भर्ती रैली आयोजित की जाएगी। इसमें चम्पावत और पिथौरागढ़ जनपदों के अभ्यर्थी भाग लेंगे। चम्पावत के अग्निवीर जनरल ड्यूटी (जीडी) अभ्यर्थियों के लिए 26 और 27 नवंबर की तिथियां निर्धारित हैं। दोनों जनपदों के अग्निवीर तकनीकी और ट्रेड्समैन (8वीं एवं 10वीं उत्तीर्ण) श्रेणियों के अभ्यर्थियों की भर्ती 27 नवंबर को होगी। सेना भर्ती कार्यालय (एआरओ), पिथौरागढ़ के कर्नल अमोल दबडघाव ने बताया कि भर्ती वर्ष 2027 के लिए उत्तराखंड में आयोजित अग्निवीर भर्ती रैलियों की श्रृंखला में यह तीसरी रैली है। इसका आयोजन जोनल भर्ती कार्यालय (उत्तर प्रदेश एवं उत्तराखंड) के अधीन सेना भर्ती कार्यालय, पिथौरागढ़ द्वारा किया जाएगा। पिथौरागढ़ जनपद के अग्निवीर जीडी अभ्यर्थियों की भर्ती 23, 24 और 25 नवंबर को होगी। कर्नल दबडघाव ने बताया कि रैली में केवल वही अभ्यर्थी भाग ले सकेंगे, जिन्होंने 1 से 12 जून 2026 तक आयोजित ऑनलाइन सामान्य प्रवेश परीक्षा (सीईई) उत्तीर्ण की है। अभ्यर्थी प्रवेश पत्र में दर्ज तिथि और समय पर बनबसा सैन्य स्टेशन पहुंचें और प्रवेश पत्र के साथ भर्ती अधिसूचना में बताए गए सभी मूल दस्तावेज भी लाएं। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना और प्रशासन भर्ती प्रक्रिया को निष्पक्ष, पारदर्शी और योग्यता के आधार पर संपन्न कराने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने अभ्यर्थियों से अपील की कि वे भर्ती कराने का दावा करने वाले किसी दलाल, एजेंट या बिचौलिए के संपर्क में न आएं और किसी को पैसे न दें।

उनके अनुसार कोई भी व्यक्ति भर्ती प्रक्रिया को प्रभावित नहीं कर सकता। उन्होंने अभ्यर्थियों को दस्तावेजों में किसी भी तरह की हेरफेर से बचने की हिदायत दी। एक से अधिक आधार पहचान पत्रों का उपयोग करने या शैक्षिक प्रमाणपत्रों में जन्मतिथि बदलने जैसी धोखाधड़ी पाए जाने पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

सामाजिक सरोकारों से रचनात्मक सोच तक, सामाजिक विज्ञान महोत्सव में विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा

के.के.पी संवाददाता

अल्मोड़ा। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान अल्मोड़ा में जनपद स्तरीय सामाजिक विज्ञान महोत्सव का आयोजन किया गया। महोत्सव में जनपद के विभिन्न विकासखंडों से पहुंचे विद्यार्थियों ने भाषण, सामान्य ज्ञान क्विज और मॉडल निर्माण प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग कर अपनी प्रतिभा, ज्ञान, रचनात्मकता और सामाजिक सरोकारों की समझ का प्रदर्शन किया। महोत्सव का शुभारंभ मुख्य अतिथि राजकीय महिला पॉलिटेक्निक अल्मोड़ा की प्रधानाचार्य रेखा असवाल तथा विशिष्ट अतिथि जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान अल्मोड़ा की प्राचार्य प्रेमा बिष्ट ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। कार्यक्रम की समन्वयक डॉ. दीपा जलाल ने सामाजिक विज्ञान



महोत्सव के उद्देश्य और प्रासंगिकता की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि महोत्सव का उद्देश्य विद्यार्थियों में सामाजिक विज्ञान के प्रति रुचि एवं जागरूकता विकसित करने के साथ तार्किक एवं समालोचनात्मक दृष्टिकोण, रचनात्मकता, सहयोग की भावना तथा समस्या समाधान जैसे 21वीं सदी के आवश्यक कौशलों का विकास करना है। महोत्सव के तहत मॉडल निर्माण, भाषण एवं सामान्य ज्ञान क्विज प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। भाषण प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने समसामयिक एवं सामाजिक विषयों पर अपने विचार रखे। क्विज प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने विषयगत समझ, त्वरित निर्णय क्षमता एवं सामान्य ज्ञान का प्रदर्शन किया। वहीं मॉडल निर्माण प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने नवाचारी विचारों और रचनात्मक कौशल के माध्यम से सामाजिक विज्ञान की अवधारणाओं को आकर्षक एवं व्यावहारिक रूप में प्रस्तुत किया। भाषण प्रतियोगिता में मेघा बजेठा ने प्रथम, स्वरांजलि किरौला ने द्वितीय तथा कृष्ण जोशी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। सामान्य ज्ञान क्विज में हर्षाली चौहान प्रथम, भारत कुमार द्वितीय तथा मयंक सिंह बिष्ट तृतीय रहे। मॉडल निर्माण प्रतियोगिता में राहुल रावत ने प्रथम स्थान हासिल किया। सभी प्रतियोगिताओं में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थी राज्य स्तर पर जनपद का प्रतिनिधित्व करेंगे। प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत कर प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। निर्णायक मंडल में डॉ. ललित गिरी, वैज्ञानिक जीबी पंत, दीपा मेहरा, विजेता, एस. भंडारी, डॉ. विजय पंत, उमा तिवारी, हेम भट्ट सहित अन्य विषय विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन एवं मूल्यांकन किया।

एक नजर

सरस मेले में आकर्षण का केंद्र होंगे 'कौन बनेगा लखपति दीदी' कॉमेडी शो और लखपति दीदी फैशन शो

हल्द्वानी। एपीडी चंदा फर्त्याल ने जानकारी देते हुए बताया कि सरस मेला 2026 में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ ही राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा भी सुंदर प्रस्तुतियों की जाएगी जिसमें आकर्षण का केंद्र रहेगा' कौन बनेगा लखपति दीदी 'comedy show तथा' लखपति दीदी फैशन शो'।

स्वयं सहायता समूह की महिलाओं के द्वारा अपने उत्पादों की प्रदर्शनी तथा बिक्री की जाएगी जिसमें हैंडीक्राफ्ट ऑर्गेनिक products hand made products के साथ ही लोक संस्कृति के विविध रंगों को भी मंच में प्रस्तुत किया जाएगा। हर दिन ccl camp, workshop, competitions का आयोजन भी किया जाएगा। मेले में प्रतिभाग करने वाली स्वयं सहायता समूह की महिलाओं के रहने तथा भोजन की व्यवस्था भी निशुल्क की गई है यह मेला स्वयं सहायता समूह को बाजार उपलब्ध कराने का बहुत बड़ा माध्यम बनेगा।

दिल्ली पुलिस ने पीछा कर दबोचे गैंगस्टर रोहित गोदारा के तीन शूटर

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने विदेश में छिपे कुख्यात गैंगस्टर रोहित गोदारा के तीन गुर्गे को गिरफ्तार किया है। 5 करोड़ रुपये रंगदारी न देने पर तीनों ने बीते 28 अक्टूबर को पीतमपुरा में एक व्यापारी के घर के बाहर फायरिंग की थी जिस मामले में ये वांछित थे। क्राइम ब्रांच ने इन्हें कई किलोमीटर तक पीछा करने के बाद आखिरकार रोहिणी इलाके से दबोच लिया। तीनों किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में दिल्ली आए थे। पुलिस ने इनके कब्जे से दो सेमी आटोमैटिक पिस्टल, एक कट्टा, 12 कारतूस और वारदात में इस्तेमाल एक बाइक और एक कार बरामद की गई है। विशेष आयुक्त, क्राइम ब्रांच, एचजीएस धालीवाल के मुताबिक गिरफ्तार किए गए शूटरों के नाम निखिल कुमार, शुभम व मोक्ष है। निखिल मूलरूप से मुजफ्फरनगर (यूपी) का रहने वाला है लेकिन कुछ वर्षों से समालखा (हरियाणा) में रह रहा था। शुभम भी मुजफ्फरनगर का रहने वाला है। मोक्ष, करनाल का रहने वाला है। बीते 28 अक्टूबर की सुबह पांच बजे उत्तर-पश्चिम जिले के सुभाष प्लेस थाना क्षेत्र स्थित पीतमपुरा में साहिल जैन उर्फ गूगल नाम के व्यापारी के घर के बाहर बाइक सवार दो बदमाशों ने ताबड़तोड़ फायरिंग की थी। हमलावरों ने उनकी कार पर भी गोलियां चलाई थीं। जांच में पता चला था कि रोहित गोदारा द्वारा पांच करोड़ रंगदारी मांगने पर व्यापारी द्वारा रंगदारी देने इनकार करने पर उसने अपने शूटरों को फायरिंग करने का निर्देश दिया था। जिससे जांच के बाद पुलिस ने केस दर्ज कर लिया था। वहीं, केस की गंभीरता को देखते हुए पुलिस आयुक्त अनुराग कुमार ने केस को क्राइम ब्रांच में ट्रांसफर कर दिया था। डीसीपी संजीव कुमार यादव के नेतृत्व में एसीपी विवेकानंद पाठक, इंस्पेक्टर मान सिंह और इंस्पेक्टर सुंदर गौतम की टीम ने लगातार तकनीकी और मैनुअल सर्विलांस के जरिए 500 किलोमीटर से ज्यादा दूरी तक बदमाशों का पीछा किया और आखिरकार रोहिणी से तीनों को शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया।

दिल्ली पुलिस के हत्थे चढ़ा टिल्लू ताजपुरिया गैंग का सदस्य मक्खी

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस के आउटर नार्थ जिले की स्पेशल स्टाफ टीम ने टिल्लू ताजपुरिया गैंग के सक्रिय सदस्य पवन कुमार उर्फ मक्खी (38 वर्ष) को गिरफ्तार किया है। आरोपी अलीपुर थाने में दर्ज अपहरण, गलत तरीके से बंधक बनाने और हथियार के बल पर धमकाने के मामले में वांछित था। आरोप है कि उसने अपने साथियों के साथ मिलकर शिकायतकर्ता को अगवा किया और पिस्टल दिखाकर उसे पहले दर्ज आपराधिक मामले में समझौता करने के लिए मजबूर किया था। पुलिस के अनुसार, गांव अकबरपुर माजरा निवासी राकेश कुमार प्रॉपर्टी डीलर ने पुलिस को बताया कि 27 अक्टूबर 2026 को आरोपी नरेंद्र उर्फ भोलू ने उन्हें घर के बाहर बुलाया और जबरन महिंद्रा स्कॉर्पियो-एन में बैठा लिया। इसमें पवन कुमार उर्फ मक्खी मौजूद था। आरोपी उन्हें पल्ला-झंगोला रोड और बख्तावरपुर स्थित सुनील तंवर उर्फ राजू के कार्यालय समेत अलग-अलग स्थानों पर ले गए। आरोपियों ने उसको बंधक बनाकर धमकी दी व दबाव बनाया। अलीपुर थाने में दर्ज एफआईआर वापस लेने और पवन उर्फ मक्खी व उसके साथियों के खिलाफ गवाही नहीं देने के लिए मजबूर किया। आरोप है कि इस दौरान पवन ने पिस्टल तानकर उसे जान से मारने की धमकी दी और डराकर समझौता पत्र पर हस्ताक्षर कराए। इस मामले में थाना अलीपुर में 29 अक्टूबर को एफआईआर दर्ज है। पुलिस अब आरोपी से पूछताछ कर वारदात में इस्तेमाल की गई कथित पिस्टल बरामद करने, समझौता पत्र का पता लगाने और घटना में शामिल अन्य लोगों की भूमिका का पता लगाने में जुटी है।

आपदा सुरक्षा कार्यों पर डीएम की कड़ी नजर, रोज होगी समीक्षा, कार्यस्थल पर लगेंगे सूचना बोर्ड

गुणवत्ता परखने को थर्ड पार्टी जांच, उपयोगिता प्रमाण पत्र समय से देने के निर्देश

के.के.पी संवाददाता

चम्पावत। जिलाधिकारी मनीष कुमार ने शनिवार को वर्चुअल बैठक लेकर आपदा सुरक्षा से जुड़े कार्यों की प्रगति की समीक्षा की और निर्माण की गुणवत्ता, समयसीमा व पारदर्शिता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के 'आदर्श चम्पावत' के संकल्प के अनुरूप हुई इस बैठक में उन्होंने कहा कि ये कार्य आमजन की सुरक्षा और स्थानीय सुविधाओं को मजबूत करने के लिए महत्वपूर्ण हैं।

बैठक में एसडीआरएफ, जिलाधिकारी मद (नॉन एसडीआरएफ) और राज्य आपदा न्यूनीकरण निधि के तहत स्वीकृत कार्यों की स्थिति देखी गई। द्वितीय किस्त के



लिए जरूरी अभिलेख और प्रगति आख्या समय से देने तथा पूर्ण कार्यों के उपयोगिता प्रमाण पत्र उपलब्ध कराने को कहा गया।

जिलाधिकारी ने निर्माणाधीन कार्यों की प्रतिदिन समीक्षा करने, धीमी गति वाले कार्यों में विभाग और कार्यदायी संस्था को आपसी समन्वय से बाधाएं दूर करने और तय मानकों के अनुसार समय पर काम पूरा करने के निर्देश दिए। हर कार्यस्थल पर कार्य का विवरण दर्शाने वाला सूचना बोर्ड लगेगा, ताकि स्थानीय लोगों को जानकारी मिल सके। गुणवत्ता परखने के लिए थर्ड पार्टी जांच भी कराई जाएगी। उन्होंने मुख्यमंत्री की घोषणाओं से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता से पूरा करने और जिला योजना के कार्यों में तेजी लाने पर भी जोर दिया। बैठक में प्रभारी मुख्य विकास अधिकारी अजय सिंह, मुख्य शिक्षा अधिकारी मान सिंह, जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी देवेंद्र पटवाल, सभी खंड विकास अधिकारी और कार्यदायी संस्थाओं के प्रतिनिधि वर्चुअल माध्यम से जुड़े।

चम्पावत की संजना सिंह ने जयपुर में प्रदर्शित की उत्तराखंड की पारंपरिक ऐपण कला

जवाहर कला केंद्र में तीन दिवसीय भारतीय लोक कला प्रदर्शनी में दिखी उत्तराखंड की लोक परंपरा

के.के.पी संवाददाता

चम्पावत। चम्पावत की श्रीमती संजना सिंह ने जयपुर स्थित जवाहर कला केंद्र में आयोजित तीन दिवसीय भारतीय लोक कला प्रदर्शनी में उत्तराखंड की पारंपरिक ऐपण कला का प्रदर्शन किया। श्रीमती सिंह सेवानिवृत्त कर्नल उमेद सिंह की पत्नी हैं, जो चम्पावत में जिला सैनिक कल्याण अधिकारी हैं। यह प्रदर्शनी कलाध्वनि आर्ट फाउंडेशन (KalaDhwani Art Foundation) द्वारा 20 से 22 नवंबर 2026 तक आयोजित की गई। प्रदर्शनी का उद्घाटन 20 नवंबर 2026 को समाजसेवी एवं पिंक वुमनिया क्लब (Pink Womaniya Club) की निदेशक श्रीमती कनु मेहता ने किया। इसमें उभरते कलाकारों से लेकर राष्ट्रीय एवं राज्य पुरस्कार प्राप्त कलाकारों और पद्मश्री



सम्मानित कलाकारों तक की लगभग 108 कलाकृतियां प्रदर्शित की गईं। प्रदर्शनी में मिथिला, मधुबनी, गोदना, तंजौर, टिकुली, पिछवाई और केरल की पट्टचित्र कला सहित भारत की विभिन्न पारंपरिक लोक कला शैलियों को स्थान मिला। श्रीमती संजना सिंह ने ऐपण कला के माध्यम से उत्तराखंड की समृद्ध लोक परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत को राष्ट्रीय मंच पर प्रस्तुत किया। उनकी इस सहभागिता से उत्तराखंड की पारंपरिक कला को बढ़ावा मिला और चम्पावत जनपद गौरवान्वित हुआ।

रचना दिवस महोत्सव की रजत जयंती पर 25 विभूतियां होंगी सम्मानित

के.के.पी संवाददाता

अल्मोड़ा। 25वें रचना दिवस महोत्सव के रजत जयंती समारोह में साहित्य, रंगमंच, संगीत, कला, संस्कृति, समाजसेवा एवं अन्य रचनात्मक क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाली 25 विभूतियों को विभिन्न सम्मानों से सम्मानित किया जाएगा। मोहन उप्रेती लोक संस्कृति, कला एवं विज्ञान शोध समिति ने चयनित व्यक्तित्वों के नाम घोषित कर दिए हैं। मोहन उप्रेती सम्मान वरिष्ठ रंगकर्मी श्रीश डोभाल और रंगकर्मी भूपेश जोशी को दिया जाएगा। कौस्तुभ सम्मान बनारस घराने के वरिष्ठ वायलिन वादक रविशंकर प्रसन्ना और वरिष्ठ पखावज वादक डॉ. संतोष नामदेव को प्रदान किया जाएगा। समिति सम्मान के लिए रंगकर्मी मनमोहन चौधरी, अनिल सनवाल, डॉ. डीएन भट्ट, राकेश शर्मा और छायाकार जयमित्र सिंह बिष्ट का चयन किया गया है। साहित्यिक आलोक सम्मान उदय किरोला, नवीन बिष्ट, चंद्र प्रकाश फुलोरिया, नीरज पंत और मोहन पंत को मिलेगा। नारी प्रेरणा गौरव सम्मान से मीता उपाध्याय, शांति जीना और डॉ. वसुधा पंत को सम्मानित किया जाएगा। युवा प्रतिभा सम्मान भरतनाट्यम नर्तक शुभम खोवाल और रंगमंचीय कलाकार कैलाश कुमार को दिया जाएगा। कला साधक सम्मान के लिए चित्रकार प्रभात जोशी, तबला वादक प्रकाश आर्य, शास्त्रीय गायक डॉ. जगमोहन परगाई, लोक गायक कुंदन लाल, संस्कृतिकर्मी राजेंद्र तिवारी और युवा शास्त्रीय गायक आनंद उपाकाश का चयन हुआ है। बाल प्रतिभा सम्मान के तहत विभिन्न विधाओं के बाल कलाकारों को सम्मानित किया जाएगा। समिति के सचिव कमल पांडे ने बताया कि संस्था पिछले 25 वर्षों से साहित्य, कला, संस्कृति, संगीत, रंगमंच, विज्ञान और सामाजिक क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाली प्रतिभाओं को सम्मानित करती आ रही है।

एआई से आपदा प्रबंधन तक बाल वैज्ञानिकों ने दिखाई प्रतिभा, राज्य स्तर पर करेंगे प्रतिनिधित्व

के.के.पी संवाददाता

अल्मोड़ा। जनपद स्तरीय विज्ञान महोत्सव-2026 के तहत आयोजित विज्ञान प्रदर्शनी एवं विज्ञान नाट्य प्रतियोगिता के परिणाम घोषित कर दिए गए हैं। राजकीय इंटर कॉलेज अल्मोड़ा में आयोजित महोत्सव में विभिन्न विद्यालयों के बाल वैज्ञानिकों ने वैज्ञानिक सोच, नवाचार और समस्या समाधान की क्षमता का प्रदर्शन किया। बेहतर जीवन के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता विषय में जूनियर वर्ग में राजकीय इंटर कॉलेज अल्मोड़ा के प्रद्युम्न और सीनियर वर्ग में विवेकानंद इंटर कॉलेज अल्मोड़ा के मयंक बिष्ट प्रथम रहे। हरित ऊर्जा एवं पर्यावरण संरक्षण में जूनियर वर्ग के राजकीय विद्यालय मनीआगर के कनन और सीनियर वर्ग के राजकीय इंटर कॉलेज अल्मोड़ा के हर्षित बिष्ट ने बाजी मारी।



गणितीय प्रतिरूपण एवं कम्प्यूटेशनल चिंतन में जूनियर के आकाश नेगी और सीनियर के ओम मेहता प्रथम रहे। स्वास्थ्य एवं स्वच्छता में जूनियर की श्रेया मठपाल और सीनियर के भास्कर चंद्र, स्वदेशी कृषि पद्धतियों में जूनियर के प्रियांशु जोशी और सीनियर की आराध्या भट्ट, ग्रामीण परिवर्तन के लिए विज्ञान में जूनियर की प्रतिष्ठा खुल्बे और सीनियर के अशोक कुमार तथा आपदा प्रबंधन में जूनियर की प्रेरणा और सीनियर के मनीष लोहनी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। विज्ञान नाट्य प्रतियोगिता में विजडम कान्वेंट पब्लिक स्कूल चौखुटिया ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। जिला विज्ञान समन्वयक विनोद कुमार राठौर ने बताया कि विजेता टीम 26 एवं 27 नवंबर को एससीईआरटी उत्तराखंड, देहरादून में होने वाली राज्य स्तरीय विज्ञान नाट्य प्रतियोगिता में अल्मोड़ा का प्रतिनिधित्व करेगी। मुख्य शिक्षा अधिकारी हरक राम कोहली ने चयनित बाल वैज्ञानिकों को प्रशस्ति पत्र एवं मोमेंटो प्रदान कर सम्मानित किया। राष्ट्रीय विज्ञान प्रदर्शनी में तीन बार चयनित बाल वैज्ञानिक हर्षित बिष्ट को भी विशेष रूप से सम्मानित किया गया। विज्ञान प्रदर्शनी एवं विज्ञान नाट्य प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम के सफल आयोजन में धीरज कुमार, मनोज जोशी सहित अन्य सहयोगियों ने योगदान दिया। प्रधानाचार्य यूसी पांडे एवं संयोजक प्रधानाचार्या विजया पंत ने विज्ञान महोत्सव को बाल वैज्ञानिकों के लिए सीखने और प्रतिभा प्रदर्शित करने का महत्वपूर्ण मंच बताया।

नैनीताल में उर्वरक बिक्री व्यवस्था होगी पारदर्शी, स्नस्नस प्रणाली के प्रभावी क्रियान्वयन को अधिकारियों व खाद विक्रेताओं को दिया प्रशिक्षण

के.के.पी संवाददाता

हल्द्वानी। जिला सहकारिता बैंक सभागार हल्द्वानी नैनीताल में जनपद नैनीताल में उर्वरकों की बिक्री एवं वितरण व्यवस्था को अधिक पारदर्शी, व्यवस्थित एवं किसान हितैषी बनाने के उद्देश्य से लागू Fertilizer Framework Sale (FFS) व्यवस्था के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु कृषि , सहकारिता एवं राजस्व विभाग विभाग के अधिकारियों एवं फील्ड कार्मिकों और जनपद के निजी खाद विक्रेताओं का प्रशिक्षण आयोजित किया गया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में भारत सरकार , मिनिस्ट्री ऑफ एग्रीकल्चर CPMU टीम के प्रशिक्षक श्री सुमित वाधवा द्वारा कार्मिकों को स्नस्नस व्यवस्था के अंतर्गत उर्वरकों की बिक्री प्रक्रिया, किसानों की पहचान एवं सत्यापन, मोबाइल ऐप के माध्यम से उर्वरक बुकिंग, उर्वरक वितरण तथा बिक्री से संबंधित विभिन्न



प्रक्रियाओं की विस्तृत जानकारी दी गई।

प्रशिक्षण के दौरान फील्ड स्टॉफ को ऐप के संचालन एवं व्यवहारिक उपयोग का प्रशिक्षण भी दिया गया, ताकि किसानों को उर्वरक प्राप्त करने में किसी प्रकार की असुविधा न हो तथा नई व्यवस्था के क्रियान्वयन में आने वाली समस्याओं का त्वरित समाधान किया जा सके। प्रशिक्षण में कृषि विभाग उत्तराखंड देहरादून से आए संयुक्त कृषि निदेशक, एन 0 एस 0 बर्फाल, श्रीमती प्रियंका सिंह उप निदेशक कृषि, जनपद से अपर जिलाधिकारी नैनीताल विवेक राय, मुख्य कृषि अधिकारी नैनीताल, सहायक निबंधक सहकारी समितियां नैनीताल आदि द्वारा प्रतिभाग किया गया।

जिला उद्योग केंद्र के सहयोग से महिलाओं का सॉफ्ट टॉयज निर्माण प्रशिक्षण शुरू

के.के.पी संवाददाता

अल्मोड़ा। जिला उद्योग केंद्र के सहयोग से पैलाग फाउंडेशन की ओर से विकासखंड स्याल्दे के देघाट स्थित उप्रेती होमस्टे के सभागार में 21 दिवसीय सॉफ्ट टॉयज निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया गया। 15 नवंबर से 5 दिसंबर तक चलने वाले प्रशिक्षण में क्षेत्र की 20 महिलाएं प्रतिभाग कर रही हैं। कार्यक्रम का उद्घाटन पैलाग फाउंडेशन की मास्टर ट्रेनर अनीता टम्टा, ग्राम पंचायत गुगुती की प्रधान कमला रावत, ग्राम पंचायत भरसोली की प्रधान मेनाक्षी देवी और ग्राम पंचायत बसनाल की प्रधान रजनी पपनै ने संयुक्त रूप से किया। पैलाग फाउंडेशन की प्रतिनिधि रमा देवी ने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान महिलाओं को करीब 50 प्रकार के सॉफ्ट टॉयज बनाने का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसका उद्देश्य महिलाओं



को हुनरमंद बनाकर स्वरोजगार और छोटे उद्यम स्थापित करने के लिए तैयार करना है। प्रशिक्षण के दौरान बैंकिंग संस्थानों, जिला उद्योग केंद्र, ग्रामीण उद्यम वेग वृद्धि परियोजना (आरईएपी) और ग्रामीण व्यवसाय संवर्धन केंद्र (आरबीआई) सहित संबंधित विभागों एवं संस्थानों के विशेषज्ञों के पांच से छह विशेष सत्र आयोजित किए जाएंगे। इनमें व्यवसाय शुरू करने, वित्तीय सहायता, उद्यम पंजीकरण तथा विभिन्न सरकारी योजनाओं के माध्यम से मिलने वाली सहायता एवं सुविधाओं की जानकारी दी जाएगी। इसके अलावा पैलाग फाउंडेशन के विशेषज्ञ प्रशिक्षकों द्वारा उद्यमिता विकास, उत्पाद की गुणवत्ता, डिजाइन, उत्पादन, पैकेजिंग और बाजार से जुड़ने जैसे विषयों पर मार्गदर्शन दिया जाएगा। संस्था का उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं को प्रशिक्षण के साथ स्वरोजगार, स्थानीय उद्यमिता और आर्थिक आत्मनिर्भरता के लिए आवश्यक कौशल उपलब्ध कराना है।

देवभूमि की आस्था और सामाजिक समरसता का प्रतीक है चम्पावत का श्री लधुंधुरा धाम

लधुंधुरा चोटी पर स्थित भोलेनाथ का प्राचीन धाम, हर पूर्णिमा को लगता है भव्य मेला

सेवा के अलग-अलग दायित्व निभाकर एक ही चरणों में जुटता है पूरा समाज



के.के.पी संवाददाता

चम्पावत। उत्तराखंड के चम्पावत जनपद में लधुंधुरा चोटी पर स्थित श्री लधुंधुरा धाम भगवान भोलेनाथ का प्राचीन और आस्था का प्रमुख केंद्र माना जाता है। यह स्थल हजारों श्रद्धालुओं की श्रद्धा, विश्वास और आध्यात्मिक चेतना का प्रतीक है। स्थानीय जनश्रुति और मान्यताओं के अनुसार इस धाम को वैद्यनाथ ज्योतिर्लिंग की पीठ के रूप में भी माना जाता है। कहा जाता है कि बैजगांव निवासी वैद्य मिश्रा परिवार, जो अब शर्मा लिखता है, और कुएराला का पंडित जोशी परिवार मूल रूप से बैजनाथ क्षेत्र से चम्पावत आया था। मान्यता है कि तभी से भगवान भोलेनाथ ने इस भूमि पर अपना स्थान ग्रहण किया। यहां विराजमान शिवलिंग को स्वयंभू माना जाता है। श्रद्धालुओं का विश्वास है कि सच्चे मन से आराधना करने पर मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। संतान की कामना लेकर आने वाले दंपतियों की यहां विशेष आस्था है। प्रत्येक पूर्णिमा पर धाम में भव्य मेला लगता है, जिसमें दूर-दूर से हजारों श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं। पूर्णिमा की रात भगवान भोलेनाथ की झांकी ऊपर स्थित शिव मंदिर शक्तिपीठ तक जाती है। यह परंपरा इस धाम की विशेष पहचान है। धाम की सबसे प्रेरणादायक विशेषता सामाजिक समरसता है। झांकी निकलने पर हर वर्ग अपनी परंपरागत जिम्मेदारी और श्रद्धा के साथ सेवा में जुटता है। जटिया समाज के लोग आगे रहकर ढोल-नगाड़ों की मंगल ध्वनि के साथ भोलेनाथ की अगवानी करते हैं। महाराणा, ठाकुर और क्षत्रिय समाज के लोग छड़ीदार की परंपरागत भूमिका निभाते हैं। बोहरा समाज के लोग श्रद्धापूर्वक डोली को कंधों पर उठाते हैं, जबकि ब्राह्मण समाज विधि-विधान से पूजा-अर्चना और अनुष्ठान संपन्न कराता है। इस तरह समाज के सभी वर्ग अपनी-अपनी भूमिका निभाते हुए एक ही आराध्य के चरणों में एकत्र होते हैं। यह परंपरा संदेश देती है कि ईश्वर की भक्ति में ऊंच-नीच और भेदभाव का कोई स्थान नहीं है। यहां सेवा ही सबसे बड़ा धर्म और भक्ति ही सबसे बड़ा परिचय है। यह धाम केवल मंदिर नहीं, बल्कि एकता, भाईचारे और परस्पर सम्मान की जीवंत मिसाल है। धाम के पास बहने वाली नदी को लधिया नदी के नाम से जाना जाता है, जो क्षेत्र की प्राकृतिक सुंदरता और धार्मिक आस्था का संगम है। यहां की पूजा परंपरा सात्विक है। यहां के ब्राह्मण परंपरागत रूप से बलि प्रथा का विरोध करते हैं और मंदिर में लहसुन-प्याज जैसे तामसिक पदार्थ वर्जित माने जाते हैं।

भागदौड़ भरी जिंदगी से कुछ समय निकालकर श्रद्धालु इस पावन तीर्थ के दर्शन कर सकते हैं, जहां आध्यात्मिक शांति, प्राकृतिक सौंदर्य और प्राचीन परंपराओं का अनूठा वातावरण मिलता है।

तीन गांवों में होती है नित्य पूजा

श्री लधुंधुरा धाम की नित्य पूजा-अर्चना बैजगांव, ईजर और नाखुड़ा गांवों में की जाती है।

आदर्श रामलीला कमेटी मेलगांव की रामलीला का भव्य समापन, श्रीराम के राजतिलक के साथ गूंजे जयकारे



के.के.पी संवाददाता

दन्या(अल्मोड़ा)। आदर्श रामलीला कमेटी मेलगांव के तत्वावधान में आयोजित दस दिवसीय रामलीला का समापन भगवान श्रीराम के राजतिलक के साथ श्रद्धा, भक्ति एवं हर्षोल्लासपूर्ण वातावरण में हुआ। अंतिम दिवस पर श्रीराम के अयोध्या लौटने और राजतिलक के प्रसंग का भावपूर्ण मंचन किया गया, जिसे देखकर दर्शक भावविभोर हो उठे। राजतिलक के अवसर पर पूरा वातावरण जय श्रीराम के जयघोष से गुंजायमान हो गया।दस दिनों तक चले इस धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन में स्थानीय कलाकारों ने विभिन्न पात्रों का शानदार अभिनय कर रामायण के प्रसंगों को जीवंत किया। आयोजन के माध्यम से भगवान श्रीराम के आदर्शों, मर्यादा, सत्य, त्याग एवं धर्म का संदेश जन-जन तक पहुंचाया गया। रामलीला के सफल आयोजन पर कमेटी ने सभी कलाकारों एवं पात्रों, आयोजन में प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग करने वाले समस्त लोगों तथा क्षेत्रवासियों का आभार व्यक्त किया। सभी के सहयोग, समर्पण एवं उत्साह से यह धार्मिक आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

समापन अवसर पर नंदाबल्लभ जोशी, रमेश जोशी, गोपालदत्त जोशी, हरीश जोशी, केसर सिंह, खष्टी देवी, भावना जोशी लक्ष्मीदत्त जोशी अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

इस अवसर पर समस्त क्षेत्रवासियों को शुभकामनाएं देते हुए भगवान श्रीराम से क्षेत्र में सुख, शांति, समृद्धि, आपसी सद्भाव एवं विकास की निरंतर वृद्धि की कामना की गई। साथ ही भविष्य में भी ऐसे धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजनों के माध्यम से क्षेत्र की परंपरा, संस्कृति और सामाजिक एकता बनी रहने का संकल्प व्यक्त किया गया।

बिंदुखत्ता को राजस्व ग्राम बनाने की मांग तेज, मुख्यमंत्री के दौरे से पहले ग्रामीणों में उम्मीद



के.के.पी संवाददाता

लालकुआं। बिंदुखत्ता को वन अधिकार अधिनियम, 2006 के तहत राजस्व ग्राम घोषित करने की अधिसूचना जारी करने की लंबे समय से चल रही मांग को लेकर वन अधिकार संगठन का आंदोलन लगातार तेज हो रहा है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के संभावित बिंदुखत्ता दौरे से पहले ग्रामीणों में उम्मीद की लहर है, जबकि पिछले आश्वासनों के बाद भी कोई ठोस निर्णय न मिलने से आक्रोश भी बढ़ा है। मुख्यमंत्री के प्रतिनिधि के रूप में आए कैबिनेट मंत्री राम सिंह कैड़ा के आश्वासन के बाद भी सकारात्मक परिणाम न मिलने पर वन अधिकार संगठन के बैनर तले ग्रामीणों ने 5 अक्टूबर से तहसील परिसर में अनिश्चितकालीन धरना शुरू किया है। ग्रामीणों का कहना है कि डीएलसी से स्वीकृत पत्रावली शासन स्तर पर लंबित है, जबकि सचिवालय में अधिकारी वर्ग का दावा है कि आदेश मिलते ही दो घंटे के भीतर राजस्व ग्राम की अधिसूचना जारी की जा सकती है। पूर्व मुख्यमंत्री एवं पूर्व राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी के उस बयान पर ग्रामीणों ने कड़ी आपत्ति जताई, जिसमें उन्होंने कहा था कि बिंदुखत्ता का मामला सुप्रीम कोर्ट में है और उस पर आगे कार्रवाई चल रही है। वन अधिकार संगठन का दावा है कि सूचना के अधिकार के तहत ली गई जानकारी तथा सुप्रीम कोर्ट में उपलब्ध दस्तावेजों से स्पष्ट हुआ कि बिंदुखत्ता संबंधी कोई मामला कोर्ट में नहीं है और कोई रोक भी नहीं लगी है। संगठन के अनुसार, इसके बाद उत्तराखंड पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड ने करोड़ों रुपये का बजट पास कर बिंदुखत्ता में 2006 से रुके विद्युतीकरण कार्य को गति दी है। ग्रामीणों ने कहा कि ऐसे में 'मामला सुप्रीम कोर्ट में है' कहना जनता को भ्रमित करने वाला है।

वन अधिकार संगठन ने मुख्यमंत्री से बिंदुखत्ता के दौरे के दौरान राजस्व ग्राम की मांग से जुड़े उच्च स्तरीय अधिकारियों, विशेषकर राजस्व सचिव के साथ मुलाकात का समय मांगा है। संगठन को उम्मीद है कि मुख्यमंत्री इस बार राजस्व ग्राम की अधिसूचना जारी करने का निर्णय लेकर आएंगे। ग्रामीणों ने कहा कि मुख्यमंत्री का स्वागत उम्मीद और सम्मान के साथ किया जाएगा, लेकिन यदि 23 नवंबर को भी कोई सकारात्मक कदम नहीं उठाया गया तो आगामी रणनीति पर विचार-विमर्श कर आंदोलन को और तेज गति से चलाया जाएगा।

स्थाई राजधानी का 36वाँ दिन अनशन जारी समाजसेवी संतोष नेगी ने भरी हुंकार



के.के.पी संवाददाता

हल्द्वानी। उत्तराखण्ड की स्थायी राजधानी गैरसैंण बनाए जाने की मांग को लेकर 18अक्टूबर से बुद्धपार्क में अनिश्चितकालीन क्रमिक अनशन चल रहा है आज अनशन में समाजसेवी संतोष नेगी बैठे उन्होंने कहा उत्तराखंड भारत का इकलौता राज्य है जिसे पाने के लिये राज्य में 43 शहादत हुई कई दशको तक आंदोलन चला मगर राज्य की हालात बत्तर है आज राज्यवासियों को एक बार फिर से एकजुट होने की आवश्यकता है.

आज आंदोलन का नेतृत्व कर पहाड़ी आर्मी के अध्यक्ष हरीश रावत ने बताया कि पिछले 26दिनों से राज्य के कई हिस्सों से हल्द्वानी बुधपार्क में पहुंचकर इस अभियान को समर्थन दें रहें है और अनशन में बैठते है आंदोलन को बड़े स्तर पर समर्थन मिल रहा है जिसे महसूस हो रहा है कि राज्य की राजधानी का यह संघर्ष सफल होगा. अनशन के समर्थन में उत्तराखंड क्रांति दल के सेनिक प्रकोष्ठ के महामंत्री कैप्टन महेश तिवारी ने कहा कि उत्तराखण्ड राज्य का निर्माण पहाड़ के अस्तित्व, अस्मिता और संस्कृति की सुरक्षा के लिये हुआ लेकिन राज्य गठन के वर्षों बाद भी स्थायी राजधानी का प्रश्न अधूरा है।

उन्होंने कहा, 'पहाड़ के खेत, किसान, गांव और आने वाली पीढ़ियों का भविष्य बचाने के लिए गैरसैंण को स्थायी राजधानी बनाना आवश्यक है। राज्य आंदोलनकारियों और शहीदों के सपनों को अब और अधूरा नहीं रखा जाना चाहिए। आंदोलन को समर्थन में आये आंदोलनकारियों ने कहा राज्य के कई हिस्सों से आकर आंदोलनकारी हल्द्वानी में बैठे हैं तो अधिक से अधिक लोगों को आंदोलन में आने की अपील की उन्होंने आंदोलन में हर वर्ग की भागीदारी के साथ पहाड़ की पहचान, पलायन, रोजगार और पर्वतीय क्षेत्रों के विकास से जुड़े सवाल पर एक होना होगा

इस दौरान गोपाल दत्त कमेड़ी, जगदीश ममगई,प्रेमा मेर, कविता जीना ,नीमा भट्ट अंजू पाण्डेय राजेंद्र कांडपाल, आनंद कन्याल, प्रताप चौहान,तारा पाण्डेय, मनोज रावत ,देवेंद्र सालाकोट,रजत पाटनी, हिमानी पांडे,ज्योतिष्ण पांडे कार्तिक दास , विनोद घड़ियाल आदि सैकड़ो आंदोलनकारी मौजूद रहें।

'न्याय की वास्तविक सार्थकता तभी है जब वह अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक पहुंचे' न्यायमूर्ति मनोज तिवारी



के.के.पी संवाददाता

खन्स्यु/भीमताल/नैनीताल। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा तहसील खन्स्यु के प्रांगण में बहुउद्देशीय जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ मा. कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश एवम् कार्यपालक अध्यक्ष उत्तराखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण मनोज तिवारी द्वारा दीप जलाकर किया गया। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश एवम् कार्यपालक अध्यक्ष उत्तराखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण मनोज तिवारी ने संबोधित करते हुए कहा कि उत्तराखंड की पहचान केवल इसके सुंदर पर्वतों और प्राकृतिक सौंदर्य से नहीं, बल्कि यहाँ के लोगों की मेहनत, सादगी, आत्मसम्मान और संघर्षशीलता से भी है। पहाड़ का जीवन अपने आप में अनेक चुनौतियों से भरा है। हमारी माताएं, बहने कठिन परिस्थितियों में परिवार और समाज की जिम्मेदारियां निभाती हैं, बच्चे सीमित संसाधनों में सपनों को साकार करने का प्रयास करते हैं और युवा बेहतर अवसरों की तलाश में गाँव से दूर जाते हैं। ऐसी परिस्थितियों में हमारा दायित्व है कि भौगोलिक दूरी अथवा आर्थिक अभाव किसी भी व्यक्ति को उसके अधिकारों और न्याय से वंचित न कर सके। न्याय की वास्तविक सार्थकता तभी है जब वह समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक पहुंचे। उन्होंने कहा कि NALSA की जागृति स्कीम 2025 और NALSA (शिक्षा, समावेशन और सहायता) स्कीम 2026 का उद्देश्य केवल कानूनी सहायता देना नहीं, बल्कि व्यक्ति को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक बनाना है। हमारे पहाड़ के बच्चों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है, बस उन्हें अवसर और प्रोत्साहन देने की जरूरत है। उन्होंने विशेष रूप से अभिभावकों से आग्रह किया कि अपनी बेटियों की शिक्षा को भी उतना ही प्राथमिकता दें जितना बेटों को देते हैं। 'एक शिक्षित बेटी केवल अपना भविष्य नहीं संवारती, बल्कि पूरे परिवार और आने वाली पीढ़ियों को सशक्त बनाती है। कोई भी बच्चा केवल आर्थिक तंगी, दिव्यांगता अथवा सामाजिक परिस्थितियों के कारण शिक्षा से वंचित न रह जाए, यह हम सभी की सामाजिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि अक्सर समाज में व्यक्ति अन्याय का सामना तो करता है लेकिन उसे जानकारी नहीं होती कि उसके अधिकार क्या हैं और सहायता के लिए कहां जाना है। कोई महिला घरेलू हिंसा का सामना करती है, कोई बुजुर्ग अपनी संपत्ति अथवा पेंशन के अधिकार से वंचित रहता है, कोई श्रमिक अपने परिश्रम के लिए संघर्ष कर रहा होता है या किसी बच्चे के अधिकारों का उल्लंघन हो रहा है - इन सभी के निराकरण के लिए विधिक जागरूकता अत्यंत महत्वपूर्ण है। कानून की जानकारी केवल पुस्तकों और न्यायालयों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, यह जानकारी दूरस्थ क्षेत्र के प्रत्येक परिवार, प्रत्येक महिला, प्रत्येक युवा और जरूरतमंद तक पहुंचनी चाहिए। उन्होंने कहा समाज को जागरूकता की दिशा में ग्राम प्रधानों, शिक्षकों, आशा एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, स्वयं सहायता समूह और पैरा लीगल वॉलंटियर्स की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। मातृशक्ति और युवाओं से आग्रह किया गया कि वे योजनाओं का संदेश अपने गांव और परिवारों तक जरूर पहुंचाएं।

उन्होंने कहा कि विधिक सेवा प्राधिकरण की भूमिका केवल न्यायालय में अधिवक्ता उपलब्ध कराना नहीं है। हमारा दायित्व है कि हम जरूरतमंद व्यक्तियों को उनके अधिकारों, सरकारी कल्याणकारी योजनाओं, विधिक सहायता और न्याय प्राप्त करने के माध्यमों से जोड़ें। विशेषकर उत्तराखंड जैसे पर्वतीय राज्य में यह और भी आवश्यक है कि न्याय केवल शहरों तक न रहे, बल्कि दूरस्थ गांवों तक भी पहुंचे। 'उन्होंने कहा कि किसी समाज की वास्तविक प्रगति इस बात से तय नहीं होती कि वहां कितनी बड़ी इमारतें या सड़कें बनी हैं, बल्कि इस बात से होती है कि वहां का सबसे कमजोर व्यक्ति कितना सुरक्षित, सम्मानित और न्याय के प्रति आश्वस्त महसूस करता है।

स्वरोजगार के विकास में जलागम दे रहा सहयोगः जलागम मंत्री- राम सिंह कैड़ा

निर्बल वर्ग को दी जा रही है आर्थिक सहायता

परियोजना क्षेत्र के 7 हजार परिवार होंगे लाभान्वित



के.के.पी संवाददाता

देहरादून। समाज के कमजोर वर्ग के उत्थान के लिए जलागम विभाग एक विशेष सहयोगी के रूप में सामने आया है। जलागम मंत्री राम सिंह कैड़ा के मुताबिक उत्तराखण्ड जलवायु अनुकूल बारानी कृषि परियोजना के तहत निर्बल वर्ग परिवारों को स्वरोजगार विकसित करने के लिए आर्थिक सहायता दी जा रही है। यह सहायता ग्राम पंचायत स्तर पर व्यक्तिगत तथा सामूहिक रूप से उपलब्ध कराई जा रही है। राम सिंह कैड़ा ने कहा कि इसमें परियोजना क्षेत्र के 7 हजार परिवारों को लाभान्वित करने का लक्ष्य रखा गया है। मंत्री कैड़ा ने कहा कि मूल रूप से उत्तराखंड जलवायु अनुकूल बारानी कृषि परियोजना वर्षा आधारित कृषि क्षेत्रों में कृषि-औद्यानिकी को बढ़ावा देने तथा ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन को कम करने आदि विषयों पर काम कर रही है। इसके साथ-साथ समाज के कमजोर वर्ग को स्वरोजगार के क्षेत्र में सहयोग करने का विषय भी इसमें जोड़ा गया है। परियोजना के तहत व्यक्तिगत लाभार्थियों को 35 हजार तथा समूह को अधिकतम 1 लाख 20 हजार रुपए की मदद की जा रही है। इसमें व्यक्तिगत लाभार्थी मधुमक्खी पालन, प्लम्बर, इलेक्ट्रिशयन, मुर्गी व बकरी पालन, घराट संचालन आदि का कार्य कर सकता है। समूहों को बैंड पार्टी, टेंट हाउस, फल संरक्षण, अचार निर्माण, मछली पालन आदि के लिए सहयोग मिल रहा है। कई ग्रामीणों को इसका लाभ मिल भी चुका है।

लाभार्थियों का चयन ग्राम सभा की खुली बैठक में आर्थिक वर्गीकरण के आधार पर किया जाता है। यह परियोजना नैनीताल, अल्मोड़ा, उधमसिंहनगर, पौड़ी, टिहरी, हरिद्वार, उत्तरकाशी व रुद्रप्रयाग जिले के 15 ब्लाकों की 519 ग्राम पंचायतों में संचालित की जा रही है।

जलागम मंत्री राम सिंह कैड़ा ने कहा कि परियोजना के लाभ समाज के अंतिम छोर के व्यक्ति तक पहुंचाने के प्रयास किए जा रहे हैं। स्वरोजगार मजबूत होने से परिवार के उत्थान की एक महत्वपूर्ण नींव तैयार होती है। जल्द से जल्द सभी चयनित लाभार्थियों को सहयोग उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं।

मुलायम सिंह यादव की 87वीं जयंती पर सपा कार्यकर्ताओं ने दी श्रद्धांजलि, प्रदेश अध्यक्ष अब्दुल मतीन सिद्दीकी बोले—नेताजी जैसा नेता सदियों में एक बार पैदा होता है



के.के.पी संवाददाता

हल्द्वानी। समाजवादी पार्टी के संस्थापक देश के पूर्व रक्षा मन्त्री व उश-प्रश के 3 बार के मुख्य मन्त्री रहे मुलायम सिंह यादव जी की 87 वीं जयन्ती पर उत्तराखाण्ड समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अब्दुल मतीन सिद्दीक़ी के कार्यालय पर भारी संख्या में सपा कार्यकर्ता इकट्ठा हुए।

सर्वप्रथम सपा उत्तराखण्ड प्रदेश अध्यक्ष अब्दुल मतीन सिद्दीक़ी ने अपने तमाम सपा कार्यकर्ताओं के साथ मुलायम सिंह यादव जी के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर श्रंधजलि अर्पित की तदुपरांत एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया विचार गोष्ठी को संबोधित करते हुए अब्दुल मतीन सिद्दीक़ी ने कहा कि मुलायम सिंह यादव जैसा नेता सदियों में एक-आद ही पैदा होता है।उन्होंने कहा माननीय मुलायम सिंह यादव जी के जीवन में जितनी उपाधि मिली है। तक किसी भी जनप्रतिनिधि या नेता को नहीं मिली है।नेता की मुख्य उपाधि नेता ही थी। सुभाष चन्द्र बौस के बाद नेता जी की उपाधि सिर्फ़ मुलायम सिंह यादव को ही मिली है। इस के अतिरिक्त धरती पुत्र, व जिसका जलवा क़ायम है उसका नाम मुलायम है।सहित कई उपाधियों से उन्हें नवाज़ा गया। श्री सिद्दीक़ी ने कहा नेता जी उत्तराखण्ड के सबसे बड़े हितेषी थे। उन्होंने अपने मुख्यमंत्री काल में पिथौरागढ़ हवाई पट्टी पर्वतीय क्षेत्रों के दुर्गम इलाक़ों में पाठशालाओं के साथ-साथ पीने के पानी के लिए जगह-जगह हैंड पम्पों का निर्माण व पर्वतीय इलाको की समस्याओं को देखते हुए अपनी सरकार में अलग से पर्वतीय विकास मंत्रालय का गठन करने के साथ-साथ उत्तराखण्ड की भौगोलिक व आर्थिक एवं बेरोज़गारी की समस्याओं को देखते हुए अलग उत्तराखण्ड राज्य बनाने के लिए कोशिक समिति व बर्थवाल समिति का गठन करने के साथ-साथ उत्तर प्रदेश के दोनों सदनों से अलग उत्तराखण्ड राज्य बनाने का प्रस्ताव पास करा कर केन्द्र सरकार को भेजा था।इसके अतिरिक्त भी नेता जी उत्तराखण्ड की भौगोलिक -आर्थिक व बेरोज़गारी को देखते हुए उश प्रश में पर्वतीय क्षेत्र के लोगों को उश प्रश की जनसंख्या का 2 प्रतिशत आरक्षण देना चाहते थे।जबकि पर्वतीय क्षेत्र में उश प्रश की 4 प्रतिशत आबादी थी। जिसमें उत्तराखण्ड के 50 प्रतिशत लोगों को आरक्षण का लाभ मिलता लेकिन यहाँ की तथाकथित पार्टियों ने उसका विरोध कर यहाँ के युवाओं का भारी नुक़सान किया है।इसी के साथ ही रक्षा मंत्री रहते हुए नेता जी ने हमेशा सेना का तो मनोबल बढ़ाया साथ ही शहीद सेनिको के शवों को सम्मान से उनके घर भिजवाने के साथ-साथ राजकीय सम्मान से उनका अंतिम संस्कार व उनके परिवार की जीविका व बच्चों की पड़ायी आदि की भी पूरी व्यवस्था की थी। जो देश के लिए एक ऐतिहासिक व गर्व वाला फ़ैसला था। श्री सिद्दीक़ी ने कहा कि मुलायम सिंह किसानों,व्यापारियों ,छात्रों, कर्मचारियों, दलितों , पिछड़ों,व अल्पसंख्यकों के सबसे बड़े हितेषी थे। हर वर्ग उनके निर्णों से प्रसन्न रहता था। अखिलेश यादव जी उनके कार्यों को पूरी ईमानदारी के साथ आगे लेकर चल रहे हैं। और जनता का उनेह भरपूर प्यार मिल रहा है। इसी का नतीजा है । कि आज समाजवादी पार्टी देश की तीसरे नम्बर की बड़ी पार्टी बन गई है।अन्त में श्री सिद्दीक़ी ने कहा माननीय मुलायम सिंह यादव जी को सच्ची श्रंधाजलि यही होगी कि हम उनके अधूरे सपनों को पूरा करने के लिए । माननीय अखिलेश यादव जी के हाथों को मज़बूत करें। विचार गोष्ठी में मुख्य रूप से एडवोकेट सुरेश परिहार,जावेद सिद्दीकी,अरशद अय्यूब,इस्लाम मिकरानी,सोमपाल कोरी,उमैर मतीन, विक्की ख़ान,रेहान मलिक, संजय गुप्ता, आसिम सिद्दीक़ी,नासिर हुसैन,अनवर हुसैन, ज़ाहिद ख़ान,दीपक अग्रवाल, सरताज अंसारी,एडवोकेट जावेद अहमद, मोहम्मद आक़िब, रेहान क़ुरैशी,मेराज ख़ान ,फ़रहत सिद्दीक़ी,नाज़िम सलमानी, मसरूर अहमद,हरपाल शर्मा, अशरफ़ खान,अथर ख़ान,मोहम्मद अनस, मोहम्मद अरशद,अज़हर मलिक,नूरी ख़ान,शाहिद खान सहित सैकड़ो कार्यकर्ता उपस्थित थे।

20 करोड़ की साइबर ठगी का भंडाफोड़

नई दिल्ली। दिल्ली में पश्चिमी जिला साइबर थाना पुलिस ने साइबर ठगी के खिलाफ 5 दिन तक चले अंतरराज्यीय अभियान में 22 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। वहीं, गिरफ्तार आरोपियों में ठगी के लिए इस्तेमाल होने वाली एपीके फाइल और पैनल विकसित करने वाले भी शामिल हैं। यह गिरोह देशभर में 22,139 लोगों को निशाना बनाकर 20 करोड़ रुपये से अधिक की ठगी कर चुका है। आरोपियों के तार राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल (एनसीआरपी) की 2,080 शिकायतों से जुड़े मिले हैं। पुलिस उपायुक्त हरेश्वर वी स्वामी ने बताया कि इसके लिए 7 विशेष टीमें गठित की गई थीं। इनमें 64 पुलिसकर्मी शामिल थे। टीमों ने 11 से 15 नवंबर तक झारखंड के जामताड़ा, देवघर और गिरिडीह समेत बिहार, पश्चिम बंगाल और उत्तर प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में छापामारी की। वहीं, अभियान के दौरान 17 स्थानों पर कार्रवाई की गई। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 63 मोबाइल फोन, दो लैपटाप, दो मैकबुक और एक टैबलेट बरामद किया है। पुलिस ने पिछले तीन महीने में एपीके फाइल के जरिए बैंक खाते पर नियंत्रण कर ठगी करने से जुड़ी एक हजार से अधिक शिकायतों का विश्लेषण किया था। इस दौरान 20 से अधिक ई-एफआइआर, 56 संदिग्ध टेलीग्राम प्रोफाइल और उनसे जुड़े वाट्सएप नंबरों की भी जांच की गई। ठगी में इस्तेमाल 32 दुर्भावनापूर्ण एपीके फाइलों की फोरेंसिक जांच कर उनके नेटवर्क का पता लगाया गया। जांच में सामने आया कि आरोपी मुख्य रूप से बुजुर्गों को निशाना बनाते थे।

वे खुद को बैंक अधिकारी बताकर जीवन प्रमाणपत्र सत्यापन, केवाईसी अपडेट, क्रेडिट कार्ड जारी कराने और क्रेडिट लिमिट बढ़ाने के नाम पर संपर्क करते थे।

संपादकीय

चीन-पाकिस्तान गठजोड़: भारत की सुरक्षा के लिए सामने नई चुनौती

भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा के सामने चीन और पाकिस्तान का बढ़ता सैन्य एवं रणनीतिक गठजोड़ एक गंभीर चुनौती के रूप में उभर रहा है। दोनों देशों के बीच लंबे समय से राजनीतिक, आर्थिक और सैन्य संबंध रहे हैं। पिछले कुछ वर्षों में इन संबंधों का दायरा जिस तेजी से बढ़ा है, उसने दक्षिण एशिया के सामरिक समीकरणों को प्रभावित किया है। अब यह गठजोड़ केवल भारत-पाकिस्तान सीमा तक सीमित नहीं है। बल्कि हिंद महासागर क्षेत्र और व्यापक अंतर्राष्ट्रीय राजनीति में भी इसके प्रभाव दिखाई देने लगे हैं। चीन और पाकिस्तान की नजदीकी का सबसे महत्वपूर्ण पहलू सैन्य सहयोग है। पाकिस्तान अपनी रक्षा जरूरतों के लिए चीन पर काफी हद तक निर्भर है। लड़ाकू विमानों, मिसाइल प्रणालियों, नौसैनिक उपकरणों और रक्षा तकनीक के क्षेत्र में चीन की सरकार, भारत पर दबाव बढ़ाने के लिए पाकिस्तान की मदद कर रहा है। इसके अलावा दोनों देशों के बीच संयुक्त सैन्य अभ्यास और रक्षा उत्पादन से जुड़े समझौते भी इस सहयोग को मजबूत कर रहे हैं। इससे पाकिस्तान की सैन्य क्षमताओं में बड़ा बदलाव आया है। भारत के लिए अब अपनी सुरक्षा, व्यापारिक एवं भौगोलिक रणनीति की समीक्षा करना आवश्यक हो गया है। इस गठजोड़ की दूसरी महत्वपूर्ण कड़ी हिंद महासागर है। भारत के लिए हिंद महासागर केवल समुद्री व्यापार का मार्ग नहीं, बल्कि उसकी ऊर्जा सुरक्षा, आर्थिक गतिविधियों और सामरिक हितों का आधार भी है। चीन पाकिस्तान के ग्वादर बंदरगाह और चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपीईसी) के माध्यम से अरब सागर में अपनी मौजूदगी बढ़ाने की कोशिश कर रहा है। चीन की समुद्री गतिविधियों और क्षेत्रीय बंदरगाहों में बढ़ते निवेश को भारत के रणनीतिक हितों के संदर्भ में देखा जाना जरूरी है।

इस पूरे घटनाक्रम को केवल सैन्य खतरे के रूप में देखना पर्याप्त नहीं होगा। चीन भारत की आर्थिक निर्भरता को भी अपनी रणनीति का हिस्सा बना रहा है। इलेक्ट्रॉनिक्स, दवाइयों, बैटरी और औद्योगिक उत्पादन से जुड़े कई क्षेत्रों में भारत की चीनी आयात पर निर्भरता एक बड़ी चुनौती है। अमेरिकी आयोग की नवंबर 2026 की रिपोर्ट ने भी इस निर्भरता को भारत की आर्थिक और सामरिक कमजोरियों में शामिल किया है। सवाल यह है कि भारत इस बदलते परिदृश्य में अपनी स्थिति कैसे मजबूत करेगा? क्या केवल अमेरिका के साथ रणनीतिक साझेदारी बढ़ाने से चीन और पाकिस्तान की चुनौती का मुकाबला किया जा सकता है? इसका जवाब है, भारत को अपनी स्वतंत्र सामरिक क्षमता विकसित करनी होगी। रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भरता, आधुनिक तकनीक, साइबर सुरक्षा, खुफिया तंत्र और नौसेना की ताकत बढ़ाना समय की मांग है। जापान, फ्रांस, अमेरिका और अन्य मित्र देशों के साथ सहयोग और रिश्तो को मजबूत करना होगा। भारत को यह भी समझना होगा, अंतर्राष्ट्रीय संबंध स्थायी मित्रता से अधिक राष्ट्रीय हितों पर आधारित होते हैं। इसलिए किसी एक देश पर अत्यधिक निर्भरता भारत के दीर्घकालिक हितों को बहुत बड़ा नुकसान हो सकता है। चीन के साथ बातचीत के रास्ते खुले रखने के साथ सीमा सुरक्षा और राष्ट्रीय हितों पर किसी प्रकार का समझौता नहीं होना चाहिए। भारत इस मामले में अभी अलग-थलग पड़ गया है।

वास्तविक चुनौती चीन या पाकिस्तान के गठजोड़ से भयभीत होने की नहीं, बल्कि उसके मुकाबले अपनी आर्थिक, तकनीकी, कूटनीतिक और सैन्य शक्ति को मजबूत करने की है। भारत के पास विशाल बाजार, युवा आबादी, मजबूत लोकतांत्रिक संस्थाएं और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बढ़ती भूमिका की महत्वपूर्ण क्षमताएं हैं। जरूरत इन क्षमताओं को ठोस राष्ट्रीय शक्ति में बदलने की जरूरत है। आखिरकार, भारत की सुरक्षा केवल सीमाओं पर तैनात सैनिकों और हथियारों से सुनिश्चित नहीं होगी। मजबूत अर्थव्यवस्था, आत्मनिर्भर रक्षा उद्योग, समुद्री शक्ति और दूरदर्शी विदेश नीति भी उतनी ही जरूरी हैं। पड़ोसी देशों के साथ अपने रिश्तों को भी भारत को बेहतर बनाना होगा। चीन-पाकिस्तान की बढ़ती नजदीकी भारत के लिए एक रणनीतिक चेतावनी है।

भारत जापान की नई रणनीतिक धूरी से बढ़ती वैश्विक प्रतिष्ठा

ललित गर्ग

19 नवंबर 2026 को टोक्यो में हुई चैथी भारत-जापान 2+2 विदेश एवं रक्षा मंत्रिस्तरीय वार्ता केवल दो देशों के बीच एक कूटनीतिक बैठक नहीं थी, बल्कि बदलती विश्व-व्यवस्था में भारत की बढ़ती भूमिका का सशक्त संकेत थी। भारत की ओर से रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह और विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर तथा जापान की ओर से विदेश मंत्री तोशिमित्सु मोतेगी और रक्षा मंत्री शिंजिरो कोइजुमी ने जिस व्यापक रणनीतिक दृष्टि के साथ संवाद किया, उसने भारत-जापान संबंधों को सुरक्षा, तकनीक, समुद्री सहयोग, आर्थिक सुरक्षा और वैश्विक शासन के नए आयामों से जोड़ा है। इस वार्ता का सबसे महत्वपूर्ण संदेश यह है कि भारत अब केवल वैश्विक शक्ति-संतुलन का दर्शक नहीं, बल्कि उसे आकार देने वाली शक्ति बन रहा है। जापान के साथ बढ़ता सहयोग इसी परिवर्तन का एक महत्वपूर्ण अध्याय है। दोनों देशों ने स्वतंत्र, खुले, समावेशी और नियम-आधारित हिंद-प्रशांत की प्रतिबद्धता दोहराई तथा समुद्री और वायु क्षेत्र की निगरानी, सूचना-साझेदारी, खोज एवं बचाव, साइबर सुरक्षा, एआई तथा रक्षा उद्योग में सहयोग को आगे बढ़ाने पर सहमति जताई। भारत में जापानी आत्मरक्षा बलों द्वारा फायरिंग रेंज के उपयोग की दिशा में समझौता और 'डिजाइन विद जापान, मेक इन इंडिया' के तहत रक्षा औद्योगिक सहयोग को आगे बढ़ाने की सहमति इस साझेदारी को घोषणाओं से निकालकर व्यावहारिक धरातल पर ले जाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं।

यहां रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह की भूमिका विशेष रूप से महत्वपूर्ण हो जाती है। भारत की रक्षा नीति अब केवल हथियार खरीदने तक सीमित नहीं है, उसका लक्ष्य देश को रक्षा उत्पादन, तकनीक, अनुसंधान और निर्यात की दृष्टि से सक्षम बनाना है। हाल ही में रक्षा मंत्री ने बताया कि भारत का रक्षा उत्पादन 1.80 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड स्तर तक पहुंच चुका है और रक्षा निर्यात 38,000 करोड़ रुपये के उच्चतम स्तर पर पहुंचा है। जापान के साथ रक्षा-तकनीक और औद्योगिक सहयोग इस आत्मनिर्भरता को अंतरराष्ट्रीय तकनीकी साझेदारी से जोड़ सकता है। दूसरी ओर डॉ. एस. जयशंकर भारत की उस विदेश नीति के प्रमुख सूत्रधारों में हैं जिसने भारत को 'किसी एक खेमे' की शक्ति के बजाय अपने हितों और सिद्धांतों के आधार पर विश्व के विभिन्न शक्ति-केंद्रों के साथ संवाद करने वाली प्रभावशाली शक्ति बनाया है।

जापान के साथ रणनीतिक विश्वास, क्वाड जैसे मंचों पर सहयोग, हिंद-प्रशांत की स्थिरता और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के सुधार के लिए पारस्परिक समर्थन इसी व्यापक कूटनीतिक दृष्टि के हिस्से हैं। दोनों देशों ने एक-दूसरे की स्थायी सदस्यता की दावेदारी का समर्थन भी दोहराया है। लेकिन इस पूरी तस्वीर को समझने के लिए इसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की व्यापक विदेश नीति और 'विकसित भारत' के संकल्प से जोड़कर देखना आवश्यक है। प्रधानमंत्री की विदेश नीति में सुरक्षा और अर्थव्यवस्था अलग-अलग विषय नहीं हैं।

तो इन्हें है देश के सम्मान की चिंता?

तनवीर जाफ़री

लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी एक बार फिर भारतीय जनता पार्टी के निशाने पर हैं। दरअसल पिछले दिनों न्यूयॉर्क स्थित अमेरिका की कोलंबिया यूनिवर्सिटी में संवाद के दौरान राहुल गांधी ने कहा कि भारत आर्थिक संकट के मुहाने पर खड़ा है और यहाँ बेरोज़गारी, शिक्षा व्यवस्था तथा चुनावी प्रक्रिया को लेकर गंभीर समस्याएं हैं। भाजपा राहुल गाँधी द्वारा विदेश जाकर की जाने वाली ऐसी आलोचनाओं को सहन नहीं कर पाती और इसे देश विरोधी प्रचार बताती है। राहुल गांधी के भाषण पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने इसे देश को बदनाम करने वाला बताया और उनके इस इस दावे को भी ख़ारिज किया कि भारत की अर्थव्यवस्था ख़त्म हो चुकी है या आर्थिक संकट में है। रिजिजू ने यह आरोप भी लगाया कि राहुल गांधी ने भारत की सभ्यता, परंपराओं, लोकतंत्र और संविधान को कमज़ोर करने वाली मानसिकता बना ली है। उन्होंने यह संगीन आरोप भी लगाया कि देश-विरोधी और वामपंथी विचारधारा वाली ताक़तें उन्हें प्रभावित कर रही हैं या उकसा रही हैं। रिजिजू ने राहुल को सुझाव दिए कि वे भारतीय अर्थव्यवस्था को मृत या ख़त्म बताने वाले झूठे दावे करना बंद करें। भाजपा के अन्य कई नेता पहले भी राहुल गांधी की विदेश में की जानी वाली इसतरह की टिप्पणी पर अपनी ऐसी ही तीखी प्रतिक्रिया देते रहे हैं।

सवाल यह है कि क्या भारतीय अर्थव्यवस्था पर मंडराते संकट की बात केवल राहुल गांधी ही कहते हैं या देश के अन्य कई प्रमुख अर्थशास्त्री भी ऐसे ही विचार रखते हैं ? सच तो यह है कि पहले भी भारतीय अर्थव्यवस्था की स्थिति को लेकर देश और दुनिया के कई प्रमुख अर्थशास्त्रियों, पूर्व नीति-निर्माताओं और राजनेताओं ने समय-समय पर गंभीर चेतावनियां दी हैं। वे भी देश में अर्थव्यवस्था को लेकर संरचनात्मक संकट, बेरोज़गारी और धीमे निजी निवेश जैसे शब्दों का प्रयोग कर चुके हैं। उदाहरणार्थ पूर्व आरबीआई गवर्नर रघुराम राजन भारत के जीडीपी आंकड़ों की गणना पद्धति, निजी निवेश में सुस्ती, रोज़गार सृजन की कमी और जीएसटी के बाद अनौपचारिक क्षेत्र को हुए नुक़सान पर लगातार गंभीर चिंता जताते रहे हैं । नोबेल पुरस्कार विजेता अर्थशास्त्री अभिजीत बनर्जी ने मध्यम वर्ग की स्थिर या घटती वास्तविक आय और महंगाई के कारण बढ़ रहे आर्थिक दबाव को लेकर चेतावनी दी है। इसी तरह पूर्व वित्त सचिव सुभाष चंद्र गर्ग ने ऊर्जा आयात पर निर्भरता, रुपये की गिरावट और विदेशी पूंजी के बाहर जाने जैसे मुद्दों को उठाते हुए भारतीय अर्थव्यवस्था की संवेदनशीलता पर चिंता व्यक्त की है। पूर्व मुख्य आर्थिक सलाहकार अरविंद सुब्रमण्यन और कौशिक बसु जैसे अर्थशास्त्रियों ने भी अलग-अलग समय पर नोटबंदी के असर, जीडीपी की गणना में संभावित विसंगतियों, घटते निर्यात और रोज़गार संकट को लेकर सरकार की आर्थिक नीतियों की आलोचना की है। इसके अतिरिक्त भाजपा नेता व अर्थशास्त्री सुब्रमण्यम स्वामी भी अपनी ही पार्टी की सरकार की कई आर्थिक नीतियों–विशेषकर जीएसटी, नोटबंदी और बैंकिंग नीतियों की कड़ी आलोचना करते हुए अर्थव्यवस्था के सामने गंभीर संकट की चेतावनी देते रहे हैं। पूर्व प्रधानमंत्री व अर्थशास्त्री स्व डॉ. मनमोहन सिंह व पूर्व वित्त मंत्री पी. चिदंबरम बेरोज़गारी, महंगाई और मध्यम वर्ग की थमी हुई आय को देश की तीन सबसे बड़ी आर्थिक चुनौतियां बता चुके हैं। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने तो नोटबंदी और जीएसटी के क्रियान्वयन को देश की अर्थव्यवस्था के लिए बड़ा झटका बताया था।

इतना ही नहीं बल्कि विदेशी पोर्टफ़ोलियो निवेशकों ने जनवरी से अक्टूबर 2026 के बीच भारतीय शेयर बाज़ार से लगभग 2.95 लाख करोड़ अर्थात क़रीब 35 अरब डॉलर का रिकॉर्ड निवेश वापस निकाला है। हालांकि नवंबर 2026 में इन विदेशी निवेशकों द्वारा पुनः क़रीब 10.6 अरब की रिकॉर्ड वापसी भी की गयी है। फ़रवरी 2026 में ईरान पर हुए हमले और मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव के कारण वैश्विक निवेशकों ने ज़ोख़िम भरे बाज़ारों से पैसा निकालना शुरू किया। इसी लिए अकेले मार्च महीने में ही रिकॉर्ड 13 अरब डॉलर की निकासी हुई। वैश्विक अस्थिरता के कारण कच्चे तेल के दाम बढ़े, जिससे भारत का आयात बिल बढ़ने और महंगाई की आशंका पैदा हुई। 10-साल के अमेरिकी सरकारी बॉन्ड पर 5.2% से अधिक का सुरक्षित रिटर्न मिलने के कारण निवेशकों ने भारतीय बाज़ार के मुक़ाबले अमेरिका में पैसा लगाना अधिक फ़ायदेमंद समझा। परन्तु सरकार का दावा है कि भारत 7% या उससे अधिक की दर से बढ़ने वाली दुनिया की सबसे तेज़ प्रमुख अर्थव्यवस्था है और पिछले 12-13 वर्षों में लगभग 50 करोड़ लोग ग़रीबी से बाहर आए हैं। दूसरी यही सरकार यह कहकर भी अपनी पीठ स्वयं थपथपाती रहती है कि वह देश के 80 करोड़ लोगों को मुफ़्त राशन उपलब्ध करा रही है। अब रहा सवाल विदेश की धरती पर भारत की बदनामी कराने का तो इस बदनामी का मापदंड आख़िर कौन तय करेगा ? याद कीजिये मई 2015 में चीन के शंघाई और दक्षिण कोरिया के सियोल में भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की वह टिप्पणी जिसमें उन्होंने कहा था कि एक दौर ऐसा था जब लोग सोचते थे कि उन्होंने पिछले जन्म में कौन-सा पाप किया था जो भारत में पैदा हुए,यह कैसा देश है और कैसी सरकार है, और लोग बाहर चले जाना चाहते थे। प्रधानमंत्री की इस टिप्पणी पर भारत में तीखी राजनीतिक बहस हुई थी। उस समय कई विपक्षी दलों के प्रमुख नेताओं ने प्रधानमंत्री मोदी के इस बयान की आलोचना करते हुए कहा था कि विदेश में जाकर यह कहना कि भारत में जन्म लेना किसी पिछले पाप या अभिशाप जैसा माना जाता था, राष्ट्रीय गौरव को ठेस पहुँचाने वाला है। इसी तरह भाजपा और उसके समर्थक जवाहरलाल नेहरू की कई नीतियों और निर्णयों का मूल्यांकन करते हुए उनकी आलोचना करते हैं। जबकि कांग्रेस नेताओं का कहना है कि नेहरू ने आधुनिक भारत, लोकतांत्रिक संस्थाओं, सार्वजनिक उपक्रमों और शैक्षणिक संस्थानों की नींव रखी, और उनके योगदान को नज़रअंदाज़ कर उन पर लगातार हमले किए जाते हैं।

विपक्ष प्रधानमंत्री मोदी के ही ऐसे और भी कई बयानों व गतिविधियों को देश की बदनामी करने वाली बताता है। जैसे कि अप्रैल 2015 में कनाडा के टोरंटो में प्रवासी भारतीयों की सभा में मोदी ने पूर्ववर्ती सरकारों पर निशाना साधते हुए कहा था– जिनको गंदगी करनी थी, गंदगी करके चले गए, हम सफ़ाई करके जाएंगे और हमारा मिशन स्किल इंडिया है, न कि स्कैम इंडिया। उस समय कांग्रेस नेताओं ने इसे विदेशी धरती पर देश की पिछली उपलब्धियों और लोकतांत्रिक परंपरा का अपमान क़रार दिया। इसी तरह दिसंबर 2015 में मॉस्को हवाई अड्डे पर गार्ड ऑफ़ ऑनर के दौरान जब भारतीय राष्ट्रगान बज रहा था, तब मोदी अनजाने में आगे बढ़ने लगे थे तब एक रूसी अधिकारी ने उन्हें हाथ पकड़कर पीछे रोका था। विपक्ष ने इसे प्रोटोकॉल की चूक और असहज करने वाली घटना बताया था। अभी हाल ही में गत 17 नवंबर को फिलीपींस के मनीला में क्वाड शिखर सम्मेलन के ग्रुप फोटो सेशन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फर्श पर रखा एक स्पॉट मार्कर उठाकर अपनी जेब में रख लिया था। आलोचकों ने इसे लेकर सवाल उठाए। आयोजकों ने ग्रुप फोटो के दौरान नेताओं के खड़े होने की जगह तय करने के लिए फर्श पर देश के झंडे वाले छोटे मार्कर/कार्ड लगाए थे। 2015 व 2019 के ब्रिक्स सम्मेलनों में भी फर्श पर झंडे के मार्कर होने के कारण उन्हें नहीं उठाया गया था। विपक्ष के नेताओं व आलोचकों द्वारा इसे भी वैश्विक मंच पर देश की शर्मिंदगी करने वाला बताया गया।

पर्व त्योहारों मे फ्लाइट की मनमानी का कारण है ट्रेन में ओवर लोड

संजय गोस्वामी

लौकिक जगत् के प्राणी के जीवन में अनेक उत्थान पतन आते हैं। उसे कभी सफलता मिलती है तो कभी विफलता। विफलता मिलती है तो वह रोता है। जीवन को सुख-दुःख का मिश्रण मानकर भगवन की शरण लेता है। उसकी आराधना करता है। उसके सामने मनौतीयाँ मानता है। उसकी पूजा करता है। व्रत रखता है । प्रभु का गुण-गान करता है और सुनता है । व्रतों को कथाओं के माध्यम से दैवी तथा असुरी वृतियों का परिचय पाकर आत्मा को शुद्ध करता है । भारतीय धर्म-साधना के परिवेश में वर्ष भर में शायद ही ऐसा कोई दिन हो जिस दिन त्यौंहार न होता हों । यहाँ प्रत्येक दिन पर्व है । ये पर्व, हमारे आचार-व्यवहार, रहन-सहन, खान-पान, वेश-भूषा, लोक विश्वास तथा कर्मकाण्डों के परिचायक हैं। इन लोक पर्वो की कथाओं तथा अनुष्ठानों का उद्देश्य है समाज सुधर ।व्रतों से तात्पर्य मात्र भूखा रहना नहीं है । इनसे आत्मा की शुधि होती है । मन कलुषित भावनाओं से मुक्त होता है । जीवन में संयम बढ़ता है । आध्यात्मिक शक्ति विकसित होती है । अनेक रोग स्वतः नष्ट हो जाते हैं । हमारे लोक जीवन की अन्यतम विभूति-ये लोक -पर्व अब मिटने लगे हैं ।आज के वैज्ञानिक युग में लोगों की आस्था इनसे उठने लगी है, किन्तु इन लोक -पर्वो में शक्ति नहीं है ,ऐसा नहीं खा जा सकता इनका भी वैज्ञानिक महत्व है ।हमारे जीवन के ये प्रमुख अंग हैं।भारतीय संस्कृत को स्पष्ट करने के प्रमुख उपादान हैं ये हमारा पर्व ।इनसे हमारे लोक समाज का बिम्ब स्वष्ट होता हैं।इसलिए पर्व त्योहारों मे एक दूसरे की मदद और सभी का ख्याल रखना चाहिए लोक आस्था का पर्व छठ पूजन मे पहले से ही ट्रेन मे मारा मारी एजेंट का अवैध तरीके से टिकट का दाम लेना क़ोई 3 महीने पहले से भी ट्रेन का टिकट लिया हो कन्फर्म नहीं होता है क़ोई कोटा से लेता है तत्काल मे टिकट का ना मिलना एक सिस्टम की लापरवाही है छठ पूजन मे जो बिहार और उप्र में लोग बड़ी श्रद्धा से मानते हैं अधिकतर लोग जो महंगा टिकट नहीं ले पाते हैं वो इस शुभ काम में एक दूसरे का हाथ बटाने में असमर्थ हो जाते हैँ जो महानगरो में नौकरी या व्यवसाय करते हैँ क़ोई जनीं को एक नहीं कई जगह ब्रेक कर किसी तरह थका। महसूस करता है ये उसी से पूछा जाय फ्लाइट का बाहर से घर आने और घर से पुनः बाहर जाने के लिए फ्लाइट का भाड़ा सामान्य से 4 से 6 गुना बढ़ जाता है छठ पूजा उत्तर भारत में इस साल 12 नवंबर से 15 नवंबर तक चला दीपावली 8 को थी उसके दूसरे दिन ही किसी भी फ्लाइट में बिहार यानी पटना और अन्य जगह का किराया करीब 15 से 25 हजार थी और जो 12-15 हजार तक थी वो डायरेक्ट नहीं एक स्टॉप का था जहाँ आने में करीब 6-10 घंटे लगता था नॉन स्टॉप 18 से 20 हजार था उसके बाद 12 तक लागातार भड़ा बढ़ते हुए क्रम में ही था और बाद में और बढ़ता गया जो थोड़ा सस्ता था वो नॉन रिफंड वाला था डायरेक्ट फ्लाइट के टिकट का फायदा यह है कि अगर कैंसिल हुआ तो एक तरफ से ही कैंसिल करने का चार्ज लगता है और करीब वो भी 5000 रूपये के आस पास होता है ट्रेन में ये सिलसिला था कि सारे ट्रेन में टिकट रिग्रेट था अतः ट्रेन में एक कन्फर्म टिकट पर 3-4 लोग जाते थे स्लीपर जनरल डिब्बा जैसा हाल था उसमें आने जाना का रास्ता ही ब्लॉक और पानी नदारत लोग ऊपर निचे जहाँ तहाँ सोये होने पर आना जाना मुश्किल था जनरल बोगी में सांस लेना मुश्किल लगते दिखा अब आजादी के इतने दिनों के बाद भी लोग भेड़ बकरी की तरह ठूंस गए हो तो क्या लोग पर्व त्यौहार में बाहर से आएगा और जाएगा, अगर आप किसी तरह पहुँच भी गए तो लौटने में अलग परेशानी होगी लौटने का पटना या सहरसा से डायरेक्ट फ्लाइट में टिकट 28 से 45 हजार इकॉनमी क्लास का टिकट, ख़ासकर 16 तारीख से लेकर 20 तारीख का ट्रेन में तत्काल का 1वेटलिस्ट भी कन्फर्म ना होना बड़ा दुर्भाग्यपूर्ण है और लोग ऐसे कर स्लीपर में बैठते है और ऐसे ही कार्यस्थल पर पहुंचने के लिए ट्रेन में भारी भीड़ देखने को मिलती है ट्रेन में बंदे भारत का नाम तो खुब सुना है लेकिन टिकट कब मिलता है और कहाँ कहाँ है इसपर ध्यान देने की जरुरत है बुलेट ट्रेन केवल कागजों पर दिख रहा है उसके लिए पटरी ट्रैक को बदलना पड़ता है ये वहाँ कहाँ प्रोजेक्ट चल रहा है जहाँ इसकी सही में जरुरत है जब से लगभग 40 सालों से वही पटरी और वही स्टेशन, केवल नाम बदलने और वहाँ रेनोवेशन से क्या होगा आम आदमी बार बार तो घर नहीं जाता, छठ पूजन और पर्व त्योहारों में ही जाता है तो रेलवे में कहाँ परिवर्तन हुई भगवान राम ने क़ोई लेख या शिकायत लिख कर रावण को नहीं हराया बल्कि जमीनी स्तर पर कार्य किया और एक सेवा भाव वाले टीम का निर्माण किया और रावण के गढ़ लंका से माता सीता को छूड़ाने हेतु कम से कम समय में रामेश्वरम से लंका तक पूल बाँध दिया ये किसी भी देश की सेना के लिए एक आदर्श विचार है और इसी से जीत मिलती है माता सीता को पता करने के लिए अपने परम भक्त हनुमान को लंका भेजा जो एक गुप्तचर का हिस्सा था और रावण का पता लगा बाद में हनुमान जी ने सारी बातें माता सीता को बताया और फिर भगवान राम ने रावण को समझाने हेतु दूत भेजा देखा अब क़ोई चारा नहीं है क्योंकि मूर्खो को समझाना नामुमकिन है इसलिए युद्ध छेड़ दिया और अंत में विजयी हुए यानि किसी भी सफलता हेतु जमीनी हकीकत जानना जरुरी है केवल कागजों और लेखों से नहीं बल्कि जनता को सही में मालूम होना चाहिए रेलवे में पर्व में केवल बैनरो और पोस्टर से नहीं कार्य करना होगा बुनियादी डांचा को द्रुस्त कर खुद जाकर देखना भी चाहिए कि जनता का क्या हाल है इस तरह का माहौल में एयरलायनस इसका फायदा उठाती है और मनमाने ढंग से किराया वसूली करती है जो विदेश का भी उससे कम होता है ऐसे में अकेले जाना ही मुश्किल है तो परिवार का क्या हाल होगा जहाँ तक स्पेशल ट्रेन की बात है क़ोई 8 घंटा विलम्ब क़ोई 24 घंटा और बाद में 48 घंटा हो जाता है और कभी कभी ट्रेन कैंसिल भी हो जाता है बढ़ती आबादी पर आगे के रोडमैप पर ध्यान देना चाहिए आप ही बताइए कौन सी ट्रेन की रफ़्तार बढ़ी और कितना बढ़ी और ट्रेन में बोगी का क्या परिवर्तन हुआ और अब भी अगर नहीं जगे तो आगे और भी विकराल समस्या उत्पन्न होगी मैं तो यही देख रहा हूँ पहले जैसा था वैसा अभी भी है ट्रेन की स्पीड वही आमने सामने वही हल्ट और वही स्टेशन और बाहर वही घर और वही स्थान पटरी तो अधिकांश अंग्रेज के समय बना और बौगी बनी भी तो वैसे ही एक बंदे भारत ट्रेन का नक्शा बदला है लेकिन टिकट कहाँ और कितने समय चलती है बदली है तो फ्लाइट की रफ़्तार पहले एक दो जाते थे अभी कुछ और संख्या में बढ़ गए हैं लेकिन किराया आम आदमी के पहुँच से बहूत बाहर और ऐसे में ही पैसा कमाने की होड़ में भ्रष्टाचार बढ़ते है।

राजस्थान की संस्कृति का वाहक है पुष्कर मेला

रमेश सर्राफ धमोरा

राजस्थान में त्यौहारों, पर्वो एवं मेलों की अनूठी परम्परा एवं संस्कृति है वैसी देश में अन्यत्र कहीं मिलना कठिन है। यहां का प्रत्येक मेला एवं त्यौहार लोक जीवन की किसी किवदन्ती या किसी ऐतिहासिक कथानक से जुड़ा हुआ है। इसलिए इनके आयोजन में सम्पूर्ण लोक जीवन पूरी सक्रियता से भाग लेता है। इन मेलों में राजस्थान की लोक संस्कृति जीवन्त हो उठती है। इन मेलों के अपने गीत हैं, जिनके प्रति जन साधारण की गहरी आस्था दृष्टिगोचर होती है। इससे लोग एकता के सूत्र में बंधें रहते हैं। राजस्थान में अधिकांश मेले पर्व व त्यौहार के साथ जुड़े हुए हैं।

मेलों का महत्व देवताओं एवं देवियों की आराधना को लेकर भी है क्योंकि देर्वाचन से मानव को शान्ति प्राप्त होती है। वैसे तो राजस्थान के विभिन्न भागों में बहुत बड़ी संख्या में मेले आयोजित किए जाते हैं, परन्तु कुछ गिने-चुने मेलों का अपना ही महत्व होता है। यहां के धार्मिक मेलों में सम्बंधित धर्म अनुयायियों के अतिरिक्त अन्य धर्म के लोग एवं अन्य जाति के लोग भी खुलकर भाग लेते हैं।

पुष्कर मेला थार मरुस्थल का एक लोकप्रिय व रंगों से भरा मेला है। पुष्कर झील भारतवर्ष में पवित्रतम स्थानों में से एक है। प्राचीनकाल से लोग यहां पर प्रतिवर्ष कार्तिक मास में एकत्रित हो भगवान ब्रह्मा की पूजा उपासना करते हैं। पुष्कर मेले को खास माना जाता है क्योंकि यह धार्मिक, सांस्कृतिक और व्यापारिक महत्व का एक अनूठा संगम है। पुष्कर मेले की मुख्य विशेषताओं में दुनिया का सबसे बड़ा ऊँट और पशुधन मेला होना, जिसमें ऊँट, घोड़े, और अन्य मवेशियों की खरीद-बिक्री होती हैं। धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व के साथ-साथ विभिन्न मनोरंजक गतिविधियों का मिश्रण शामिल है। इसमें सांस्कृतिक प्रदर्शन, पारंपरिक खेल जैसे कुश्ती और कबड्डी, और ऊँट व घोड़ों के लिए सजगता प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती हैं। इसके अलावा, मेले में हस्तशिल्प बाजार और पवित्र पुष्कर झील के किनारे धार्मिक अनुष्ठान भी होते हैं। जो इसे एक बहुआयामी उत्सव बनाते हैं।

राजस्थान में अजमेर से लगभग 11 कि.मी. दूर हिन्दुओं का प्रसिद्ध तीर्थ स्थल पुष्कर है। यहां पर कार्तिक पूर्णिमा को मेला लगता है जिसमें बड़ी संख्या में देशी-विदेशी पर्यटक आते हैं। यहां पर विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन भी होता है जो इस मेले की शोभा को और बढ़ा देते हैं। पुष्कर मेला कार्तिक शुक्ल एकादशी से पूर्णिमा तक लगता है। मेलों के रंग राजस्थान में देखते ही बनते हैं। ये मेले मरुस्थल के गांवों के कठोर जीवन में एक नवीन उत्साह भर देते हैं। लोग रंग-बिरंगे परिधानों में सज-धजकर जगह-जगह पर नृत्य गान आदि समारोहों में भाग लेते हैं। यहां पर काफी मात्रा में भीड़ देखने को मिलती है। लोग इस मेले को श्रद्धा, आस्था और विश्वास का प्रतीक मानते हैं। पुष्कर मेले की मुख्य विशेषताओं में दुनिया का सबसे बड़ा ऊँट और पशुधन मेला होना, जिसमें ऊँट, घोड़े, और अन्य मवेशियों की खरीद-बिक्री होती है, धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व के साथ-साथ विभिन्न मनोरंजक गतिविधियों का मिश्रण शामिल है। इसमें सांस्कृतिक प्रदर्शन, पारंपरिक खेल जैसे कुश्ती और कबड्डी, और ऊँट व घोड़ों के लिए सजगता प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती हैं। इसके अलावा, मेले में हस्तशिल्प बाजार और पवित्र पुष्कर झील के किनारे धार्मिक अनुष्ठान भी होते हैं, जो इसे एक बहुआयामी उत्सव बनाते हैं।

मेला स्थल से परे पुष्कर नगरी का माहौल एक तीर्थनगरी सरीखा होता है। कार्तिक में स्नान का महत्व हिंदू मान्यताओं में वैसे भी काफी ज्यादा है। इसलिए यहां साधु भी बडी संख्या में नजर आते हैं। मेले के शुरुआती दिन जहां पशुओं की खरीद-फरोख्त पर जोर रहता है। वहीं बाद के दिनों में पूर्णिमा पास आते-आते धार्मिक गतिविधियों का जोर हो जाता है। श्रद्धालुओं के सरोवर में स्नान करने का सिलसिला भी पूर्णिमा को अपने चरम पर होता है।

पुष्कर मेले के दौरान इस नगरी में आस्था और उल्लास का अनोखा संगम देखा जाता है। पुष्कर को इस क्षेत्र में तीर्थराज कहा जाता है और पुष्कर मेला राजस्थान का सबसे बड़ा मेला माना जाता है। पुष्कर मेले की प्रसिद्धि का अनुमान इस बात से ही लगाया जा सकता है कि ऐतिहासिक धरोहरों के रूप में ताजमहल का जो दर्जा विदेशी सैलानियों की नजर में है। ठीक वही महत्व त्यौहारों से जुडे पारम्परिक मेलों में पुष्कर मेले का है। पुष्कर को इस क्षेत्र में तीर्थराज कहा जाता है। क्योंकि यहां समूचे ब्रह्मांड के रचयिता माने जाने वाले ब्रह्मा जी का निवास है। पुष्कर के महत्व का वर्णन पद्मपुराण में मिलता है। इसके अनुसार एक समय ब्रह्मा जी को यज्ञ करना था। उसके लिए उपयुक्त स्थान का चयन करने के लिए उन्होंने धरा पर अपने हाथ से एक कमल पुष्प गिराया। वह पुष्प अरावली पहाडियों के मध्य गिरा और लुढकते हुए दो स्थानों को स्पर्श करने के बाद तीसरे स्थान पर ठहर गया। जिन तीन स्थानों को पुष्प ने धरा को स्पर्श किया वहां जलधारा फूट पडी और पवित्र सरोवर बन गए। सरोवरों की रचना एक पुष्प से हुई इसलिए इन्हें पुष्कर कहा गया। प्रथम सरोवर कनिष्ठ पुष्कर, द्वितीय सरोवर मध्यम पुष्कर कहलाया। जहां पुष्प ने विराम लिया वहां एक सरोवर बना, जिसे ज्येष्ठ पुष्कर कहा गया। ज्येष्ठ पुष्कर ही आज पुष्कर के नाम से विख्यात है। पुष्कर में लगभग चार सौ मंदिर है। इसीलिए इसे मंदिर नगरी भी कहा जाता है।

ब्रह्मवैवर्त पुराण में उल्लिखित है कि अपने मानस पुत्र नारद द्वारा सृष्टिकर्म करने से इन्कार किए जाने पर ब्रह्मा ने उन्हें शाप दे दिया कि तुमने मेरी आज्ञा की अवहेलना की है। अतः मेरे शाप से तुम्हारा ज्ञान नष्ट हो जाएगा और तुम गन्धर्व योनि को प्राप्त करके कामिनियों के वशीभूत हो जाओगे। तब नारद ने भी दुःखी पिता ब्रह्मा को शाप दिया कि आपने बिना किसी कारण मुझे शाप दिया है। अतः मैं भी आपको शाप देता हूं कि तीन लोक में आपकी पूजा नहीं होगी और आपके मंत्र, श्लोक कवच आदि का लोप हो जाएगा। तभी से ब्रह्मा जी की पूजा नहीं होती है।

मात्र पुष्कर क्षेत्र में ही वर्ष में एक बार उनकी पूजा-अर्चना



शरीर में हार्मोन संतुलित करने के लिए रोज सुबह जरूर पिएं ये ड्रिंक, दूर होंगी कई समस्याएं

स्वस्थ रहने के लिए शरीर में हार्मोन्स का बैलेंस रहना भी बेहद जरूरी होता है। अगर आपके हार्मोन्स असंतुलित हो गए हैं तो संभव है कि आपको स्वास्थ्य से जुड़ी अन्य कई परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। इसे बैलेंस रखने के लिए लोग तरह-तरह के नुस्खे अपनाते हैं। कुछ लोग तो इसके लिए दवाओं का भी सेवन करते हैं। जबकि आप घर पर बनी मात्र एक हेल्दी ड्रिंक पीकर भी हार्मोन्स को बैलेंस कर सकते हैं। आइये डाइटिशियन ऋचा गंगानी से जानते हैं इस ड्रिंक को पीने से हार्मोन्स कैसे नियंत्रित होते हैं और इसे बनाने का तरीका।

कैसे बनाएं ये ड्रिंक?

- यह ड्रिंक बनाना काफी आसान है। इसे आप घर पर आसानी से बना सकते हैं।
- इस ड्रिंक को बनाने के लिए आपको घी और नारियल का तेल लेना है।
- अब इसके बाद आपको हल्दी और काली मिर्च लेनी है।
- यह सामाग्रियां जुटाने के बाद आपको एक गिलास पानी गर्म करना है।
- अब गर्म पानी में सबसे पहले एक चम्मच घी मिलाएं। इसके बाद इसमें अन्य सामग्रियां डालें।
- इस ड्रिंक एक साथ मिलाकर आप सुबह खाली पेट इसे पी सकते हैं।

हार्मोन्स बैलेंस करने में मददगार

अगर आपको हार्मोनल इंबैलेंस की समस्या है तो ऐसे में इस ड्रिंक को जरूर पिएं। इसमें घी और हल्दी की मात्रा होती है, जो शरीर में हार्मोन्स के उत्पादन को कंट्रोल करने के साथ ही उसे बैलेंस रखने में भी मदद करती है। यह ड्रिंक शरीर में होने वाले ऑक्सिडेटिव स्ट्रेस और सूजन को कम करके हार्मोन्स के इंबैलेंस को कम करने में मददगार साबित होती है। सुबह के समय घी खाने से शरीर में एस्ट्रोजन और प्रोजेस्टेरॉन हार्मोन्स का लेवल बैलेंस रहता है।

इस ड्रिंक को पीने के अन्य फायदे

- यह ड्रिंक सेहत के लिए अन्य भी कई तरीकों से फायदेमंद साबित होती है।
- अगर आप वजन घटाना चाहते हैं तो भी इस ड्रिंक को पी सकते हैं।
- इसे पीने से पाचन प्रक्रिया तेज होने के साथ ही मेटाबॉलिज्म भी दुरुस्त रहता है।
- इस ड्रिंक को पीने से शरीर की थकान दूर होती है साथ ही उर्जा की कमी महसूस नहीं होती है।



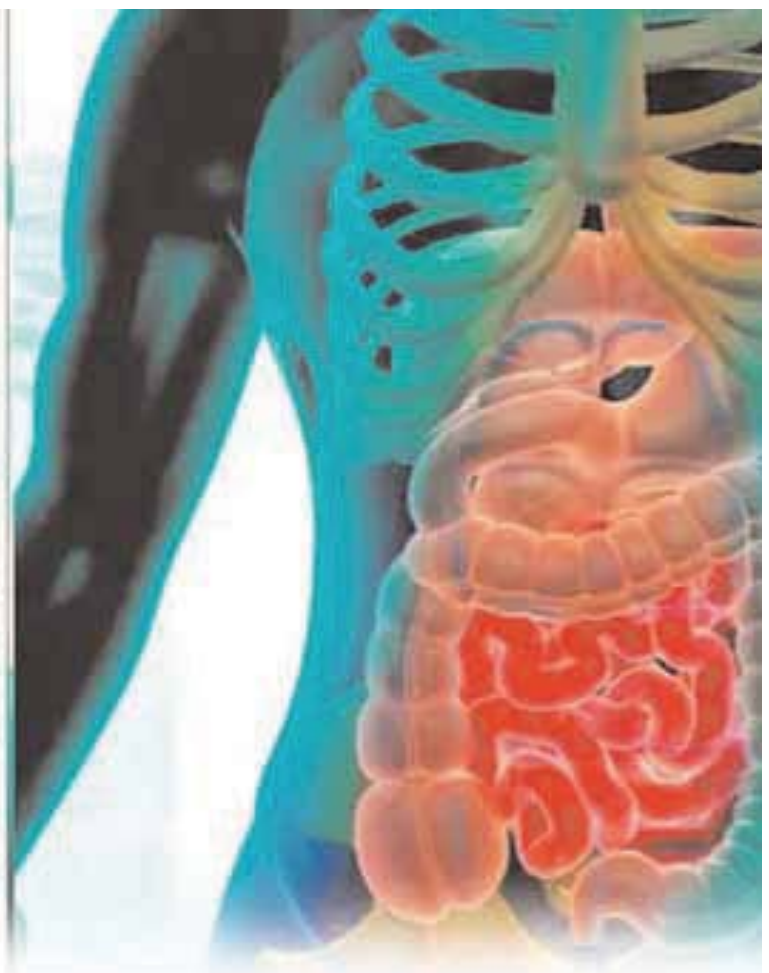

पूरी सर्दी खा लें हरी प्याज

कैंसर से लेकर हार्ट डिजीज तक हर बीमारी होगी दूर

हरी प्याज, जिसे स्प्रिंग अनियन भी कहा जाता है, पोषक तत्वों से भरपूर है। यह आंखों की रोशनी बढ़ाने, कैंसर का जोखिम कम करने, पाचन में सुधार, दिल की सेहत बेहतर बनाने और स्किन को जवां रखने में मदद करता है। इसमें विटामिन ए, सी, सल्फर, फाइबर और पोटेशियम जैसे पोषक तत्व होते हैं, जो संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद हैं।

प्याज की अलग अलग वैरायटी होती है और उनमें से एक है हरी प्याज यानि स्प्रिंग अनियन। इसका सेवन करने से आपके शरीर को काफी सारे लाभ मिल सकते हैं। यह खाने में भी स्वादिष्ट होता है। इस का प्रयोग करके आप किसी भी बोरिंग डिश को एक स्वादिष्ट व्यंजन बना सकते हैं जो स्वास्थ्य लाभों से भी भरपूर होगी। इसको तड़के में प्रयोग कर सकते हैं या बाद में सब्जी में भी डाला जा सकता है। हरी प्याज का सेवन करने से आपकी आंखों को भी लाभ मिलते हैं।अगर आप ऐसे व्यक्ति हैं जिसे सब्जियां खानी इतनी पसंद नहीं है, तो आप को एक बार हरी प्याज वाली किसी डिश का सेवन करना चाहिए और आप अपना मन चुटकियों में बदल लेंगे। आइए जान लेते हैं हरी प्याज खाने के स्वास्थ्य लाभों के बारे में। कैंसर और हार्ट डिजीज के खतरे को कम किया जा सकता है।

आंखों के लिए लाभदायक



हरे प्याज में विटामिन ए होता है और यह आपकी आंखों के लिए काफी जरूरी होता है। इसका सेवन करने से आंखों की इन्फ्लेमेशन और मैक्यूलर डिजेनरेशन नाम जैसी स्थितियों से राहत मिलती है जो ऐसे डिसऑर्डर होते हैं जिनसे आप की आंखों की रोशनी भविष्य में जा भी सकती है। इसमें लूटेन जैसे कार्टनॉइड होते हैं जो आपकी आंखों को मजबूत बनाने में काफी सहायक माने जाते हैं।

पाचन में मदद करता है



हरे प्याज का सेवन करने से आपको पाचन में भी लाभ मिलता है। आप हरे प्याज का सेवन स्नैक के रूप में भी कर सकते हैं। इनमें फाइबर की अच्छी खासी मात्रा होती है और पाचन को सुधारने में भी मदद करते हैं। अगर आप को गैस, एसिडिटी, कब्ज जैसी समस्या है तो आप इसका सेवन कर सकते हैं। हरे प्याज का सेवन करने से आपका पाचन तंत्र काफी एक्टिव हो जाता है और ब्लॉटेड इंटेस्टाइन में मदद करता है। आपको अगर पाचन से जुड़ी समस्याएं हैं तो दिन में 20 से 30 ग्राम स्प्रिंग अनियन का सेवन जरूर करें।

कैंसर के रिस्क को करते हैं कम

एन सी बी आई के मुताबिक हरे प्याज में सल्फर पाया जाता है जो आपके शरीर के लिए लाभदायक तत्व होता है। इसका सेवन करने से कैंसर होने का रिस्क कम हो सकता है। इसमें फ्लेवोनॉयड और अल्ली सल्फाइड जैसे तत्व होते हैं जो ऐसे एंजाइम को बढ़ने से रोकते हैं जो कैंसर सेल्स बना सकते हैं। इसलिए अगर अपना कैंसर होने का रिस्क कम करना चाहते हैं तो आप को अपनी रोजाना की डाइट में हरे प्याज को शामिल करना शुरू कर देना चाहिए।

स्किन के लिए लाभदायक

स्प्रिंग अनियन का सेवन करना आपकी स्किन के लिए भी काफी लाभदायक होता है। इसका सेवन करने से स्किन रेडिएंट रहती है। इसमें विटामिन सी होता है और यह शरीर में कॉलेजन की मात्रा को बढ़ाने में मदद करता है। अगर आप एजिंग के लक्षण देर से आएं, यह चाहती है तो अपनी रोजाना की डाइट में हरे प्याज को जरूर शामिल करें। इसका सेवन करने से स्किन स्मूद होती है और झुर्रियां कम होती हैं। साथ ही कॉलेजन के उत्पादन से आप को जल्दी एजिंग लक्षण नहीं देखने को मिलते हैं और स्किन काफी जवान और स्मूद लगती है।

दिल के लिए लाभदायक

हरे प्याज का सेवन करना दिल की सेहत के लिए भी काफी लाभदाई हो सकता है। इसमें प्राकृतिक रूप से पोटेशियम पाया जाता है और यह ब्लड प्रेशर को नॉर्मल बनाने में भी मदद करता है। यह आपके शरीर में अच्छे कोलेस्ट्रॉल लेवल को बढ़ाने में मदद करता है। LDL कोलेस्ट्रॉल के लेवल को कम करने में सहायक होते हैं। इसका सेवन करने से हार्ट अटैक और स्ट्रोक का रिस्क काफी हद तक कम हो सकता है।





आप भी पीते हैं नमक वाली चाय?

जानें इससे होने वाले गंभीर नुकसान

चाय में दूध के साथ नमक मिलाकर पीने से अपच, एसिडिटी और ब्लड प्रेशर समेत कई गंभीर समस्याओं का खतरा बढ़ जाता है।

चाय भारत में पानी के बाद सबसे ज्यादा पी जाने वाली ड्रिंक है। इसका सेवन बड़े-बूढ़ों से लेकर बच्चे भी करते हैं। चाय का मार्केट इतना बड़ा है कि दुनियाभर में अलग-अलग तरह की चाय मिलती है। आमतौर पर लोग दूध वाली चाय का ही सेवन करते हैं। भारत में मसाला चाय और हर्बल चाय का भी चलन है। सावधानीपूर्वक और सही तरीके से चाय का सेवन करने से शरीर को फायदे भी मिलते हैं। लेकिन गलत तरीके से इसका सेवन करना सेहत के लिए गंभीर होता है। चाय का सेवन करने वाले कुछ लोग इसमें नमक मिलाकर भी पीते हैं। नमक वाली चाय सेहत के लिए बहुत नुकसानदायक हो सकती है।

नमक वाली चाय पीने के नुकसान

नमकीन चाय एक प्रकार की चाय है जिसमें नमक और अन्य मसाले डाले जाते हैं। अक्सर लोग चाय बनाते समय दूध के साथ कुछ मात्रा में नमक भी डाल देते हैं। सर्दी-जुकाम या इन्फेक्शन होने पर भी लोग नमकीन चाय का सेवन करते हैं। नक्लीनिकल डाइटिशियन कहते हैं, चाय में दूध के साथ नमक मिलाकर पीना नुकसानदायक होता है। नमक वाली चाय का सेवन करने से कई गंभीर नुकसान का खतरा रहता है। इसलिए चाय में दूध के साथ नमक मिलाकर पीने से बचना चाहिए। नमक वाली चाय पीने के नुकसान इस तरह से हैं-

हाई ब्लड प्रेशर - दूध वाली चाय में नमक डालकर पीने से हाई ब्लड प्रेशर का खतरा रहता है। नमक ज्यादा खाने से ब्लड में नाट्रियम की मात्रा बढ़ जाती है, जिससे बीपी बढ़ सकता है।

शरीर में पानी भरना - नमक वाली चाय का ज्यादा सेवन करने से शरीर में पानी भर सकता है। इसकी वजह से पेशाब की समस्या भी हो सकती है।

गैस और एसिडिटी - नमक के अधिक सेवन से पाचन तंत्र में समस्याएं हो सकती हैं, जिससे गैस और एसिडिटी का खतरा रहता है। यह पेट में असहजता और तकलीफ का कारण बन सकता है।

पाचन तंत्र के लिए हानिकारक - नमकीन चाय का अधिक सेवन करने से पाचन तंत्र को नुकसान पहुंचता है। इससे कई गंभीर समस्याएं हो सकती हैं।

शरीर में पानी की कमी - नमक के अत्यधिक सेवन से शरीर में पानी की मात्रा कम हो जाती है, जिससे कई गंभीर समस्याएं हो सकती हैं।

नुकसान से कैसे बचें?

नमक वाली चाय का सेवन शरीर में ऊपर बताई गई समस्याओं का कारण हो सकता है। इसके अलावा चाय का भी ज्यादा मात्रा में सेवन करने से कई गंभीर नुकसान होने का खतरा रहता है। चाय पीने की वजह से होने वाले नुकसान से बचने के लिए हेल्दी डाइट और एक्टिव लाइफस्टाइल अपनानी चाहिए। इसके नुकसान से बचने के लिए डाइट में फल, सब्जी और हेल्दी चीजों को शामिल करें। नियमित रूप से व्यायाम और एक्सरसाइज का अभ्यास करने से भी इसके नुकसान को कम करने में मदद मिलती है।

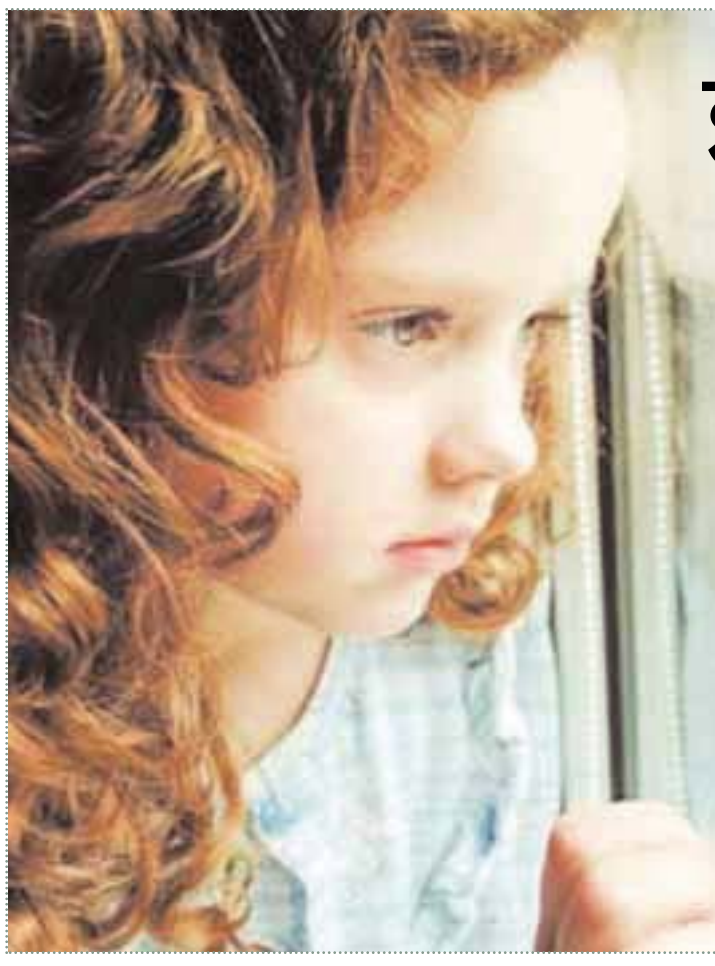

डेवलपमेंट ट्रॉमा डिसऑर्डर क्या है?

जानें बच्चों में दिखाई देने वाले इसके लक्षण

बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य के लिए डेवलपमेंट ट्रॉमा डिसऑर्डर एक चिंता का विषय है। ट्रॉमा स्वयं विभिन्न रूपों में प्रकट हो सकता है। कई बार बचपन में कुछ बच्चों ऐसी घटना का सामना करना पड़ता है, जिसका असर उन्हें बाद तक महसूस होता है। इसका प्रभाव बच्चे के जीवन में कई तरह की नकारात्मकता को ला सकता है। इसकी वजह से बच्चे के मानसिक विकास प्रभावित होता है। बच्चा अन्य बच्चों की तुलना में पिछड़ सकता है। इस लेख में आगे जानेगें कि डेवलपमेंट ट्रॉमा डिसऑर्डर क्या है। इस दौरान कैसे लक्षण दिखाई दे सकते हैं।

इस स्थिति में बच्चों को घर के सदस्य या करीबी से मानसिक समस्या हो सकती है। डेवलपमेंट ट्रॉमा डिसऑर्डर (डीटीडी) में बच्चे की भावनाओं पर बुरा असर पड़ता है। डीटीडी प्रतिकूल परिस्थितियों, जैसे दुर्व्यवहार, उपेक्षा, या घरेलू वातावरण में अस्थिरता के कारण हो सकता है। डेवलपमेंट ट्रॉमा डिसऑर्डर के कारण अलग-अलग हो सकते हैं, जो अक्सर सामाजिक-आर्थिक और पारिवारिक स्थितियों से जुड़े होते हैं। बच्चे अक्सर शारीरिक, भावनात्मक या यौन शोषण के साथ-साथ अपने करीबी के द्वारा उपेक्षा या छोड़ने के चलते डेवलपमेंट ट्रॉमा डिसऑर्डर महसूस कर सकते हैं।

डेवलपमेंट ट्रॉमा डिसऑर्डर के लक्षण

लोगों के साथ जुड़ने में मुश्किल होना

डेवलपमेंट ट्रॉमा डिसऑर्डर का एक प्रमुख लक्षण है कि बच्चे देखभाल करने वालों या अन्य महत्वपूर्ण व्यक्तियों के साथ सुरक्षित महसूस नहीं करते हैं। बच्चे किसी पर ट्रस्ट नहीं कर पाते हैं। इसका असर बच्चे के सामाजिक और भावनात्मक डेवलपमेंट में भी पड़ सकता है।

भावनात्मक विकृति

डेवलपमेंट ट्रॉमा डिसऑर्डर वाले बच्चे अक्सर अपनी भावनाओं को नियंत्रित नहीं कर पाते हैं, तेजी से मूड स्विंग्स, क्रोध या आक्रामकता जैसे लक्षण दिखाई दे सकते हैं। यह बच्चे के ट्रॉमा की वजह से उत्पन्न होता है। बच्चे किसी से बात नहीं कर पाते हैं।

हमेशा डर में रहना

ट्रॉमा के अपने पिछले अनुभवों के कारण, बच्चे अक्सर अपने वातावरण में संभावित खतरों के प्रति अतिसतर्कता और बढ़ी हुई संवेदनशीलता प्रदर्शित करते हैं। वे अपरिचित स्थितियों या व्यक्तियों से अत्यधिक सावधान हो सकते हैं। किसी कार्य को वह बार-बार टालने लगते हैं।

कॉग्नेटिव माइंड पर असर

डेवलपमेंट ट्रॉमा डिसऑर्डर में बच्चे के संज्ञानात्मक कामकाज (कॉग्नेटिव माइंड) प्रभावित हो सकता है, जिससे बच्चा केंद्रित करने, सीखने और जानकारी को याद नहीं रख पाता है। बच्चे की पढ़ाई में भी इसका असर पड़ता है।

व्यवहार में बदलाव

कुछ मामलों में, डेवलपमेंट ट्रॉमा डिसऑर्डर वाले बच्चे अपने भावनात्मक दर्द से बचने के लिए आक्रमक हो जाते हैं। उनके व्यवहार गुस्से में बदलने लगता है। इसकी वजह से उनको घर के अन्य लोगों से डांट खाने को मिल सकती है।

डेवलपमेंट ट्रॉमा डिसऑर्डर एक जटिल और चुनौतीपूर्ण मानसिक स्वास्थ्य समस्या है, जो प्रभावित बच्चों के जीवन पर गहरा प्रभाव डालती है। यदि, बच्चे में इस तरह के लक्षण दिखाई दें तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

मेरी बेटी को ले जा रहे हैं, उसके पास वर्क परमिट है रोती-बिलखती रही महिला

अमेरिका के सिएटल-टैकोमा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर मची अफरा-तफरी

वाशिंगटन। अमेरिका के सिएटल-टैकोमा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर अफरा-तफरी मच गई। कुछ नकाबपोश आव्रजन अधिकारियों ने विमान में सवार हो रहे दो यात्रियों को जेट ब्रिज पर ही हिरासत में ले लिया। इस कार्रवाई के चलते लॉस एंजिल्स जाने वाली फ्लाइट में देरी भी हो गई।

अमेरिकी आव्रजन और सीमा शुल्क प्रवर्तन ने एक्स पर बयान जारी कर बताया कि सुबह करीब 8:05 बजे एक टारगेट मिशन के तहत मेक्सिको के नागरिक रिकार्डो लारोंडो मेंडोजा को गिरफ्तार किया गया, जो वीजा अवधि खत्म होने के बाद भी देश में रह रहा था। वायरल हो रहे वीडियो में अधिकारी जमीन पर एक व्यक्ति से जूझते दिख रहे हैं,



जबकि आसपास यात्री अपना सामान लिए खड़े हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक वीडियो में एक महिला चिल्लाती हुई सुनाई दे रही है कि उसकी बेटी को ले जाया जा रहा है और उसके पास वर्क परमिट है। वह अधिकारियों के पैर पकड़कर रोती-बिलखती नजर आई। झड़प के दौरान अधिकारियों पर गर्म कॉफी फेंकने के बाद एक महिला यात्री को भी हिरासत में लिया गया वह भी मेक्सिको की नागरिक हैं और वीजा अवधि से ज्यादा समय से रुकी हुई थीं। उन पर संघीय अधिकारी पर हमले के आरोप लग सकते हैं. एजेंसी ने कहा कि दूसरे यात्रियों ने भी काम में बाधा डालने की कोशिश की, जो एक संघीय अपराध है। अलास्का एयरलाइन ने कहा कि ये घटना प्रभावित कर्मचारियों और यात्रियों के लिए बेहद दर्दनाक रही है। कंपनी पोर्ट ऑफ सिएटल के साथ मिलकर ये जांच कर रही है कि क्या तय नियमों का पालन किया गया था। दूसरी ओर वाशिंगटन के गवर्नर ने आईसीई के तरीकों को बेहद गैर-अमेरिकी बताते हुए एजेंसी को खत्म करने की मांग की। उन्होंने कहा कि ये वीडियो भयावह और रोंगटे खड़े करने वाला है। हमें आव्रजन प्रवर्तन और सीमा सुरक्षा की ऐसी प्रणाली चाहिए जो प्रभावी, नैतिक और मानवीय हो और आईसीई वैसा नहीं है। गवर्नर ने ये भी बताया कि वो जांच कर रहे हैं कि संघीय अधिकारी जेट ब्रिज तक कैसे पहुंचे और क्या उन्होंने कानून प्रवर्तन अधिकारियों के चेहरा ढकने पर रोक लगाने वाले राज्य के कानून का उल्लंघन किया है। 6,00,000 से ज्यादा श्रमिकों का प्रतिनिधित्व करने वाली वॉशिंगटन स्टेट लेबर काउंसिल की अध्यक्ष ने व्यस्त यात्रा सीजन में इस रुकावट की आलोचना की। उन्होंने कहा कि एयरपोर्ट स्टाफ पहले से ही भारी तनाव झेल रहे हैं, यात्री पहले से ही परेशान हैं और शांति और विश्वास बहाल करने के बजाय, संघीय एजेंटों ने और डर और अराजकता फैला दी।

मुलायम सिंह की जयंती पर सपा दफ्तर में हुआ सुंदरकांड का पाठ

अखिलेश बोले- सपा सरकार बनी तो बढ़ा देंगे यश भारती की सम्मान राशि

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के संस्थापक और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव की जयंती पर रविवार को लखनऊ स्थित सपा कार्यालय में सुंदरकांड का पाठ किया गया। पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने इस अवसर पर अपने पिता और पार्टी संस्थापक को याद करते हुए कहा कि नेताजी सबको साथ लेकर चलने का सिद्धांत देकर गए हैं और समाजवादी पार्टी इसे आगे बढ़ाती रहेगी। उन्होंने कहा कि सरकार बनी तो यश भारती की सम्मान राशि बढ़ाई जाएगी।

अखिलेश यादव ने कहा कि मुलायम सिंह यादव के पास जो भी मदद के लिए आया, उन्होंने उसकी सहायता की। उन्होंने कहा कि पार्टी पीडीए आंदोलन को आगे बढ़ाएगी और जो लोग रूठे हुए हैं, उन्हें मनाने का प्रयास करेगी।

साथ ही जो लोग पार्टी से अलग हो गए हैं, उन्हें भी साथ लाने की कोशिश की जाएगी। अखिलेश यादव ने घोषणा की कि 2027 में समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर यश भारती सम्मान की राशि बढ़ाकर एक लाख रुपये कर दी जाएगी। उन्होंने उन बच्चों के प्रति आभार जताया, जो समाजवादी पार्टी की सरकार में लैपटॉप मिलने की बात स्वीकार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार के दौरान केटीएमयू और राम मनोहर लोहिया इंस्टीट्यूट के डॉक्टरों को पीजीआई की तरह सुविधाएं देने का काम किया गया था। इस अवसर पर अखिलेश ने मौजूदा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि यह सरकार कम देगी और ज्यादा छीनेगी। उन्होंने कहा कि कुछ लोगों के हाथ में विकास की रेखा होती है, जबकि कुछ के हाथ में विनाश की। मुलायम सिंह यादव की जयंती पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत कई वरिष्ठ नेताओं ने भी उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

बिहार में सुशासन के नाम लूट जारी, पीके ने यह कह साधा पीएम मोदी पर निशाना

एनडीए सरकार पर भ्रष्टाचार का आरोप, पीएम मोदी के 43 लाख घर देने के दावे पर भी उठाए सवाल

पटना। जन सुराज के संस्थापक और विधायक प्रशांत किशोर ने बिहार में विकास और सुशासन को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बयान पर पलटवार करते हुए एनडीए सरकार पर भ्रष्टाचार और लूट के आरोप लगाए हैं। रविवार को पटना में उन्होंने कहा कि पहले घोटालों की चर्चा होती थी, लेकिन अब सुशासन के नाम पर भ्रष्टाचार हो रहा है। उन्होंने दावा किया कि बिहार में पशुपालन घोटाले के समय से भी ज्यादा पैसा चोरी किया जा रहा है। प्रशांत किशोर ने कहा कि ऐसा नहीं है कि पहले घोटाले होते थे और अब बिहार में ईमानदार सरकार आ गई है। उनके मुताबिक एनडीए सरकार में भी चोरी और भ्रष्टाचार जारी है। उन्होंने भाजपा और जनता दल यूनाइटेड के संबंधों पर भी टिप्पणी की। किशोर ने आरोप लगाया कि भाजपा धीरे-धीरे नीतीश कुमार की पार्टी जेडीयू और उसके नेतृत्व को अपने अंदर समेट रही है। उन्होंने कहा कि बिहार की राजनीति को समझने वाला कोई भी व्यक्ति देख सकता है कि जेडीयू धीरे-धीरे कमजोर हो रही है। उन्होंने इसे भाजपा के बड़े दल होने का प्रभाव बताया।

प्रशांत किशोर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उस दावे पर भी सवाल उठाया, जिसमें बिहार में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 43 लाख लोगों को घर दिए जाने की बात कही गई थी। उन्होंने कहा कि बिहार सरकार को उन लोगों के नाम सार्वजनिक करने चाहिए, जिन्हें पिछले कुछ वर्षों में एनडीए सरकार ने घर दिए हैं। किशोर ने दावा किया कि वास्तव में सिर्फ 28 हजार घर लोगों को दिए गए हैं।

नितिन नवीन के नेतृत्व में भाजपा की रैली आज

हैदराबाद। तेलंगाना में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और विपक्षी दलों के 'वोट चोरी' के आरोपों के जवाब में भारतीय जनता पार्टी सोमवार को बड़ी रैली आयोजित करेगी। भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन इस रैली का नेतृत्व करेंगे। केंद्रीय मंत्री और करीमनगर से लोकसभा सदस्य बंडी संजय कुमार ने रविवार को कहा कि रैली ऐतिहासिक होगी और इसमें बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता तथा आम लोग शामिल होंगे।

बाल्टिक सागर में रूस के मालवाहक जहाज पर हमला, 16 लोगों ने लाइफबोट से बचाई जान

इस साल यूक्रेन ने रूस के उत्तर-पश्चिमी लेनिनग्राद इलाके में कई सैन्य ड्रोन भेजे हैं

हेलसिंकी। बाल्टिक सागर में रूस के एक मालवाहक जहाज पर ड्रोन से हमला हुआ। हमले के बाद जहाज में आग लग गई। फिनलैंड ने यह हमला यूक्रेन की ओर से किए जाने की आशंका जताई है। आग लगने के बाद जहाज बहते हुए फिनलैंड के समुद्री इलाके में पहुंच गया। फिनलैंड के बॉर्डर गार्ड कमांडर इल्या इल्जिन ने शनिवार रात सरकारी प्रसारक यले को बताया कि जहाज स्पार्टा 2 में सवार 16 लोगों ने लाइफबोट की मदद से



अपनी जान बचाई। इसके बाद सभी एक दूसरे रूसी जहाज पर पहुंच गए। अब वे रूस लौट रहे हैं।

इस साल यूक्रेन ने रूस के उत्तर-पश्चिमी लेनिनग्राद इलाके में कई सैन्य ड्रोन भेजे हैं। इनमें से कुछ ड्रोन रास्ता भटककर बाल्टिक क्षेत्र के हवाई इलाके में भी पहुंच गए थे। इससे आशंका बढ़ गई है कि रूस-यूक्रेन युद्ध का असर नाटो के इलाकों तक भी पहुंच रहा है। फिनिश सशस्त्र बलों के प्रवक्ता अकी-मौरी हुहतिनेन ने यूक्रेन द्वारा हमला किए जाने की आशंका जताई है। उन्होंने अब तक यह भी साफ नहीं किया है कि इसी जहाज को क्यों निशाना बनाया गया। फिनलैंड के रक्षा बलों ने बताया कि रूस के गोगलैंड द्वीप के पश्चिम में यह जहाज क्षतिग्रस्त हो गया। यह जहाज रूस के कलिनिनग्राद क्षेत्र की तरफ जा रहा था।

एसपी जीआरपी प्रबीणा के दिशा निर्देश पर रेलवे स्टेशन रेवाड़ी पर खाटु श्याम मेले के मध्य नजर रखते हुए चेकिंग अभियान जारी

रेवाडी। रेलवे स्टेशन रेवाड़ी पर डीएसपी जीआरपी राजेश चेची के मार्गदर्शन में सभी रेलवे स्टेशन रेवाडी पर चेकिंग अभियान जारी है जो खाटु श्याम मेले पर नशीला पदार्थ की रोकथाम वह क्राइम कंट्रोल को रोकथाम के लिए चेकिंग की जा रही है रेवाड़ी स्टेशन पर प्रबंधक थाना जीआरपी PSI नवीन कुमार द्वारा गठित टीम के द्वारा चेकिंग की गई जिसमें एक महिला परमजीत कौर जो माही नंगला भटिंडा पंजाब की रहने वाली है जिसको दो बैगो मे 20 किलो 800 ग्राम डोडा पोस्त के साथ तस्करी की नियत से भटिंडा ले जाते हुये रेवाड़ी चेकिंग टीम ने पकड़ लिया और अभियोग अंकित



करके कार्यवाही अम्ल मे लाई जा रही है । पुलिस द्वारा रिमांड हासिल करके यह डोडा पोस्त कहा से खरीदा था वा कहा बेचा जायेगा की जोंही करके मुख्य आरोपी तक पहुचा जायेगा ।खाटु श्याम मेले पर एसपी जीआरपी प्रबीणा द्वारा सख्त निर्देश दिए गए हैं कि रेलवे स्टेशन वालों पर आने वाले हर व्यक्ति वह सामान को अच्छे ढंग से चेक किया जाए ताकि कोई अप्रिय घटना ने घटित हो इसके अलावा क्राइम पर भी अंकुश लग सके SHO GRP नवीन कुमार की टीम ने पिछले दो माह मे भी इसी प्रकार चेकिंग के दौरान 4 मामले एनडीपीएस व एक मामला शराब विदेशी का तस्करी की नियत से



लाने जाते हुये माल वा आरोपी को काबू किया है रेवाड़ी रेलवे स्टेशन पर सुरक्षा के मध्य नजर रखते हुए आने वाले पैसेंजरों को भी साइबर अपराध के बारे में जागरूक किया जा रहा है.

गलती सुधार कांग्रेस में वापसी करने वालों का हो स्वागत: चांडी ओमन

कांग्रेस विधायक बोले- पार्टी छोड़कर भाजपा में गए कई लोग वापस आना चाहते हैं, सभी के लिए समान नियम हों

तिरुवनंतपुरम। कांग्रेस विधायक चांडी ओमन ने रविवार को कहा कि अपनी गलतियां सुधारकर पार्टी में लौटने के इच्छुक सभी लोगों का स्वागत किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि पार्टी में वापसी के लिए किसी एक व्यक्ति के लिए अलग नियम नहीं होना चाहिए। उनका यह बयान पूर्व मुख्यमंत्री के. करुणाकरण की बेटी और स्वास्थ्य मंत्री के. मुरलीधरन की बहन पद्मजा वेणुगोपाल के कांग्रेस में लौटने की इच्छा जताने के सवाल पर आया। पद्मजा वेणुगोपाल ने हाल ही में भारतीय जनता पार्टी से इस्तीफा देकर कांग्रेस में वापस आने की इच्छा जाहिर की है। इसी मुद्दे पर प्रतिक्रिया देते हुए चांडी ओमन ने कहा कि जो लोग अपनी गलतियों को सुधारकर कांग्रेस में लौटना चाहते हैं, उन्हें मौका मिलना चाहिए। चांडी ओमन ने कहा कि यह अवसर केवल एक व्यक्ति तक सीमित नहीं होना चाहिए। उनके अनुसार पार्टी छोड़कर दूसरी पार्टी में गए सभी लोगों के लिए समान नियम होने चाहिए। उन्होंने कहा कि गलतियों को सुधारने के बाद कोई भी कांग्रेस में वापस आ सकता है और पार्टी को ऐसे लोगों का स्वागत करना चाहिए। कांग्रेस विधायक ने दावा किया कि भाजपा में शामिल होने वाले कई अन्य लोग भी अब पार्टी में वापस लौटने का इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इन लोगों को भाजपा में वहां की स्थिति का एहसास हो गया होगा और इसी वजह से वे कांग्रेस में लौटने का फैसला कर रहे हैं। चांडी ओमन ने कहा कि कांग्रेस में लौटने वाले लोगों को अगले पांच साल तक पार्टी के लिए काम करने का अवसर दिया जाना चाहिए। उनके मुताबिक पार्टी में वापसी करने वालों को संगठन को मजबूत करने में योगदान देना चाहिए।

'बेपीकोलंबो' अंतरिक्ष यान आठ साल बाद बुध की कक्षा में पहुंचा

तपते हुए छोटे ग्रह का मानचित्र तैयार करेंगे और उसका अध्ययन करेंगे

बर्लिन। आंतरिक सौर मंडल में आठ साल की लंबी यात्रा के बाद दो अंतरिक्ष यान सूर्य के सबसे करीब स्थित बुध ग्रह की कक्षा में पहुंच गए हैं और अब ये दोनों यान अलग-अलग कक्षाओं से इस सबसे छोटे ग्रह के उन रहस्यों से पर्दा उठाएंगे जिनकी गुत्थी वैज्ञानिक अब तक नहीं सुलझा सके हैं। यूरोपीय और जापानी अंतरिक्ष एजेंसियों के ये दो रोबोटिक खोजी यान अगले महीने एक-दूसरे से अलग हो जाएंगे। इसके बाद वे अलग-अलग ऊंचाइयों से इस तपते हुए छोटे ग्रह का मानचित्र तैयार करेंगे और उसका अध्ययन करेंगे।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक दो अरब डॉलर की इस संयुक्त



अंतरिक्ष यात्रा को 'बेपीकोलंबो' नाम दिया गया है। यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी ने सोशल मीडिया के जरिए 'बेपीकोलंबो' के बुध ग्रह पर पहुंचने की घोषणा की। प्रणोदक को कई बार चालू करके अंतरिक्ष यान की गति इतनी कम की गई कि ग्रह के कमजोर गुरुत्वाकर्षण ने उसे अपनी कक्षा में खींच लिया। हालांकि, जर्मनी में बैठे उड़ान नियंत्रकों को यह पुष्टि करने में कई घंटे लग गए कि बेपीकोलंबो बुध की कक्षा में पहुंच चुका है। वे ग्रह से 9.4 करोड़ मील दूर थे। बेपीकोलंबो बुध ग्रह पर पहुंचने वाले तीसरे अंतरिक्ष यान हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक बुध सूर्य के सबसे नजदीक स्थित ग्रह है और आकार में हमारे चंद्रमा से थोड़ा ही बड़ा है। एक दशक से अधिक समय बाद यह पहला अंतरिक्ष मिशन है जो बुध तक पहुंचा है।

अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा का 'मैरिनर-10' अंतरिक्ष यान 1970 के दशक के मध्य में तीन बार बुध ग्रह के पास से गुजरा था। इस मिशन की टीम में दिवंगत इतालवी गणितज्ञ ज्यूसेपे बेपी कोलंबो भी शामिल थे, जिनके नाम पर इस नए मिशन का नाम रखा गया है। नासा का मैसेंजर अंतरिक्ष यान 2011 में बुध की कक्षा में पहुंचा था।

ईरान के अमेरिकी एफ-16 पर हमले के दावे से रहस्य गहराया

ट्रंप प्रशासन मौन पर उठ रहे सवाल

वॉशिंगटन। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव एक बार फिर गंभीर मोड़ पर पहुंच गया है, क्योंकि ईरान ने एक अमेरिकी एफ-16 लड़ाकू विमान को अपनी मिसाइल से निशाना बनाने और उसे नुकसान पहुंचाने का दावा किया है। ईरान की सेना के अनुसार, इस घटना के बाद अमेरिकी पायलट को अपना मिशन बीच में छोड़कर आपातकालीन लैंडिंग करनी पड़ी। यह दावा 20 नवंबर की शाम को हुई एक कथित घटना से जुड़ा है, लेकिन अमेरिकी सरकार या राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तरफ से इस पर तत्काल कोई पुष्टि या प्रतिक्रिया नहीं आई है, जिससे मामला और रहस्यमयी हो गया है।

ईरानी सेना और ईरानी समाचार एजेंसियों द्वारा जारी बयानों के अनुसार, दक्षिणी ईरान में सक्रिय उनके वायु रक्षा नेटवर्क ने इस अमेरिकी एफ-16 फाइटर जेट को ट्रैक किया और उसकी पहचान की। दावों में कहा गया है कि रडार पर विमान को लॉक करने के बाद ईरानी सिस्टम ने उसकी तरफ एक मिसाइल दागी। यह मिसाइल हवा में विमान के बेहद करीब फटी, जिससे हुए धमाके के असर से विमान को नुकसान पहुंचा। इसके परिणामस्वरूप, पायलट को मिशन रोकना पड़ा और किसी नजदीकी हवाई अड्डे पर आपात स्थिति में विमान उतारना पड़ा। हालांकि, ईरानी सेना ने यह नहीं बताया कि विमान ने किस हवाई अड्डे पर लैंडिंग की। जानकारों का मानना है कि अमेरिका बिना पूरी जानकारी और जमीनी या सैटेलाइट डेटा की पुष्टि किए तुरंत बयानबाजी से बचता है, खासकर जब मामला सीधे सैन्य हमले से जुड़ा हो।

यह भी हो सकता है कि अमेरिका इस दावे को लेकर काफी संभलकर चल रहा हो, ताकि ईरान के साथ पहले से चल रहा तनाव बेकाबू न हो जाए। अमेरिका की घरेलू राजनीति में भी ईरान युद्ध को लेकर खूब बहस छिड़ी हुई है, जिसकी वजह से हर कदम फूंक-फूंककर उठाया जा रहा है। दूसरी तरफ, ईरान के लिए इस तरह के दावे और वीडियो जारी करना अपनी वायु रक्षा ताकत दिखाने और घरेलू व क्षेत्रीय स्तर पर मनोवैज्ञानिक बढ़त बनाने की रणनीति का हिस्सा भी हो सकता है। ईरान का यह भी कहना है कि यह कार्रवाई उसके घरेलू स्तर पर विकसित वायु रक्षा सिस्टम के जरिए की गई।

इससे वह यह संदेश देना चाहता है कि उसके पास मौजूद रक्षा सिस्टम आधुनिक लड़ाकू विमानों को भी निशाना बनाने में पूरी तरह सक्षम है।

ईरानी हमले में यूएस के पैट्रियट एयर डिफेंस रडार सिस्टम को नुकसान

हमले के बाद औद्योगिक प्रतिष्ठान पर हमले के बाद लगी आग

तेहरान। पश्चिम एशिया में ईरान और अमेरिका के बीच तनाव अपने चरम पर पहुँच गया है। ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने बहरीन में अमेरिकी सेना के दो ठिकानों पर हमला करने का दावा किया है। आईआरजीसी ने इन हमलों को अपने हवाई क्षेत्र के कथित उल्लंघन और हेंगम द्वीप पर एक रडार ठिकाने पर अमेरिकी हमले का जवाब बताया है। दावे के अनुसार, बहरीन के अल-रफा



और अवाली एयरबेस पर तैनात अमेरिका के पैट्रियट एयर डिफेंस रडार सिस्टम को मिसाइलों और ड्रोन से निशाना बनाया गया। इसके अलावा ईरान ने अलग-अलग घटनाओं में अमेरिका के दो ड्रोन एक एमक्यू-9 और एक एमक्यू-1 प्रीडेटर मार गिराने का भी दावा किया है, जिसके अनुसार ये ड्रोन होर्मुज जलडमरूमध्य के ऊपर निशाना बनाए गए थे।

इन सैन्य हमलों के बीच, बहरीन में एक औद्योगिक प्रतिष्ठान पर हमले के बाद आग लगने की भी खबर है, जिस पर दमकल और नागरिक सुरक्षा दल काबू पाने में जुटे हैं। हालांकि, इस घटना में किसी के घायल होने की जानकारी नहीं है। हमले के बाद, बहरीन ने लोगों के लिए जारी खतरे की चेतावनी वापस ले ली, लेकिन नागरिकों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है। क्षेत्रीय तनाव का असर समुद्री सुरक्षा पर भी दिख रहा है। ईरानी नौसेना ने बताया कि होर्मुज जलडमरूमध्य के पूर्व में एक तेल टैंकर समुद्री बारूदी सुरंग से टकरा गया, जिससे उसमें आग लग गई। ब्रिटेन की समुद्री एजेंसी ने ओमान के खासाब क्षेत्र के उत्तर और पूर्व में दो तेल टैंकरों पर अज्ञात प्रोजेक्टाइल से हमला होने की सूचना दी है।

दीपथून पर दीप जलाने की अनुमति के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंची तमिलनाडु सरकार

नई दिल्ली। तमिलनाडु सरकार ने मदुरै की तिरुपरंकुंद्रम पहाड़ी पर स्थित पत्थर के स्तंभ 'दीपथून' पर 24 नवंबर को पारंपरिक 'कार्तिगई दीपम' जलाने की अनुमति देने के सुप्रीम कोर्ट के आदेश के खिलाफ पुनर्विचार याचिका दायर की है। राज्य के हिंदू धार्मिक एवं धर्मार्थ बंदोबस्ती विभाग के आयुक्त ने 21 नवंबर को शीर्ष अदालत का रुख किया। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को एक बार के लिए दीपथून पर दीप जलाने की अनुमति दी थी। न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और न्यायमूर्ति विपुल एम. पंचोली की पीठ ने अपने आदेश में स्पष्ट किया था कि दीप जलाने के लिए केवल मंदिर प्रशासन यानी देवस्थानम द्वारा अधिकृत व्यक्ति और संबंधित सरकारी अधिकारी ही पहाड़ी पर जा सकेंगे। आम लोगों के वहां जाने पर रोक लगाई गई थी। अदालत ने यह भी कहा था कि समारोह के दौरान किसी तरह का जुलूस, सार्वजनिक जमावड़ा, नारेबाजी या प्रदर्शन नहीं होगा।पीठ ने जिला प्रशासन को दीप जलाने का समय, पहुंचने का रास्ता और समारोह की अवधि समेत अन्य व्यवस्थाएं तय करने का निर्देश दिया था। मदुरै के जिला कलेक्टर को समन्वय और निगरानी के लिए नोडल अधिकारी बनाया गया था। पुलिस आयुक्त को पर्याप्त सुरक्षा और लोगों की आवाजाही नियंत्रित करने की जिम्मेदारी दी गई थी। जरूरत पड़ने पर केंद्र सरकार को सीआरपीएफ की उपयुक्त टुकड़ी की तैनाती पर विचार करने को कहा गया था। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया था कि दीप जलाने का काम पूरा होने के बाद अधिकृत दल वहां से चला जाएगा और कोई अस्थायी ढांचा या वस्तु पीछे नहीं छोड़ी जाएगी।

बांग्लादेश में फिर भड़की हिंसा !

200 हिंदू परिवारों के घरों को आग लगाने का दावा

ढाका। भारत के पड़ोसी मुल्क बांग्लादेश में एक बार फिर से हिंसा भड़क गई है. पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की पार्टी आवामी लीग के समर्थक हंगामा कर रहे हैं. बता दें कि तारिक रहमान की मौजूदा सरकार बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी आवामी लीग पर हिंसा फैलाने की आरोप लगा रही है. दूसरी तरफ से बांग्लादेश अवामी लीग छात्र संगठन के अध्यक्ष अल अमीन रहमान ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दावा किया है कि आवामी लीग के समर्थक समेत 200 हिंदुओं घर को निशाना बनाया गया है और आग लगा दिया गया है.



बांग्लादेश में आगजनी की घटना के लिए आवामी लीग ने BNP और जमात समर्थकों को जिम्मेदार माना है. उन्होंने मानवाधिकार संगठनों से जांच की मांग की है. इस तरह से बांग्लादेश एक बार फिर हिंसा के आग में जल रहा है. बीते कई दिनों से बैन की गई पार्टी आवामी लीग और BNP के बीच टकराव जारी है. इस वजह से देश में हिंसा का माहौल बना हुआ है.

हसीना ने दिसंबर 2026 में भारत से बांग्लादेश लौटने की योजना की घोषणा की थी. सरकार ने उनके नए पासपोर्ट और पहचान पत्र के अनुरोध को खारिज कर दिया. इसके बाद आवामी लीग के समर्थकों ने सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करना शुरू कर दिया. इस दौरान कई जिलों में आगजनी की घटना को अंजाम दिया गया. 18 नवंबर को नरेल में एक जुलूस पर हुए हमले में बीएनपी के दो नेता मारे गए.

इसके अलावा 20 नवंबर को नरेल जिले के कालिया उपजिला के बेंदार चार गांव में अवामी लीग के नेताओं और कार्यकर्ताओं से जुड़े कई घरों और दुकानों पर हमला किया गया और उनमें आग लगा दी गई. स्थानीय पुलिस ने बताया कि पीड़ितों के रिश्तेदारों और समर्थकों ने अन्य लोगों के साथ मिलकर अवामी लीग के उन कार्यकर्ताओं के घरों पर हमला किया, जिन पर इन हत्याओं में शामिल होने का आरोप है.

वर्क फ्रॉम होम और ऑनलाइन ट्रेडिंग का झांसा देकर 15 लाख की साइबर ठगी

जम्मू-कश्मीर से तीन आरोपी गिरफ्तार

टेलीग्राम ग्रुप में जोड़कर दिए जाते थे ऑनलाइन टास्क, अकाउंट रिपेयर और टैक्स के नाम पर अलग-अलग किस्तों में जमा करवाते थे रकम



झज्जर। वर्क फ्रॉम होम और ऑनलाइन ट्रेडिंग सिखाने के नाम पर करीब 15 लाख रुपये की साइबर ठगी करने के मामले में साइबर क्राइम थाना झज्जर पुलिस ने जम्मू-कश्मीर से तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों में से एक को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है, जबकि दो अन्य आरोपियों को पूछताछ के लिए तीन दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है। आरोपियों की पहचान ईशान शर्मा निवासी मॉडल टाउन गांगयाल, हाल प्रीत नगर, डिगयाना, जम्मू, हरजोत सिंह निवासी दशमेश नगर, डिगयाना, जम्मू तथा रोहित शर्मा निवासी एक्सचेंज रोड, डोगरा हॉल, जम्मू के रूप में हुई है। बहादुरगढ़ निवासी सुशीला ने शिकायत दर्ज कराई थी कि गत 3 अगस्त को उसके मोबाइल फोन पर वर्क फ्रॉम होम से संबंधित एक संदेश आया था। शिकायत के अनुसार, इसके बाद महिला को टेलीग्राम के माध्यम से ऑनलाइन ट्रेडिंग सिखाने और घर बैठे पैसे कमाने का झांसा दिया गया। आरोपियों ने उसे संबंधित ग्रुप में जोड़कर अलग-अलग ऑनलाइन टास्क दिए। शुरुआत में छोटी रकम का भुगतान कर उसका विश्वास हासिल किया गया। इसके बाद आरोपियों ने अकाउंट रिपेयर और टैक्स भुगतान सहित विभिन्न बहानों से अलग-अलग किस्तों में रकम जमा करवानी शुरू कर दी। इस तरह पीड़िता से करीब 15 लाख रुपये की ठगी की गई। पूछताछ तथा जांच के दौरान सामने आए तथ्यों के आधार पर ईशान शर्मा को गिरफ्तार किया गया। उससे मिली जानकारी के आधार पर पुलिस ने हरजोत सिंह और रोहित शर्मा को भी गिरफ्तार कर लिया। तीनों आरोपियों को अदालत में पेश किया गया, जहां न्यायालय के आदेश पर ईशान शर्मा को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया, जबकि हरजोत सिंह और रोहित शर्मा को तीन दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है।

यूपी के 75 जिलों में अचानक छाया अंधेरा, एक साथ काटी गई बिजली, बजने लगा सायरन

लखनऊ। काट दी गई। पूरे प्रदेश में एक साथ अंधेरा छा गया। इसके बाद अचानक से सायरन बजाया गया जो आमतौर पर हवाई हमलों को लेकर बजाया जाता था। सायरन करीब दो मिनट तक बजाया गया। इसके बाद अलग-अलग जगहों पर कुछ हलचल शुरू हुई। दरअसल ये पूरी प्रक्रिया मॉकड्रिन के तहत की गई। आतंकी हवाई हमलों से बचने और लोगों की मदद को हमेशा तैयार रहने के लिए मॉकड्रिल की जाती है। इसमें सिखाया जाता है कि अगर भविष्य में अगर इस तरह की इमरजेंसी होती है तो खुद को और लोगों को कैसे बचाया जा सकता है। पूरे प्रदेश में एक साथ जो बिजली काटी गई वह भी मॉकड्रिल का हिस्सा था, जिसका उद्देश्य आतंकी गतिविधियों और भविष्य में किसी भी संभावित हवाई हमले जैसी आपात स्थितियों से निपटने के लिए सुरक्षा व्यवस्था को परखना था। यूपी में नागरिक सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने और युद्ध, हवाई हमले और अन्य आपातकालीन परिस्थितियों में प्रभावी ढंग से निपटने की तैयारियों को परखने के मकसद से सभी 75 जिलों में



एक साथ सिविल डिफेंस एयर रेड और ब्लैकआउट मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। तय कार्यक्रम के अनुसार शाम छह बजे पूरे प्रदेश की बिजली आपूर्ति बंद कर दी गई और सायरन बजाया गया। सायरन बजाने की प्रक्रिया करीब दो मिनट तक चली। इसी दौरान यातायात रोकने, रोके गए वाहनों की हेडलाइट एवं अन्य लाइटें बंद कराने का अभ्यास किया गया। शाम 6:10 बजे विद्युत आपूर्ति बहाल होने के बाद यातायात पुनः सुचारु करने का भी अभ्यास किया गया।

पुलिस को भी अपने अपने क्षेत्रों के प्रमुख एवं भीड़भाड़ वाले चौराहों पर स्वयं उपस्थित रहकर निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित कराने का दायित्व सौंपा गया। मॉक ड्रिल का उद्देश्य ब्लैकआउट की स्थिति में संबंधित विभागों के बीच समन्वय और आपातकालीन प्रतिक्रिया की तैयारियों का आकलन करना था।

भारत सरकार के गृह मंत्रालय के दिशा निर्देशों में आयोजित किए गए इस मॉक ड्रिल में एसडीएमए, डीडीएमए, एसडीआरएफ, पुलिस अगनिशमन, स्वास्थ्य विभाग सहित अन्य संबंधित विभागों की सक्रिय सहभागिता रही। अभ्यास के दौरान पहले पूरे प्रदेश में बिजली काटी गई। अंधेरा होने के साथ ही दो मिनट तक हवाई हमले की चेतावनी का सायरन बजाया गया। नागरिकों को सुरक्षित स्थानों पर शरण लेने का अभ्यास भी कराया जाएगा। खतरा समाप्त होने पर ऑल क्लियर सायरन बजाया गया।

मॉकड्रिल आतंकी हवाई हमलों से बचने की एक प्रक्रिया है। इस प्रक्रिया में बताया जाता है कि अगर भविष्य में कभी आपातकालीन स्थिति अगर आती है तो उससे कैसे निपटा जाए। इसमें सबसे पहले शहरों की बिजली काट दी जाती है। अंधेरा होने से दुश्मन के हवाई हमले या ड्रोन हमले से बचा जा सकता है। लोगों से भी घरों में अंधेरा रखने को कहा जाता है। सायरन बजाया जाता है जो लोगों को अलर्ट करता है। इस प्रक्रिया में खुद और दूसरों को सुरक्षित रखने के तरीके भी बताए जाते हैं। शहर और इलाकों की पहचान छिपाने और राष्ट्रीय सुरक्षा एवं नागरिकों की जान-माल की रक्षा के लिए आपदा या युद्ध जैसी परिस्थितियों में रणनीतिक सावधानी बरतने के लिए भी ब्लैकआउट किया जाता है।

घर, दुकान व कार्यालय की सभी बाहरी लाइटें तुरंत बंद करें खिड़की-दरवाजों से आने वाली रोशनी कपड़े परदे से ढक दें केवल आवश्यक होने पर हल्की रोशनी का प्रयोग करें प्रशासन, पुलिस, सिविल डिफेंस के निर्देशों का पालन करें घर के अंदर शांतिपूर्वक रहें। आपातकालीन स्थिति में ही बाहर निकले अफवाहों पर ध्यान न दें, आधिकारिक सूचना पर विश्वास करें।

अजय-दुष्यंत ने सरकार पर साधा निशाना

कार्यकर्ताओं ने किया राष्ट्रीय अध्यक्ष अजय चौटाला व पूर्व डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला का स्वागत

झज्जर। जननायक जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अजय सिंह चौटाला और पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत सिंह चौटाला के झज्जर पहुंचने पर पार्टी कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों ने स्वागत किया। कार्यकर्ताओं की भीड़ और उत्साह के बीच दोनों नेताओं ने आगामी 6 दिसंबर को महेंद्रगढ़ में होने वाली जेजेपी के स्थापना दिवस की रैली को लेकर कार्यकर्ताओं को न्योता दिया ।



कार्यक्रम के दौरान डॉ. अजय सिंह चौटाला ने बीजेपी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि प्रदेश में बढ़ते अपराध, बेरोजगारी, महंगाई और जनविरोधी नीतियों के कारण आम जनता परेशान है। उन्होंने कहा कि चुनाव के दौरान किए गए बड़े-बड़े वादों का जनता अब हिसाब मांग रही है। किसान, मजदूर, व्यापारी और युवा सहित सभी वर्ग सरकार की नीतियों से निराश हैं।

उन्होंने युवाओं की बेरोजगारी का मुद्दा उठाते हुए कहा कि हरियाणा के युवाओं में प्रतिभा और मेहनत की कोई कमी नहीं है, लेकिन रोजगार के पर्याप्त अवसर नहीं मिलने के कारण उन्हें परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सरकारी भर्तियों में देरी और रोजगार के सीमित अवसर युवाओं की चिंता बढ़ा रहे हैं। सरकार को युवाओं को केवल आश्वासन देने के बजाय रोजगार के ठोस अवसर उपलब्ध कराने चाहिए।

पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत सिंह चौटाला ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी पर निशाना साधते हुए कहा कि मुख्यमंत्री पंजाब के दौरे में व्यस्त हैं और वहां जाकर बड़े-बड़े वादे किए जा रहे हैं, जबकि पहले हरियाणा की जनता से किए गए वादों का हिसाब देना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश के लोगों को रोजगार, बेहतर शिक्षा, स्वास्थ्य सुविधाएं और सुरक्षा चाहिए। दूसरे प्रदेशों में जाकर वादे करने से पहले सरकार को हरियाणा की समस्याओं का समाधान करना चाहिए। दुष्यंत चौटाला ने कहा कि जनता ने समय-समय पर सत्ता में बैठे लोगों का घमंड तोड़ा है और आने वाले समय में भी जनता ही इसका जवाब देगी। इस दौरान उन्होंने एसआईआर के मुद्दे पर सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि सरकार वोट चोरी नहीं, बल्कि वोटों की डकैती कर रही है। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि लाखों वोट काटे गए हैं तो वर्ष 2024 के चुनाव में इन मतदाताओं ने किस आधार पर मतदान किया था।

दोनों नेताओं ने कार्यकर्ताओं से 6 दिसंबर को महेंद्रगढ़ में होने वाली स्थापना दिवस रैली को ऐतिहासिक बनाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में रैली प्रभारी रमेश खटक, राज सिंह दहिया, राकेश जाखड़, जिला अध्यक्ष अजय गुलिया, जिला प्रभारी उपेंद्र कादियान, महिला जिला प्रधान शीला गोदारा, जिला प्रवक्ता डॉ. विकास पाराशर, मिंटू ठेकेदार, राजीव दलाल, बलवान हसनपुर, संदीप अहलावत, राजू दलाल, भूपेंद्र गहलावत, मनोज पांचाल काला रोहद, धर्मेंद्र गुलिया, नसीब भारतीय, नसीब सोनू, प्रीतम कुकड़ौला, डॉ. अमित दलाल, सतबीर मैनेजर, लवप्रीत दलाल, आशीष कादयान, राकेश बहू, विजेंद्र साहब सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

खोड के निर्माणाधीन स्वागत गेट में तेज गति से आ रही एक स्कॉर्पियो ने टक्कर मारी, गाड़ी क्षतिग्रस्त, बड़ा हादसा टला

मंडी अटेली। ग्राम पंचायत खोड़ द्वारा सिहमा-अटेली मार्ग पर तोबड़ा के समीप निर्माणाधीन स्वागत गेट में तेज गति से आ रही एक स्कॉर्पियो रविवार को टक्कर मार दी। जिसमें गाड़ी क्षतिग्रस्त हो गई लेकिन वाहन चालक को मामूली चोटे आई। रविवार को स्वागत गेट पर शनिवार सेट्रिंग लगा कर आज रविवार को छुट्टी की हुई थी।

टक्कर के समय मिस्त्री मजदूर नहीं होने के कारण बड़ा हादसा टल गया। गांव के सरपंच प्रतिनिधि मूल सिंह ने बताया कि



ग्राम पंचायत द्वारा करीब 8 लाख की लागत से स्वागत गेट का कार्य शुरू किया हुआ था। रविवार को सीहमा की आर से तेज गति से आ रही स्कॉर्पियो ने दिन के समय साढ़े नो बजे के करीब निर्माणाधीन स्वागत गेट में टक्कर मार कर घुस गयी। शुक्र रहा है कि गाड़ी में केवल चालक सवार था।

सीएम रेवंत रेड्डी ने किसे कहा 'पागल कुत्ता' जो मच गया बवाल, कांग्रेस नेताओं ने ही जमकर घेर लिया

हैदराबाद। तेलंगाना कांग्रेस में मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के एक विवादित बयान को लेकर सियासी घमासान छिड़ गया है. पार्टी के भीतर सरकार की आलोचना करने वाले नेताओं को 'पागल कुत्ते' कहने पर कांग्रेस विधायक कोमाटिरेड्डी राज गोपाल रेड्डी ने मुख्यमंत्री पर तीखा पलटवार किया है. उन्होंने सत्ता के शीर्ष पदों पर बैठे नेताओं को मर्यादा में रहकर बयान देने की नसीहत दी. साथ ही सत्ता के अहंकार, भ्रष्टाचार और जनता की समस्याओं की



अनदेखी को लेकर भी निशाना साधा. दरअसल, मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने गुरुवार को सिद्दीपेट में एक जनसभा को संबोधित करते हुए पार्टी के उन नेताओं पर निशाना साधा था, जो सार्वजनिक मंचों से सरकार की आलोचना करते हैं, लेकिन निजी तौर पर सरकार के कामकाज की तारीफ करते हैं. मुख्यमंत्री ने किसी नेता का नाम लिए बिना कहा कि पार्टी के कुछ नेताओं को लगता है कि जैसे उन्हें 'पागल कुत्तों ने काट लिया है'. ऐसे लोगों को कांग्रेस कार्यकर्ता मानसिक अस्पताल लेकर जाएंगे. रेवंत रेड्डी ने कहा कि पार्टी के कुछ नेता सार्वजनिक रूप से हर चीज की आलोचना करते हैं, जबकि घर पहुंचकर सरकार के अच्छे कामों की तारीफ करते हैं. उन्होंने ऐसे नेताओं को एर्रागड्डा (मानसिक अस्पताल) ले जाने की बात कही. मुख्यमंत्री का यह बयान कथित तौर पर कांग्रेस विधायक कोमाटिरेड्डी राज गोपाल रेड्डी और अनिरुद्ध रेड्डी की हालिया आलोचनाओं से जोड़कर देखा जा रहा है. मुख्यमंत्री के बयान पर मुंगोडे विधानसभा सीट से कांग्रेस विधायक कोमाटिरेड्डी राज गोपाल रेड्डी ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर तीखी प्रतिक्रिया दी. उन्होंने कहा कि बड़े संवैधानिक और राजनीतिक पदों पर बैठे नेताओं को सार्वजनिक बयान देते समय अपनी मर्यादा का ध्यान रखना चाहिए. राज गोपाल रेड्डी ने कहा कि नेताओं को समझना चाहिए कि अगर वे सत्ता के अहंकार में मनमाने ढंग से व्यवहार करेंगे तो जनता इसे पसंद नहीं करेगी. उन्होंने सत्ता में बैठे लोगों को चेतावनी देते हुए कहा कि भ्रष्टाचार में लिप्त रहने, जनता की जरूरतों की अनदेखी करने और दुर्भावनापूर्ण प्रशासन चलाने वालों को न तो तेलंगाना की जनता माफ करेगी और न ही इतिहास उन्हें माफ करेगा.

जनता की उम्मीदों पर खरा उतरना सरकार की प्राथमिकता, : राव नरबीर सिंह

चंडीगढ़ -हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह ने रविवार को गुरुग्राम के बादशाहपुर में महर्षि कश्यप की प्रतिमा का अनावरण किया। इस अवसर पर उन्होंने क्षेत्रवासियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि महापुरुषों की प्रतिमाएं केवल हमारी आस्था और श्रद्धा का प्रतीक नहीं होतीं, बल्कि उनकी शिक्षाओं, आदर्शों और जीवन मूल्यों को आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाने का भी माध्यम होती हैं। महर्षि कश्यप का भारतीय संस्कृति और समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान रहा है। उनकी प्रतिमा की स्थापना से क्षेत्र में धार्मिक एवं सांस्कृतिक चेतना को और मजबूती मिलेगी।

कैबिनेट मंत्री ने कहा कि महर्षि कश्यप के जीवन और उनके आदर्शों से हम सभी को प्रेरणा लेनी चाहिए।



उनके विचार हमें समाज में आपसी सद्भाव, एकता, समरसता और सेवा की भावना को मजबूत करने का संदेश देते हैं। हमें महापुरुषों के दिखाए मार्ग पर चलते हुए समाज और राष्ट्र के विकास में अपना योगदान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि ऐसे धार्मिक एवं सामाजिक आयोजन हमारी सांस्कृतिक विरासत को सहेजने के साथ-साथ समाज को एक सूत्र में पिरोने का काम करते हैं।

राव नरबीर सिंह ने कहा कि बादशाहपुर क्षेत्र और हरियाणा की जनता ने जिस विश्वास और विकास की उम्मीद के साथ भारतीय जनता पार्टी की सरकार को मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में लगातार तीसरी बार सेवा का अवसर दिया है, सरकार उन उम्मीदों पर पूरी तरह खरा उतरने के लिए प्रतिबद्ध है। प्रदेश सरकार समाज के हर वर्ग के हितों को ध्यान में रखते हुए जनकल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर प्रभावी ढंग से क्रियान्वित कर रही है। विभिन्न विभागों के माध्यम से अनेक विकास कार्य चल रहे हैं। इन कार्यों को गति देने के साथ गुणवत्ता सुनिश्चित करने पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

कैबिनेट मंत्री ने करीब 23 करोड़ 64 लाख रुपये की लागत के विभिन्न विकास कार्यों का शिलान्यास एवं उद्घाटन किया।

इनमें तालाब से कबड्डी स्टेडियम तक फुटपाथ, स्ट्रीट लाइटिंग, जल निकासी व्यवस्था सहित सड़क निर्माण एवं सौंदर्यीकरण के कार्य भी शामिल है। इन विकास परियोजनाओं के पूरा होने से क्षेत्र में पेयजल आपूर्ति व्यवस्था मजबूत होगी और सड़क, सीवरेज तथा जल निकासी से जुड़ी सुविधाओं में सुधार होगा।

चीन का AI दांव क्या उल्टा पड़ गया है एक झटके में डूब गए 1,58,10,000 करोड़

नई दिल्ली. अमेरिका को पछाड़कर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) की दुनिया का बादशाह बनने का सपना देख रहे चीन को जोर का झटका लगा है. जिस चीनी एआई सेक्टर को कुछ महीने पहले तक मुनाफे की मशीन माना जा रहा था, वह अब ड्रैगन के बाजार का पसीना निकाल रहा है. चीनी एआई कंपनियों के शेयर निवेशकों के लिए बर्बादी का सौदा साबित होने लगे हैं. ब्लूमबर्ग के आंकड़ों के मुताबिक, जून के अंत से अब तक चीन के तीन प्रमुख टेक्नोलॉजी इंडेक्स में लिस्टेड कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण 1.7 ट्रिलियन डॉलर यानी 158.10 लाख करोड़ रुपये घट गया है. यह गिरावट उन निवेशकों के लिए किसी बुरे सपने से कम नहीं है, जिन्होंने डीपसीक मोमेंट (DeepSeek



Moment) की चकाचौंध में आकर चीनी शेयरों पर दांव लगाया था. अलीबाबा और टेनसेंट जैसी दिग्गज कंपनियों वाला हैंग सेंग टेक इंडेक्स दो साल के सबसे निचले स्तर पर लुढ़क गया है. हार्डवेयर कंपनियों पर केंद्रित ChiNext इंडेक्स गर्मियों में रिकॉर्ड ऊंचाई पर था, लेकिन अब इस साल 31% तक टूट चुका है. चिप कंपनियों वाला Star 50 इंडेक्स भी अब औंधे मुंह पड़ा है. साल की पहली छमाही में Z.AI Co. और Zhongji Innolight Co. जैसी कंपनियों के शेयरों ने जो रिकॉर्ड उछाल भरी थी, वह अब हवा हो चुकी है.

दुनियाभर में AI सेक्टर की रफ्तार सुस्त पड़ने का सबसे ज्यादा असर चीन पर दिखा है. इसकी बड़ी वजह यह है कि चीनी कंपनियों का वैल्यूएशन पहले ही आसमान छू रहा था. वे सरकारी सहयोग पर ही टिकी थीं. अब अमेरिका की सख्त पाबंदियों ने चीन के सस्ते एआई मॉडल और चिप निर्माण में आत्मनिर्भर बनने के दावों की परीक्षा लेनी शुरू कर दी है. अमेरिकी बाजार में एआई शेयरों की बिकवाली के बाद चीन के Star 50 इंडेक्स से जुड़े KraneShares ETF में भी 4% से अधिक की गिरावट आई है. इसे बाजार जानकार आगे होने वाली भारी उथल-पुथल का संकेत मान रहे हैं.

मेघालय में अमेरिकी रैपर स्वे ली के शो में जबरदस्त हंगामा, दर्शक ने फेंकी बीयर, रोकना पड़ा लाइव शो!



नई दिल्लीः मेघालय की राजधानी शिलॉन्ग में हुए मशहूर चेरी ब्लॉसम फेस्टिवल के दौरान उस समय हंगामा हो गया, जब अमेरिकी रैपर स्वे ली पर एक दर्शक ने कथित तौर पर बीयर फेंक दी. इस घटना से रैपर काफी नाराज हो गए और उन्होंने बीच में ही अपना लाइव परफॉर्मेंस रोक दिया. घटना के बाद स्वे ली ने सुरक्षा कर्मियों को बीयर फेंकने वाले शख्स को इवेंट से बाहर निकालने का निर्देश दिया, तब कहीं जाकर मामला शांत हुआ.

शिलॉन्ग के इस इवेंट का वीडियो भी सामने आया है. इसके स्वे ली पर एक शख्स बीयर फेंकते हुए नजर आ रहा है. जानकारी के मुताबिक, 33 वर्षीय अमेरिकी रैपर स्वे ली शनिवार रात मेघालय के बोइरिम्बोंग स्थित मदन कुरकलांग स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित चेरी ब्लॉसम फेस्टिवल में परफॉर्म कर रहे थे. उनके कार्यक्रम को देखने के लिए बड़ी संख्या में फैंस मौजूद थे. इसी दौरान एक दर्शक ने कथित तौर पर उनकी तरफ बीयर फेंक दी. बीयर सीधे स्वे ली के चेहरे की तरफ आई, जिससे उनका पारा सातवें आसमान पर पहुंच गया. घटना उस समय हुई जब स्वे ली अपना अगला गाना शुरू करने वाले थे. अचानक उन्होंने म्यूजिक रुकवा दिया और गुस्से में दर्शकों से पूछने लगे कि आखिर किसने उनकी तरफ बीयर फेंकी है? सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में रैपर को काफी नाराज देखा जा सकता है. वह बार-बार भीड़ की तरफ देखते हुए बीयर फेंकने वाले व्यक्ति के बारे में पूछते नजर आए. बताया जा रहा है कि जब बीयर फेंकने वाले व्यक्ति की पहचान हो गई, तब स्वे ली ने अपनी सुरक्षा टीम को उसे तुरंत बाहर निकालने के लिए कहा. इसके बाद आयोजकों और सुरक्षाकर्मियों ने कथित तौर पर उस व्यक्ति को कार्यक्रम स्थल से बाहर कर दिया. इस पूरी घटना के कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं. वीडियो में स्वे ली को अपना परफॉर्मेंस रोककर सुरक्षा कर्मियों को निर्देश देते हुए देखा जा सकता है. एक अंतरराष्ट्रीय कलाकार के साथ इस तरह की हरकत ने कार्यक्रम के माहौल को कुछ देर के लिए तनावपूर्ण बना दिया.

पुलिस विभाग में बड़े स्तर पर तबादला, 144 पीपीएस अफसरों का ट्रांसफर, कई जिलों के सीओ बदले

लखनऊ। यूपी विधानसभा चुनाव से पहले प्रदेश में तबादलों का दौर शुरू हो गया है। आईएएस और पीसीएस के बाद अब पुलिस विभाग में बड़ा फेरबदल किया गया है। शासन ने कई जिलों के सीओ का ट्रांसफर करते हुए 144 पीपीएस अफसरों का तबादला कर दिया है। इतने बड़े स्तर पर हुए तबादले से विभाग में हड़कंप मचा है। ट्रांसफर को लेकर आदेश भी जारी हो गया। इसके अलावा दो अफसरों का तबादला निरस्त कर दिया गया है।

इसमें शोभित कुमार को पुलिस उपाधीक्षक, जनपद कानपुर देहात, दिलीप कुमार सिंह पुलिस उपाधीक्षक, जनपद मीरजापुर, सुजीत कुमार दुबे पुलिस उपाधीक्षक जनपद अयोध्या, शुभम तोडी पुलिस उपाधीक्षक सम्भल, अतुल कुमार सिंह पुलिस उपाधीक्षक महराजगंज, महेन्द्र कुमार शुक्ला पुलिस उपाधीक्षक महोबा, रवि कुमार गुप्ता पुलिस उपाधीक्षक गोण्डा, आशुतोष तिवारी और राजेश सिंह को पुलिस उपाधीक्षक हरदोई, नीलेश मिश्रा पुलिस उपाधीक्षक गोरखपुर, प्रवीण कुमार सिंह पुलिस उपाधीक्षक हापुड़, बृजमोहन राय पुलिस उपाधीक्षक एपीटीएस चुनार मीरजापुर, राजेश कुमार सिंह पुलिस उपाधीक्षक शाहजहांपुर, ओंकार दत्त तिवारी सहायक पुलिस आयुक्त कमिश्नरेट गाजियाबाद, कुलदीप कुमार गुप्ता

अनुज मिश्रा शाहजहांपुर के सीओ बने

पुलिस उपाधीक्षक मुजफ्फरनगर, रजनीश वर्मा पुलिस उपाधीक्षक बागपत, राजेश कुमार श्रीवास्तव पुलिस उपाधीक्षक सुलतानपुर, अनुज मिश्रा पुलिस उपाधीक्षक शाहजहांपुर, चमन सिंह चावड़ा पुलिस उपाधीक्षक मथुरा बनाया गया है। इसके अलावा मधुप कुमार सिंह पुलिस उपाधीक्षक बरेली, राजीव कुमार गुप्ता पुलिस उपाधीक्षक अलीगढ़, देश दीपक सिंह पुलिस उपाधीक्षक सहारनपुर, रामकरन सहायक पुलिस आयुक्त कमिश्नरेट लखनऊ, नितिन कुमार पुलिस उपाधीक्षक जौनपुर, सुनील कुमार सिंह पुलिस उपाधीक्षक अयोध्या, पवन कुमार सहायक पुलिस आयुक्त कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर, सिद्धार्थ गौतम सहायक पुलिस आयुक्त कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर, अरुण कुमार सिंह-द्वितीय पुलिस उपाधीक्षक जनपद खीरी, देव प्रकाश सहायक सेनानायक 39वीं वाहिनी पीएसी मीरजापुर, अमरीश कुमार सहायक पुलिस आयुक्त कमिश्नरेट लखनऊ, जितेन्द्र कुमार शर्मा पुलिस उपाधीक्षक हापुड़, सूर्यबली मौर्य पुलिस उपाधीक्षक देवरिया, संजय कुमार रेड्डी पुलिस उपाधीक्षक गाजीपुर, सुधाकर पाण्डेय पुलिस उपाधीक्षक कौशाम्बी, अरुण कुमार चौरसिया पुलिस उपाधीक्षक संतकबीरनगर, संतोष कुमार सिंह-द्वितीय पुलिस उपाधीक्षक उन्नाव, भास्कर वर्मा सहायक पुलिस आयुक्त कमिश्नरेट कानपुर नगर, राधा रमण सिंह सहायक पुलिस आयुक्त कमिश्नरेट लखनऊ, हिमांशु माथुर पुलिस उपाधीक्षक मथुरा, परमानन्द कुशवाहा पुलिस उपाधीक्षक सहारनपुर, देवेश सिंह सहायक पुलिस आयुक्त कमिश्नरेट आगरा, संदीप सिंह पुलिस उपाधीक्षक जौनपुर, गिरेन्द्र कुमार सिंह पुलिस उपाधीक्षक गोरखपुर बनाए गए हैं।

दिनेश दत्त मिश्र बने बाराबंकी में 10वीं वाहिनी पीएसी के सेनानायक

इसके अलावा रामवीर सिंह सहायक सेनानायक 04वीं वाहिनी एसएसएफ मथुरा, शमशेर बहादुर सिंह पुलिस उपाधीक्षक सुलतानपुर, राजीव सिरोही पुलिस उपाधीक्षक मथुरा, रत्नेश सिंह पुलिस उपाधीक्षक सुरक्षा मुख्यालय लखनऊ, सुनील कुमार सिंह-द्वितीय पुलिस उपाधीक्षक अम्बेडकरनगर, अजय कुमार-द्वितीय पुलिस उपाधीक्षक झांसी, दिनेश दत्त मिश्र सहायक सेनानायक 10वीं वाहिनी पीएसी बाराबंकी, इमरान अहमद सहायक पुलिस आयुक्त कमिश्नरेट गाजियाबाद, आशीष प्रताप सिंह पुलिस उपाधीक्षक आजमगढ़, दीपक दुबे पुलिस उपाधीक्षक बरेली, भूषण वर्मा पुलिस उपाधीक्षक जौनपुर, रविकान्त गौड़ सहायक पुलिस आयुक्त कमिश्नरेट आगरा, यादवेन्द्र यादव पुलिस उपाधीक्षक बरेली, अनिल कुमार शाही पुलिस उपाधीक्षक मुजफ्फरनगर, मंजय सिंह पुलिस उपाधीक्षक अयोध्या, राजेश कुमार-द्वितीय पुलिस उपाधीक्षक ललितपुर, अजय सिंह चौहान पुलिस उपाधीक्षक सोनभद्र, पियूष पुलिस उपाधीक्षक गोरखपुर, अरुण कुमार सिंह-द्वितीय पुलिस उपाधीक्षक अयोध्या, गौरव सिंह-द्वितीय पुलिस उपाधीक्षक बिजनौर, आशुतोष कुमार पुलिस उपाधीक्षक रायबरेली बनाया गया है।

मुनेन्द्र पाल सिंह सहायक पुलिस आयुक्त कमिश्नरेट प्रयागराज

इसी तरह गजेन्द्र पाल सिंह पुलिस उपाधीक्षक अमरोहा, रविकान्त पारासर सहायक पुलिस आयुक्त कमिश्नरेट वाराणसी, धर्मेन्द्र सिंह पुलिस उपाधीक्षक मुरादाबाद, शकील अहमद सहायक पुलिस आयुक्त कमिश्नरेट आगरा, मुनेन्द्र पाल सिंह सहायक पुलिस आयुक्त कमिश्नरेट प्रयागराज, शिव नारायन वैश्य सहायक पुलिस आयुक्त कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर, विधि भूषण मौर्य पुलिस उपाधीक्षक महोबा, विवेक यादव सहायक पुलिस आयुक्त कमिश्नरेट लखनऊ, यादवेन्द्र बहादुर पाल पुलिस उपाधीक्षक मीरजापुर, सुमन कनौजिया, सहायक पुलिस आयुक्त कमिश्नरेट आगरा, राजवीर सिंह परिहार पुलिस उपाधीक्षक अमेठी, देव नारायण यादव सहायक सेनानायक 04वीं वाहिनी पीएसी प्रयागराज, हर्ष पाण्डेय पुलिस उपाधीक्षक जौनपुर, अंजली कटारिया, पुलिस उपाधीक्षक बुलन्दशहर, किरन पाल सिंह पुलिस उपाधीक्षक फिरोजाबाद, अनिल कुमार सिंह-द्वितीय पुलिस उपाधीक्षक बदायूं बनाया गया है।

'गोवा बिल्डरों का नहीं, यहां के लोगों का', अभिजीत दीपके ने BJP सरकार को घेरा

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी के अभिजीत दीपके ने शनिवार (21 नवंबर 2026) को गोवा की सरकार पर आरोप लगाया. उन्होंने कहा कि उत्तरी गोवा जिले के करापुर-सरवन गांव में एक निजी कंपनी की मेगा हाउसिंग परियोजना का विरोध कर रहे स्थानीय लोगों पर बेरहमी से हमला किया गया. इसके बावजूद राज्य सरकार को सिर्फ बिल्डरों की परवाह है. करापुर-सरवन में गुरुवार (19 नवंबर 2026) की रात हुई झड़प में कम से कम 7 लोग घायल हो गए, जिनमें से दो की हालत गंभीर है. मायेम विधानसभा क्षेत्र में स्थित इस गांव का दौरा करते हुए, दीपके ने दावा किया कि गंभीर रूप से घायल गौरीश घडी को विशेष रूप से इस परियोजना का विरोध करने के



कारण निशाना बनाया गया था.

अभिजीत दीपके रविवार (21 नवंबर 2026) को गोवा से पार्टी के राष्ट्रव्यापी अभियान क्या बोलती पब्लिक की शुरुआत करने के लिए वहां पहुंचे हैं. दीपके ने बताया कि घडी पर कथित तौर पर दरांती से हमला किया गया, जिससे उनके हाथ में फ्रैक्चर हो गया और सिर पर चोटें आईं. CJP नेता ने सवाल किया, 'क्या उनका कसूर सिर्फ इतना था कि वह अपने गांव और वहां के लोगों की जमीन को बचाने के लिए लड़ रहे थे?' उन्होंने आरोप लगाया कि यह हमला जानलेवा भी साबित हो सकता था. उन्होंने दावा किया कि इस हमले में 7 से 8 लोग शामिल थे, लेकिन अब तक केवल एक व्यक्ति की गिरफ्तारी हुई है. दीपके ने BJP सरकार पर आरोप लगाया कि वह स्थानीय निवासियों के बजाय बिल्डरों और कारोबारी समूहों के हितों को प्राथमिकता दे रही है. उन्होंने कहा कि प्रस्तावित परियोजना के लिए बुनियादी ढांचा तो विकसित किया जा रहा है, लेकिन ग्रामीणों को पानी और बिजली जैसी बुनियादी सुविधाओं से वंचित रखा जा रहा है.

दिल्ली में 55 लाख के गहनों से भरे बैग की हो गई अदला बदली, फिर ऐसे हुआ बरामद

नई दिल्ली। दिल्ली के ISBT कश्मीरी गेट से एक बेहद दिलचस्प मामला सामने आया है, जहां 55 लाख रुपये के सोने के गहनों से भरा बैग अदला-बदली हो गया. हालांकि राहत वाली बात ये रही कि पुलिस ने महज कुछ ही दिनों में उसे सुरक्षित बरामद कर लिया.

मामले की शुरुआत 12 नवंबर को हुई, जब शिकायतकर्ता अमृत राज वर्मा ने ISBT कश्मीरी गेट की पहली मंजिल पर प्रवेश द्वार के एक्स रे मशीन के पास से अपना काले रंग का बैकपैक गायब होने की शिकायत दर्ज कराई. इस बैग में कपड़े, लगभग 9000 रुपये नकद, मोबाइल चार्जर, आधार कार्ड और करीब 55 लाख रुपये मूल्य के सोने के आभूषण रखे थे.



शुरुआती तौर पर ये मामला अदला-बदली का था, जहां शिकायतकर्ता ने गलती से किसी और का बैग उठा लिया और बाद में उन्हें अपने बैग के बदले जाने का एहसास हुआ. भारी मात्रा में कीमती गहने जाने से शिकायतकर्ता काफी निराश और हताश था. पुलिस ने इसके बाद मामला दर्ज कर तुरंत जांच शुरू कर दी.

पुलिस की जांच टीम ने ISBT परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज को बारीकी से खंगाला. टीम ने विभिन्न बस रूटों की जांच की, बस टिकटों को चेक किया और पैसों के लेन देन की भी पड़ताल की. जांच के दौरान बस यात्रा के जरिए संदिग्ध व्यक्ति की आवाजाही का सुराग मिला. पुलिस ने बेंगलुरु बस डिपो से जुड़े 174 रुपये के लेन देन और उसके बाद हुए पेटीएम ट्रांजेक्शन सहित अन्य अहम रकम के लेन देन की डिटेल की पड़ताल की.

CJP ने खोला 'कॉकरोच कल्ब'- भीड़ तो जुट गई लेकिन मुखिया गायब रहे

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी ने 'कॉकरोच क्लब' की शुरूआत की है। आशुतोष रांका ने एक्स पर इसकी जानकारी देते हुए लिखा- 'कॉकरोच क्लब की शुरूआत हो चुकी है। फुल एपिसोड जल्द ही जारी किया जाएगा।' यह क्या है, इसमें क्या होगा जैसी तमाम बातें कॉकरोच पार्टी के तमाम लीडर पहले ही थोड़ा-बहुत बता चुके हैं। लेकिन सवाल है कि इस क्लब के पहले ऐपिसोड में कौन आया और कौन नहीं। रांका ने जो तस्वीरें शेयर की हैं, उनमें भीड़ तो दिख रही है लेकिन CJP के मुखिया नहीं दिखाई दे रहे हैं। आशुतोष रांका ने अपने एक्स हैंडल पर 11 फोटो शेयर की हैं। इन तस्वीरों में कॉकरोच क्लब में परफॉम करते हुए आर्टिस्ट देखे जा सकते हैं।



कुछ तस्वीरों में ऑडियंस को भी दिखाया गया है। वहीं एक तस्वीर में स्टेज पर आशुतोष रांका और सौरव दास को देखा जा सकता है। सौरव माइक पर कुछ बोल रहे हैं, जबकि रांका साइड में खड़े हैं। एक अन्य तस्वीर में अजिंक्य शिंदे को भी देखा जा सकता है। अंजिक्य शिंदे वही शख्स हैं, जिन्होंने कॉकरोच के उस प्रोटेस्ट को लीड किया था, जब CJP के सभी नेताओं को पुलिस ने हिरासत में ले लिया था।

वहीं एक अन्य फोटो में CJP की लीगल हेड रत्ना सिंह को भी देखा जा सकता है और उनके बगल में स्टैंड अप कॉमेडियन मराठी कपिल दिखाई देते हैं। इस तरह शेयर की गई इन फोटो में सीजेपी के सभी बड़े चेहरे दिखाई देते हैं, लेकिन मुखिया अभिजीत दीपके की फोटो कहीं नहीं दिखती है। इसलिए यह अनुमान लगाया जा रहा है कि दीपके ने इसमें भाग नहीं लिया है। इन तस्वीरों को शेयर करते हुए आशुतोष रांका ने ट्विट किया और लिखा- 'कॉकरोच क्लब शुरू हो गया है। पूरा एपिसोड जल्द जारी किया जाएगा। कॉकरोच पार्टी ने पहले बताया था कि इस क्लब में कॉमेडी, व्यंग्य और बौद्धिक चर्चाओं के एक अनोखे मिश्रण के माध्यम से महात्मा गांधी की विचारधारा और देश में उनके योगदान के बारे में युवाओं को जानकारी दी जाएगी और इस बारे में जागरूकता फैलाकर उसे युवाओं खासकर जेन-जी तक पहुंचाया जाएगा। पार्टी के मुताबिक इस पहल का मकसद गांधीजी के विचारों को पारंपरिक चर्चाओं के दायरे से बाहर निकालकर, उन्हें ऐसे रूप में पेश करना है जो आज की युवा पीढ़ी से जुड़ सकें।

राधे-राधे से सपा को परेशानी, राधे के आशीर्वाद से साइकिल को पंचर कर सैफई भिजवाएंगे: केशव मौर्य

लखनऊ। यूपी के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि कांग्रेस और समाजवादी पार्टी गरीबों की दुश्मन हैं। धार्मिक नारों को लेकर समाजवादी पार्टी की प्रतिक्रिया पर मौर्य ने कहा कि जब जय श्रीराम का उद्घोष होता है तो सपा प्रमुख घबराते हैं और अब राधे-राधे के उद्घोष से भी उन्हें परेशानी होने लगी है। राधे-राधे केवल नारा नहीं, बल्कि श्रद्धा, भक्ति और सनातन संस्कृति की भावना प्रकट करने का माध्यम है।

हमने जब कहा कि 'राधे-राधे कमल खिला दे' तो समाजवादी पार्टी को अपनी पंचर साइकिल दिखाई नहीं दे रही, बल्कि उसे कमल मुरझाया हुआ दिखाई दे रहा



है। यह उनकी सोच और दृष्टि का दोष है, उन्हें अपनी आंखों का इलाज कराना चाहिए। केशव मौर्य ने कहा, विपक्ष पिछड़ों और दलितों की विरोधी हैं तथा इन दलों से गरीबों के कल्याण की उम्मीद नहीं की जा सकती। इनका इतिहास गरीबों, वंचितों और शोषितों को केवल वोट बैंक समझने का रहा है, जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने गरीबों को सम्मान, सुरक्षा और आत्मनिर्भरता प्रदान करने का काम किया है।

मौर्य ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में सरकार बनने के बाद लगभग 50 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर आए हैं।

यह केवल एक आंकड़ा नहीं, बल्कि भारत के विकास और गरीबों के जीवन में आए सकारात्मक बदलाव की ऐतिहासिक उपलब्धि है। इस उपलब्धि को विश्व बैंक ने भी स्वीकार किया है, यह सरकार का अपना दावा मात्र नहीं है। पूरी दुनिया के लिए यह एक संदेश है कि जब सत्ता का ईमानदारी और जिम्मेदारी के साथ सदुपयोग किया जाता है, तो करोड़ों लोगों का जीवन बदला जा सकता है।

उन्होंने प्रधानमंत्री को इस ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए बधाई देते हुए आभार व्यक्त किया और कहा कि गरीबों का जीवन और खुशहाल बने, गरीब परिवार आर्थिक रूप से समृद्ध हों तथा हर जरूरतमंद व्यक्ति विकास की मुख्यधारा से जुड़े, इसके लिए हमारी कोशिश पहले भी थी, आज भी है और आगे भी जारी रहेगी। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि कमल पूरी तरह खिला हुआ है और आगे भी खिलने जा रहा है।

ससुराल वाले दे रहे थे औरा, दिल्ली पुलिस के जवान ने मांगी ब्रेजा; मंडप में बैठी रह गई दुल्हन, तोड़ दी शादी

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में पिछले दिनों दहेज की मांग और उसके चलते महिलाओं की मौत के कई मामले सामने आए। इस बार भी दहेज का एक और मामला सामने आया है लेकिन इस बार आरोपी कोई और नहीं बल्कि खुद दिल्ली पुलिसकर्मी है। इस पुलिसकर्मी पर आरोप है कि दहेज में मन के मुताबिक गाड़ी ना मिलने पर उसने अपनी शादी ही कैंसिल कर दी। उसकी शादी 20 नवंबर को हरियाणा के सोनीपत में होने वाली थी। लड़की वालों ने दहेज में देने के लिए साढ़े 9 लाख रुपए की औरा गाड़ी बुक थी। लेकिन शादी से ठीक पहले आरोपी ने मांग की कि उसे औरा



नहीं बल्कि 13 लाख रुपए की ब्रेजा गाड़ी चाहिए। लड़के वालों की मांग जानकर लड़की के पिता ने ब्रेजा गाड़ी बुक करने की भी कोशिश की लेकिन क्योंकि शादी में काफी कम वक्त बचा था, इसलिए वो समय पर नहीं आ पाई। इसी बात से नाराज होकर आरोपी ने शादी तोड़ दी।

दुल्हन के परिवार ने पुलिस से संपर्क किया है और दूल्हे और उसके परिवार के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। पिता का दावा है कि उन्होंने शादी की तैयारियों पर 25 लाख से 30 लाख रुपए खर्च किए थे। उन्होंने बताया कि शादी 6 महीने पहले पक्की हुई थी और उसके बाद से ही लड़के वाले दहेज में गाड़ी और गहनों की मांग करने लगे। लड़की के पिता ने ऑरा पहले ही बुक कर ली थी।

लेकिन फिर उन्हें बिचौलियों से पता चला कि आरोपी को ब्रेजा गाड़ी चाहिए। ऐसे में उन्होंने ऑरा की बुकिंग कैंसिल की और ब्रेजा गाड़ी का इतंजाम करने में लग गए लेकिन समय पर गाड़ी का बंदोबस्त नहीं हो पाया।

लड़की के पिता सुभाष ने बताया कि उनका परिवार लड़के के लिए दो तोले सोने की चेन, उसकी माँ के लिए चार तोले सोने की बालियां और चांदी की पायल देने के लिए भी राजी हो गया था। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि दूल्हे के बड़े भाई और भाभी के लिए भी गहनों की मांग की गई थी, जिसके बाद दुल्हन के परिवार ने उन गहनों का ऑर्डर भी दे दिया था। इसके अलावा वे फर्नीचर भी शादी में देने वाले थे। शादी मामचंद वाटिका में होने वाली थी जिसके लिए अच्छा खासा इंतजाम किया गया था।

बीजेपी विधायक को दिया गया जहर?

रात 9 बजे अचानक बिगड़ी तबीयत, वेंटिलेटर पर रखा गया

कोलकाताः संदेशखाली आंदोलन का चेहरा और हिंगलगंज से भाजपा विधायक रेखा पात्रा की तबीयत अचानक बिगड़ गई है. उन्हें शनिवार देर रात कोलकाता के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है. उनकी हालत बेहद गंभीर बताई जा रही है और उन्हें वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा गया है.

उन्हें सरकारी बसीरहाट सुपर स्पेशलिटी अस्पताल से कोलकाता रेफर किया गया है. रिपोर्ट्स के मुताबिक, उनके शरीर में जहर के असर के लक्षण मिले हैं. हालांकि, उनकी बीमारी का सही कारण अभी तक साफ नहीं है, क्योंकि अस्पताल की ओर से कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है. भाजपा ने भी



जहर देने की रिपोर्ट्स की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है.

रविवार सुबह राज्य के स्वास्थ्य मंत्री शरदवत मुखर्जी अस्पताल पहुंचे और विधायक के स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली. इस घटना ने राजनीतिक हलकों में भी चिंता बढ़ा दी है. रिपोर्ट्स के मुताबिक, रेखा शनिवार रात करीब 9 बजे हिंगलगंज स्थित अपने आवास पर अचानक बीमार पड़ गईं.

उनकी हालत तेजी से बिगड़ने लगी तो परिजन उन्हें स्थानीय अस्पताल ले गए. वहां उन्हें शुरुआती इलाज दिया गया.

राजस्थान पंचायत चुनाव का दिलचस्प मामला, विधायक के पीए की पत्नी हारी इलेक्शन, उतार ली स्ट्रीट लाइटें

जयपुर। राजस्थान पंचायत चुनाव के नतीजों में कई दिग्गजों के परिजनों और समर्थकों को भी हार का सामना करना पड़ा है. टोंक जिले से ऐसा ही एक दिलचस्प मामला सामने आया है. यहां एक विधायक के पीए की पत्नी पंचायत का चुनाव हार गई, जिसके बाद गांव में लगी स्ट्रीट लाइटें उतरवा ली गई. इससे ग्रामीणों में नाराजगी दिखी है. उनका कहना है कि पंचायत चुनाव के दौरान मतदाताओं को लुभाने के लिए सड़कों पर लाइटें लगाई थी, लेकिन जब चुनाव में हार मिली तो इन लाइटों को



उतरवा लिया गया है. राजस्थान पंचायत चुनाव के नतीजों के बाद टोंक जिले का यह मामला फिलहाल चर्चा में बना हुआ है.

मामला राजस्थान के टोंक जिले का बताया जा रहा है. यहां पंचायत समिति चुनाव में पीपलू के वार्ड नंबर-2 से निवाई के विधायक राम सहाय वर्मा के पीए की पत्नी प्रियंका शर्मा पंचायत समिति सदस्य का चुनाव लड़ रही थीं.

UGC, कार्यकर्ता का गुस्सा और EWS... राजस्थान के गांवों में मिली हार से क्या-क्या सीखेगी भाजपा

जयपुरः राजस्थान के पंचायत चुनाव के नतीजों ने भाजपा को धीरे से जोर का झटका दे दिया है. भले ही इन चुनावों से प्रदेश की सत्ता में कोई असर नहीं होगा, लेकिन जमीनी चुनाव कहे जाने वाले पंचायत इलेक्शन की हार ने झकझोर दिया है. अब पार्टी में इसे लेकर मंथन शुरू हो चुका है और प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने जिम्मेदारी ली है. कहा जा रहा है कि अब श्वड्ढस्र सरलीकरण, यूजीसी समेत कई मसलों पर विचार होगा. इसके अलावा संगठन में असंतोष को लेकर भी फीडबैक लेने की तैयारी है. चुनाव नतीजे के दिन स्थिति यह थी कि भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ शाम 7 बजे से पहले मीडिया से बातचीत करने को तैयार नहीं थे, लेकिन आखिर में खुद प्रदेश अध्यक्ष ने ही पहला कदम बढ़ाया और हार की जिम्मेदारी भी ली. पंचायती राज चुनाव में मिली हार के बाद सुधार की दिशा तय करना और इसकी पहल बड़ा सवाल है. हालांकि इसकी पहल मदन राठौड़ ने हार की जिम्मेदारी लेकर कर दी है. साथ में सुधार की दिशा को लेकर भी शुरुआती चर्चा बड़े स्तर पर हो चुकी है. चुनावी नतीजों और उसके कारण को लेकर एक रिपोर्ट दिल्ली भी भेजी जानी है. ऐसी सूरत में पार्टी इसमें ज्यादा समय नहीं लगाएगी. लेकिन इन सबके बीच जिला प्रमुख और पंचायत समिति प्रधान के चुनाव बीजेपी की प्राथमिकता में है, लिहाजा पार्टी ने इन चुनावों पर ज्यादा फोकस कर रखा है. जहां तक पार्टी की समीक्षा का विषय है, तो उसके लिए संभाग प्रभारी, जिला प्रभारी और जिला अध्यक्ष से अलग-अलग रिपोर्ट मांगी जाएगी. पार्टी अपने सिस्टम से मंडल और बूथ स्तर की टीम के काम को लेकर भी रिपोर्ट मांगने के मानस में है. चुनाव नतीजे के बाद बीजेपी आगे किसी भी तरह के बड़े नुकसान से बचाव चाहती है और इसके लिए पार्टी अलर्ट मोड पर आ रही है. बीजेपी सुधार तो करना चाहती है, लेकिन सुधार करने से पहले पार्टी के नेताओं की राय है कि सुधार किस चीज में करना है पहले उसे गलती का पता होना चाहिए? लिहाजा पार्टी समीक्षा बैठकों के साथ ही कारणों का 360 डिग्री विश्लेषण करेगी. सबसे पहली बात टिकट वितरण में रही खामियों को देखा जाएगा. क्या कहीं पर स्थानीय स्तर के नेता या पुराने पदाधिकारियों की राय को अनसुना किया गया? इसकी परख के साथ ही विधायक, मंत्री, जिला अध्यक्ष और मंडल अध्यक्ष की भूमिका की समीक्षा की जाएगी. साथ में ग्रामीण और शहरी क्षेत्र में लागू की गई सरकार की योजनाओं, उनकी क्रियान्विति और उस पर जनता के रिस्पांस को देखा जाएगा.

स्वामी/ प्रकाशक / मुद्रक
प्रमोद कुमार ने जय माँ गंगा प्रिंटर्स, हरिद्वार से मुद्रित कराकर कार्तिकेय कॉलोनी, फेस-3, दर्पण स्कूल वाली गली, निकट हनुमान मंदिर, कुसुमखेड़ा, हल्द्वानी जनपद-नैनीताल (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित किया।
सम्पादक
प्रमोद कुमार
मो.7830201066
सह-सम्पादक
दया जोशी
मो.9412135616